शर्मा हार्डওয়্যার
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 07 | गुवाहाटी | सोमवार, 31 जुलाई, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/

मेघालय के लिए दो और राजधानियों की मांग के पीछे जातीय दोष पेज 3
प्रधानमंत्री मंगलवार को पुणे में कई विकास परियोजनाओं का करेंगे... पेज 4
उप्र सरकार के पौधरोपण अभियान की प्रधानमंत्री ने की तारीफ, मुख्यमंत्री ने... पेज 5
भाजपा जिला उपाध्यक्ष व बेटे सहित कइयों पर धोखाधड़ी का केस दर्ज पेज 8

लोस अध्यक्ष ने असम विधानसभा के नए भवन का किया उद्घाटन

नया भवन आत्मनिर्भर असम का गवाह : ओम बिरला

गुवाहाटी (हि.स.)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने रविवार को असम विधानसभा के नवनिर्मित भवन का औपचारिक उद्घाटन किया। भवन का उद्घाटन करते हुए उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि असम विधानसभा का यह नया भवन आत्मनिर्भर असम का गवाह बनेगा। उन्होंने कहा कि यह नया विधानसभा भवन एक महत्वपूर्ण प्रणाली के रूप में माना जाएगा, जो लक्ष्यों और प्रथाओं को सही ढंग से एकीकृत कर सकता है। सिद्धांतों की स्थापना कर सकता है। इच्छाशक्ति को कार्यबल के साथ क्रियान्वित कर सकता है। पूर्णता का संकल्प ले सकता है। असम के महापुरुषों, स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों को साकार करने में यह विधानसभा भवन महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। लोकसभा अध्यक्ष ने यह भी कहा कि इस विधानसभा भवन में लिया गया हर निर्णय असम के उज्ज्वल भविष्य का आधार होगा। इस विधान सभा भवन में अपनाया गया प्रत्येक कानून एक विकसित असम का निर्माण करेगा। उन्होंने कहा कि आज एक ऐतिहासिक क्षण है। मुझे इस नए विधानसभा भवन का उद्घाटन करते हुए बहुत खुशी हो रही है। लोकसभा अध्यक्ष ने अविभाजित असम की राजधानी शिलांग में रहने के दौरान वहां विधानसभा की स्थापना के इतिहास को भी याद किया। उन्होंने इस स्वर्णिम इतिहास को याद करते हुए कहा कि देश को आजादी मिलने से पहले 1937 में असम विधानसभा अस्तित्व में आई थी और आज जिस इमारत में इसकी पहली बैठक हुई, उसमें शिलांग के विधानसभा भवन का स्वरूप है। आजादी के बाद असम से कई नए राज्यों का गठन हुआ और शिलांग से गुवाहाटी के दिसपुर तक आने वाली असम विधानसभा की इस लंबी प्रक्रिया ने इतिहास में एक महत्वपूर्ण स्थान -शेष पृष्ठ दो पर

पुलिस की गोलीबारी में अल्फा (स्वा.) का लिंकमैन घायल

तिनसुकिया/चराईदेव (हि.स.)। पुलिस की गोलीबारी में प्रतिबंधित यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (अल्फा) स्वाधीन (स्व) का एक लिंकमैन घायल हो गया। पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार पुलिस ने तिनसुकिया में विस्फोटक बरामद करने के लिए शनिवार को एक तलाशी अभियान चलाया था। जोरहाट-डिब्रूगढ़ पुलिस के एक मोस्ट वांटेड अपराधी तथा अल्फा के लिंकमैन जुमन बोरा को विस्फोटक बरामद करने के लिए दो स्थानों पर साथ ले जाया गया था। तिनसुकिया मामरानी में एक तलाशी के दौरान लिंकमैन जुमन बोरा भागने लगा। रोकने के लिए पुलिस द्वारा की गई गोलीबारी में वह घायल हो गया। दरअसल, तिनसुकिया पुलिस अल्फा लिंकमैन के संदेह में गिरफ्तार किए गए जुमन बोरा के साथ -शेष पृष्ठ दो पर

सर्वे : अभी चुनाव हुए तो भी भाजपा को मिलेगा बहुमत

नई दिल्ली। अगर अभी लोकसभा चुनाव होते हैं तो सत्तारूढ़ राजग गठबंधन को 318 सीटें मिल सकती हैं जबकि विपक्ष का *इंडिया* गठबंधन 175 सीटों पर सिमट सकता है। अन्य दलों को 50 सीटें मिल सकती हैं। यह दावा इंडिया टी.वी.-सी.एन.एक्स. के सर्वे में किया गया है। इस तरह सर्वे में राजग को स्पष्ट बहुमत मिलने की बात कही गई है। राजग में भाजपा सहित 38 दल हैं। दूसरी तरफ विपक्ष के इंडिया गठबंधन में कांग्रेस, तृणमूल, आप, राजद, जदयू, -शेष पृष्ठ दो पर

छात्रों को मातृभाषा में शिक्षा प्रदान करने पर केंद्रित है नई शिक्षा नीति : धर्मेंद्र प्रधान

नई दिल्ली। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तीन साल पूरे हो चुके हैं। तीसरी वर्षगांठ के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने *शिक्षा महाकुंभ* का उद्घाटन किया। देश की राजधानी दिल्ली के प्रगति मैदान अखिल भारतीय शिक्षा समागम चल रहा है। इस मौके पर 30 जुलाई (रविवार) को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि नई शिक्षा नीति में छात्रों को उनकी मातृभाषा में शिक्षा प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। एनईपी के तीन साल पूरे होने पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में छात्र इस प्रदर्शनी *ज्ञान कुंभ* में भाग ले रहे हैं। एनईपी ने मातृभाषा में शिक्षा प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित किया है। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति के तीन साल पूरे होने के -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

अरुणाचल में अगला लोस और विस चुनाव लड़ेगी आप

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) अगले साल अरुणाचल प्रदेश में लोकसभा और विधानसभा दोनों चुनाव लड़ेगी। पार्टी के राष्ट्रीय सचिव (संगठन) डॉ. संदीप पाठक ने रविवार को नयी दिल्ली में यह कहा। आप की अरुणाचल प्रदेश इकाई की बैठक की अध्यक्षता करते हुए पाठक ने पार्टी संगठन को मजबूत करने और जनता से जुड़ने का सुझाव दिया। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से गरीबों और वंचितों के लिए काम करने का आग्रह किया। आप की अरुणाचल इकाई के महासचिव टोको निकम के अनुरोध का जवाब देते हुए पाठक ने कहा कि पार्टी राज्य में एक रैली आयोजित करेगी। आप की अरुणाचल इकाई के अध्यक्ष यमरा ताया ने राज्य की मौजूदा स्थिति का जिक्र किया। उन्होंने पार्टी की प्रमुख -शेष पृष्ठ दो पर

भाजपा के कुकी नेता ने मणिपुर में नए केंद्र शासित प्रदेश बनाने की दी सलाह

कोलकाता। मणिपुर में जातीय हिंसा भड़कने के बाद सुर्खियों में आए भाजपा कुकी नेता विधायक पाओलीनलाल हाओकिप ने राज्य में तीन अलग-अलग केंद्र शासित प्रदेश बनाने की सलाह दी है। एक साक्षात्कार में हाओकिप ने राज्य में *जातीय अलगाव को राजनीतिक और प्रशासनिक मान्यता* देने की वकालत की। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह और कोकोमी के नेतृत्व वाले मैतेई समूहों ने राज्य को *टूटने* के किसी भी कदम का कड़ा विरोध किया है। विशेषलकों का कहना है कि केंद्र सरकार, जो कुकी समूहों-कुकी नेशनल ऑर्गनाइजेशन और यूनाइटेड पीपुल्स फ्रंट के साथ बातचीत कर रही है, भी इस तरह के फॉर्मूले के खिलाफ है। हाओकिप ने कहा कि जैसा कि मैं देखता हूं, आगे बढ़ने का रास्ता केंद्र सरकार के लिए जातीय अलगाव को राजनीतिक और प्रशासनिक मान्यता देना है, जहां मणिपुर राज्य को तीन केंद्र शासित प्रदेशों के रूप में पुनर्गठित किया गया है। आलोचकों का कहना है कि इस फॉर्मूलेशन से स्पष्ट रूप से नागा, कुकी और मैतेई अलग क्षेत्र बन जाएंगे, जो इस तथ्य को देखते हुए मुश्किल होगा कि कई गांवों और जिलों में मिश्रित आबादी है। उन्होंने तर्क दिया कि इस -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

खैबर पख्तूनख्वा में भीषण धमाके में 20 की मौत, 150 से अधिक घायल

पेशावर (हि.स.)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बाजौर जिले की खार तहसील में जमीयत उलेमा इस्लाम-फजल (जेयूआई-एफ) सम्मेलन में हुए विस्फोट में कम से कम 20 लोग मारे गए, जबकि 150 से अधिक घायल हो गए। इसकी पुष्टि स्थानीय प्रशासन ने किया है। पुलिस ने बताया कि यह विस्फोट बाजौर के खार में जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम-फजल (जेयूआई-एफ) के कार्यकर्ता सम्मेलन के दौरान यह धमाका हुआ है। पुलिस ने कहा कि इस विस्फोट में 150 से अधिक लोग घायल हो गए और उन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस प्रशासन ने इलाके की घेराबंदी कर दी है। रेस्क्यू 1122 के प्रवक्ता बिलाल फैजी ने बताया कि पांच एंबुलेंस घटनास्थल पर पहुंच गई है। बाजौर -शेष पृष्ठ दो पर

जनसैलाब : सत्तारूढ़ दल से झड़प, 124 कार्यकर्ता हिरासत में

ढाका (हि.स.)। बांग्लादेश में सत्तारूढ़ अवामी लीग और विपक्षी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के बीच शक्ति प्रदर्शन के दौरान बवाल थमने का नाम नहीं ले रहा। आरोप है कि पुलिस और अवामी लीग समर्थकों ने शनिवार को हुई बीएनपी की रैली को निशाना बनाया। बीएनपी के वरिष्ठ संयुक्त महासचिव रूहुल कबीर रिजवी ने दावा किया है कि पुलिस ने उनके 124 कार्यकर्ताओं को हिरासत लिया है। साथ ही -शेष पृष्ठ दो पर

नांगलोई में मुहर्रम जुलूस के दौरान भीड़ ने पत्थर बरसाए

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के नांगलोई इलाके में शनिवार को मुहर्रम के जुलूस के दौरान लोगों के एक समूह और पुलिसकर्मियों के बीच झड़प हो गई, जिसमें छह पुलिसकर्मियों समेत 12 लोग घायल हो गए और कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक मुहर्रम के ताजिया जुलूस के पूर्व निर्धारित मार्ग को बदलने को लेकर हुई बहस के बाद जुलूस में शामिल लोगों ने पुलिस पर पथराव किया, जिसके बाद झड़प हुई। एसएचओ नांगलोई प्रभु दयाल के बयान पर दर्ज हुई एफआईआर में लिखा है की ताजिया जुलूस में शामिल लोग जब तय रूट से अलग होकर जाने लगे तब पुलिस से उनकी -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
आत्मविजयी सभी प्रकार की संपत्ति एकत्र करने में समर्थ होता है।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

यूक्रेन ने किया बड़ा ड्रोन अटैक, मॉस्को का एयरपोर्ट किया गया बंद

मॉस्को। यूक्रेन ने आधी रात को रूस की राजधानी पर बड़ा हमला किया है। यूक्रेनी सेना के ड्रोन ने मास्को में दो इमारतों को निशाना बनाया। मॉस्को के मेयर ने बताया कि रात के वक्त ये हमला किया गया जिसमें इमारतों को नुकसान पहुंचा है हालांकि कोई हताहत नहीं हुआ। मेयर सरगेई सोबयानिन ने कहा कि दोनों ऑफिस टावरों को कुछ नुकसान हुआ है, लेकिन कोई शख्स घायल नहीं हुआ इस हमले के बाद रूस ने मॉस्को के वनुकोवो हवाईअड्डा को बंद कर दिया है और यहां से उड़ान भरने और लैंड -शेष पृष्ठ दो पर

प्रभावितों के पुनर्वास की व्यवस्था करे सरकार : इंडिया

इंफाल (हि.स.)। हिंसा प्रभावित मणिपुर के दो दिवसीय दौरे के अंतिम दिन आज (रविवार को) विपक्षी राजनीतिक दलों के गठबंधन *इंडिया* (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव एलायंस) के 21 सांसदों ने जायजा लेने के बाद मणिपुर की राज्यपाल अनसुइया उइके को एक ज्ञापन सौंपा। इस ज्ञापन के जरिए राज्य में शांति और सद्भाव लाने के लिए प्रभावित लोगों के तत्काल पुनर्वास की मांग की गई है। सांसदों ने आरोप लगाया कि सरकारी मशीनरी लगभग तीन महीने से चल रहे मणिपुर जातीय संघर्ष को नियंत्रित करने में पूरी तरह से विफल रही है। मणिपुर की राज्यपाल अनसुइया उइके को सौंपे गए ज्ञापन में दस्तावेज पर हस्ताक्षर करने वाले 21 सांसदों ने राज्य में शांति और सद्भाव लाने के लिए प्रभावित लोगों के तत्काल पुनर्वास की मांग की। ज्ञापन में कहा गया है कि पिछले कुछ दिनों में लगातार गोलीबारी और घरों में आगजनी की खबरों से यह साबित हो गया है कि राज्य -शेष पृष्ठ दो पर

पीड़ित महिला की मां ने की दोषियों को फांसी देने की मांग

इंफाल। मणिपुर हिंसा के कितने दर्द हैं, इससे जुड़े ना जाने कितने ही किस्से हैं जो अब हम तक पहुंच रहे हैं। लोगों की रूह कंपा देने वाली दास्तान हैं। हिंसा के बीच विपक्षी गुट के 21 सांसदों का एक प्रतिनिधिमंडल राज्य के दो दिवसीय दौरे पर है और हिंसा से प्रभावित लोगों से मुलाकात कर रहा है। इस दौरान मणिपुर में चार मई को नग्न -शेष पृष्ठ दो पर

अयोध्या में राम जन्मभूमि पथ का हुआ शुभारंभ

अयोध्या (हि.स.)। जय श्रीराम के जयकारे के साथ रामजन्मभूमि पथ का शुभारंभ कर दिया गया है। राम भक्तों को अपने आराध्य का दर्शन करने में आधा किलोमीटर की दूरी कम तय करनी होगी। पुराने दर्शन मार्ग में बदलाव करते हुए अब दर्शनार्थी नए मार्ग से रामलला का दर्शन के लिए परिसर में प्रवेश कर रहे हैं। यह मार्ग 566 मीटर लंबा है। यह मार्ग लगभग डेढ़ साल में 39 करोड़ रुपए की लागत से बनकर तैयार हुआ है। रामलला का नया दर्शन मार्ग राम जन्मभूमि पथ बिरला धर्मशाला के सामने से सीधे रामलीला दरबार तक पहुंचने -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

अफगानिस्तान में डेढ़ करोड़ से अधिक लोग होंगे भुखमरी के शिकार : यूनीसेफ

काबुल। संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय बाल आपातकालीन फंड (यूनीसेफ) ने दावा किया है कि अफगानिस्तान में अक्तूबर 2023 तक 15 मिलियन यानि लगभग 15 करोड़ से अधिक लोग भुखमरी के शिकार हो जाएंगे। टोलो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, 29.2 मिलियन लोगों को मानवीय सहायता की आवश्यकता होने की उम्मीद है। सूखे जैसी स्थिति, बाढ़, असुरक्षा, कठोर सर्दी, राजनीतिक और आर्थिक अस्थिरता और विस्थापन के कारण अफगानिस्तान की मंदी और बढ़ गई है। यूनिसेफ की रिपोर्ट का हवाला देते हुए सूत्र ने बताया कि अफगानिस्तान में आर्थिक संकट जारी रहने की आशंका है। वहीं 64 प्रतिशत परिवार अपनी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने में असमर्थ हैं क्योंकि कमजोर आबादी को कगार पर धकेल दिया गया है। अगस्त 2021 में तालिबान द्वारा अफगानिस्तान पर कब्जा करने के बाद से, अफगानिस्तान में लोगों की स्थिति और खराब हो गई है क्योंकि देश बड़े पैमाने पर मानवीय संकट की चपेट में है। तालिबान शासन के तहत अफगानिस्तान की स्थिति के बारे में एक अर्थशास्त्री सैयद मसूद ने कहा कि मानवीय सहायता और खाद्य सुरक्षा का मुख्य उद्देश्य उपभोग के स्तर और परिवारों की बुनियादी जरूरतों को बढ़ाना है। यूनिसेफ के अनुसार, गैर सरकारी संगठनों और संयुक्त राष्ट्र के लिए काम करने वाली अफगान महिलाओं पर प्रतिबंध ने कमजोर महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए खतरों को काफी बढ़ा दिया है। महिला अधिकार कार्यकर्ता सूर्या पायकन ने कहा कि महिलाओं में सर्वोत्तम प्रतिभाएं मौजूद हैं और वे सामाजिक और कार्य क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभा सकती हैं, लेकिन दुर्भाग्य से, वर्तमान सरकार अभी तक देश में इस समस्या का समाधान नहीं कर पाई है। जब से तालिबान ने सत्ता पर कब्जा किया है, लोगों को बुनियादी सुविधाओं के लिए कठिनाइयों का सामना तो करना ही पड़ रहा है, देश में महिलाओं की स्थिति भी बदतर हो गई है। देश में महिलाओं को नेतृत्व पदों पर जाने से प्रतिबंधित किया गया है और उन्हें काम करने के साथ-साथ यात्रा करने की भी अनुमति नहीं है, जब तक कि उनके साथ कोई पुरुष साथी न हो।

वीवो का नया फोन वाई-27 लांच

रंगिया (विभास)। सर्वश्रेष्ठ मोबाइल निर्माता कंपनी वीवो लगातार अपने नये फोन लांच कर रही है। जो लोगों को काफी पसंद आ रहे हैं। वहीं शुक्रवार को वीवो द्वारा नया मॉडल लांच किया गया है। इस मौके पर उत्तर पूर्वांचल की खुदरा प्रबन्धक संगीता भौमिक, वीबीए विभाग प्रबन्धक राहुल साहा बीजीएम ब्रांच-3, रंगिया के वीवो मोबाइल डिस्ट्रीब्यूटर मनी हार्डवेयर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स के मालिक गोपाल जाजोदिया सहित अंचल के करीब 40 खुदरा दुकानदारों की उपस्थिति में वीवो का यह नया मॉडल वाई27 रंगिया में भी लांच किया गया।

रिश्वत लेते उपपरिदर्शक गिरफ्तार

जोरहाट (हिंस)। डायरेक्टर ऑफ विजिलेंस एंड एंटी करप्शन की टीम ने रिश्वत लेने के आरोप में उप परिदर्शक को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार रविवार को डायरेक्टर ऑफ विजिलेंस एंड एंटी करप्शन की टीम ने नगर उपपरिदर्शक प्रणबनाथ को 20 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोप है कि एक मामले को रफा-दफा करने के नाम पर उपपरिदर्शक काफी लंबे समय से लोगों से पैसा ले रहा था। रविवार को करप्शन की टीम ने उपपरिदर्शक प्रणबनाथ को पैसा लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। घटना के संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है ।

घर में घुसकर महिला कर्मचारी से सामूहिक दुष्कर्म, केस दर्ज

तिनसुकिया (हिंस)। बारिश के दौरान घर में घुस कर बदमाशों ने एक महिला के मुंह पर पट्टी बांध कर सामूहिक दुष्कर्म करने की घटना से पूरा शहर हिला गया है। वारदात अंजाम देकर बदमाश भाग गए। पीड़ित ने तिनसुकिया सदर थाने में एफआईआर दर्ज करायी है। बताया गया कि किराए के मकान में एक स्कूल की महिला कर्मचारी अपनी बहन के साथ एक किराए के मकान में रहती थी, लेकिन गर्मी छुट्टी की वजह से बहन घर चली गई थी। पुलिस को रविवार को दी गई जानकारी के अनुसार शनिवार दोपहर को महिला घर में अकेली थी। उस समय बाहर जोरदार बारिश हो रही थी। इसी बीच कुछ बदमाश मुंह पर काली पट्टी बांधकर उसके घर में घुस गए और महिला के मुंह पर पट्टी बांध कर उसका पूरा चेहरे को ढक दिया और उसके साथ सभी ने बारी-बारी से बलात्कार किया। महिला चीख भी नहीं सकी क्योंकि मुंह पर पट्टी बंधी हुई थी। बदमाशों के जाने के बाद महिला ने आसपास के लोगों को बताया। पीड़ित महिला ने अपने परिजनों कर घटना की सूचना दी।

हेरोइन के साथ एक गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की भंगागढ़ पुलिस ने हेरोइन समेत एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान के दौरान अमालुद्दीन अहमद (32) को हेरोइन समेत गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी के पास से 4.13 ग्राम हेरोइन बरामद किया गया है। गिरफ्तार आरोपी को स्टेट कैंसर इंस्टिट्यूट के पास से गिरफ्तार किया गया।

रंगिया : स्वतंत्रता सेनानी कृष्ण लहकर की पुण्यतिथि आयोजित

रंगिया (विबास)। रंगिया में दिवंगत स्वतंत्रता सेनानी कृष्ण लहकर की पहली पुण्य तिथि मनाई गई। इस मौके पर रंगिया के मुरारा स्थित दिवंगत स्वतंत्रता सेनानी के आवास पर आयोजित इस कार्यक्रम में असम राज्य स्वतंत्रता सेनानी सम्मेलन के सहयोग से दिवंगत स्वतंत्रता सेनानी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित की गई। दिवंगत स्वतंत्रता सेनानी की याद में एक स्मारक सभा का आयोजन किया गया जिसमें कई वक्ताओं ने दिवंगत लहकर के सामाजिक जीवन के बारे में बताया और साथ ही मौके पर असम स्वतंत्रता सेनानी संघ के अध्यक्ष जितेन शर्मा ने स्वतंत्रता आंदोलन में दिवंगत स्वतंत्रता सेनानी लहकर के योगदान के बारे में अपने भाषण में कहा। स्मारक सभा के संयोजन में एक स्मारक पुस्तक का भी विमोचन किया गया। बैठक में असम राज्य स्वतंत्रता सेनानी सम्मेलन के अध्यक्ष जितेंद्र नाथ शर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष स्वतंत्रता सेनानी बलेंद्र नाथ, असम राज्य स्वतंत्रता सेनानी सम्मेलन के महासचिव द्विजेंद्र मोहन शर्मा, बजाली जिला स्वतंत्रता सेनानी सम्मेलन के अध्यक्ष रोहिणी कुमार शर्मा और कई स्थानीय लोग उपस्थित थे।

बीएसएफ ने तस्करी कर लायी गई 58 भैंस और 30 गाय कीं जब्त

शिलांग (हिंस)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने राज्य के पूर्वी खासी हिल्स में ईसामाटी-शेला मार्ग पर दो ट्रकों में ले जाई जा रही 58 भैंसों को जब्त किया है। वहीं, बीएसएफ ने एक अन्य कार्रवाई में पूर्वी खासी हिल्स में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर 30 गायों को भी जब्त किया है। बीएसएफ ने जब्त गाय, भैंसों और वाहनों को स्थानीय पुलिस को सौंप दिया गया है। सुरक्षा बल ने बताया कि खुफिया जानकारी मिली थी कि बांग्लादेश में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तस्करी करके पशुओं को लाया जा रहा है। इस पर बीएसएफ की 110 वीं बटालियन के जवानों ने राज्य के पूर्वी खासी हिल्स में ईसामाटी-शेला मार्ग पर तस्करी कर लायी जा रहीं दो ट्रकों से 58 भैंसों को बरामद किया।

पृष्ठ एक का शेष

नया भवन आत्मनिर्भर ...

प्राप्त किया है। लोकसभा अध्यक्ष ने अपने संबोधन में राज्य की उन महान हस्तियों को भी श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्होंने असम के विकास और गौरव में योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि यह नवनिर्मित भवन आधुनिकता और विरासत का मिश्रण है। यह नई इमारत सभी जातीय समूहों की संस्कृति को रेखांकित करती है, जिसमें बड़े असमिया लोगों की कला संस्कृति भी शामिल है। यह नया भवन असम के विकास के संकल्प को पूरा करने और आत्मनिर्भर असम के निर्माण का संकेत होगा। उन्होंने कहा कि आज इस नए भवन का उद्घाटन किया गया है, लेकिन असम विधानसभा के पुराने भवन ने भी असम की लोकतांत्रिक यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पुरानी इमारत विभिन्न ऐतिहासिक बिलों और कानूनों का प्रमाण थी। इसी इमारत से असम के लोगों के कल्याण के लिए कई विधेयक और कानून बनाए गए थे। लोकसभा अध्यक्ष ने यह भी कहा कि आजादी के बाद 75 वर्षों में असम में जो सामाजिक-आर्थिक बदलाव हुए हैं, वे इसी पुराने विधानसभा भवन के माध्यम से हुए हैं। इस बीच, यह नया विधानसभा भवन समय की मांग है। यह वर्तमान समय की जरूरतों, आधुनिक तकनीक आदि के साथ-साथ अत्याधुनिक दृश्य ऑडियो सुविधाओं से जुड़ा हुआ है। यह काम अब से डिजिटल मोड के माध्यम से किया जाएगा। अध्यक्ष बिरला ने लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै, बिष्णु प्रसाद राभा और डॉ. भूपेन हजारिका को याद करते हुए कहा कि इन महान हस्तियों ने असम विधानसभा को अलंकृत किया है। अपने भाषण के अंत में उन्होंने कहा कि जिस तरह भारत की नई संसद भारतीय संस्कृति, कड़ी मेहनत और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। इसी तरह असम विधानसभा का नया भवन भी असम की कला संस्कृति की विविधता है, जो इसकी समृद्ध विरासत को जीवित रखता है और अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त है। लोकसभा अध्यक्ष से पहले असम विधानसभा के अध्यक्ष विश्वजीत दैमारी, केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल और असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने भी आज के नए भवन के उद्घाटन समारोह को संबंधित किया। अपने संबोधन में असम विधानसभा की विरासत को याद किया। असम विधानसभा के इस नए भवन और सचिवालय के निर्माण की आधारशिला पांच फरवरी, 2011 को तत्कालीन मुख्यमंत्री तरुण गोगोई ने रखी थी। बाद में विभिन्न कारणों से इस नए भवन का काम धीमा हो गया और एक समय रुक गया। बाद में 2021 से इस नए भवन का निर्माण कार्य जोरों पर चला और आज इस नए भवन का आधिकारिक उद्घाटन किया गया। नए विधानसभा भवन का निर्माण 350 करोड़ रुपए की लागत से किया गया है।

पुलिस की गोलीबारी ...

छिपे हुए विस्फोटकों की तलाश कर रही थी। ऑपरेशन के दौरान जुमन बोरा ने पुलिस से बचकर भागने की कोशिश की, इसलिए पुलिस को गोली चलानी पड़ी। गोलीबारी में लिंकमैन जुमन बोरा के बाएं पैर पर गोली लगने से वह घायल हो गया। पुलिस द्वारा उसे घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उधर जिला मुख्यालय सोनारी में पुलिस द्वारा की गई फायरिंग में अल्फा (स्वा.) का एक लिंक मैन घायल हो गया। पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार यह घटना रविवार की है। गोलीबारी सोनारी के अभयपुर में हुई। पुलिस की गोली लगने से घायल अल्फा (स्वा.) के कैडर जोगेन गोगोई से आत्मसमर्पण करने के बाद फिर से वह संगठन में एक लिंकमैन के रूप में कार्य कर रहा था। इस संदर्भ में विस्तृत समाचार की प्रतीक्षा की जा रही है।

सर्वे : अभी चुनाव हुए ...

द्रमुक, नैकां सहित 26 पार्टियां हैं। केरल की सभी 20 लोकसभा सीटें इंडिया गठबंधन को, जबकि बंगाल में 42 में से 30 सीटें भी इसे मिल सकती हैं। पंजाब में भी सभी 13 सीटें इंडिया गठबंधन को मिलने की बात कही गई है। ओपिनियन पोल में कहा गया है कि भाजपा, जिसे 2019 में 303 सीटें मिली थीं, को 2024 में 290 सीटों पर जीत मिल सकती है। आंध्र प्रदेश में सत्तारूढ़ वाई.एस.आर. कांग्रेस की सीटें भी 22 घटकर 18 तक आ सकती हैं। वहीं शिव सेना के शिंदे गुट की सीटें 12 से घटकर 2 पर हो सकती हैं। राजग को उत्तर प्रदेश में 80 लोकसभा सीटों में से सबसे अधिक 73 पर जीत मिलने का दावा किया गया है। बाकी 7 सीटें इंडिया गठबंधन को मिलने की बात कही गई है। गुजरात में सभी 26 सीटों, उत्तराखंड में सभी 5 सीटों और कर्नाटक में 28 में से 20 सीटों पर राजग का कब्जा हो सकता है।

भाजपा के कुकी ...

तरह का कदम स्थायी शांति सुनिश्चित करेगा और प्रत्येक समुदाय के लिए उत्कृष्टता हासिल करने का मार्ग भी प्रशस्त करेगा। इस साल मई की शुरुआत में भड़की मेइतीस और कुकिस के बीच जातीय हिंसा ने अब तक 160 से अधिक लोगों की जान ले ली है और पूर्वोत्तर राज्य में आज भी यह हिंसा जारी है। मणिपुर की आबादी में मैतेई लोगों की संख्या लगभग 53 प्रतिशत है और वे ज्यादातर इंफाल घाटी में रहते हैं, जबकि आदिवासी नागा और कुकी की संख्या 40 प्रतिशत हैं और मुख्य रूप से पहाड़ी जिलों में रहते हैं। इस साल की शुरुआत में भाजपा के टिकट पर मणिपुर के चुराचांदपुर जिले के सैकोट निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव जीतने वाले हाओकिप ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा कुकी जो विद्रोही समूहों के साथ द्विपक्षीय मंच पर बातचीत फिर से शुरू करना एक सकारात्मक विकास है, जिसे देखते हुए राज्य सरकार अपने बहुसंख्यकवादी और अहंकारी रवैये से बिगाड़ने का काम कर रही है। हाओकिप और अन्य कुकी नेताओं का मानना है कि उनके समुदाय को एक कच्चा सौदा मिला है क्योंकि बहुमत राज्य के संसाधनों के आवंटन को नियंत्रित कर रहा है। वे इस तथ्य से भी नाखुश हैं कि आदिवासी लोगों को इन क्षेत्रों में उनके पहले से मौजूद अधिकारों का दावा किए बिना आदिवासी भूमि को आरक्षित वन और संरक्षित वन घोषित कर दिया गया। समुदाय परिसीमन आयोग की रिपोर्ट को रोकने से भी नाराज है, जिसमें दावा किया गया है कि राज्य में उनकी आबादी के बढ़े हुए प्रतिशत के अनुपात में आदिवासियों को अधिक सीटें देने की सिफारिश की गई है। कोकोमी जैसे संगठनों ने शनिवार को इंफाल में विरोध प्रदर्शन किया, जहां हजारों लोग कुकी समूहों के साथ बातचीत का विरोध करने के लिए एकत्र हुए थे। उन्होंने कुकी-जोमी समुदाय पर आरोप लगाते हुए इन समूहों को *नार्को-आतंकवादी* करार दिया है।

छात्रों को मातृभाषा ...

उपलक्ष्य में 29 जुलाई (शनिवार) को पीएम मोदी की मौजूदगी में *अखिल भारतीय शिक्षा समागम* का उद्घाटन किया गया, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की तीसरी वर्षगांठ के अवसर पर हुआ। एनईपी 2020 के उद्घाटन के बाद प्रधानमंत्री ने बच्चों और युवाओं से भी बातचीत की और बच्चों द्वारा प्रदर्शित परियोजनाओं को भी देखा। सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 21वीं सदी के भारत को नई दिशा देने वाली है और हम उस क्षण का हिस्सा बन रहे हैं, जो हमारे देश के भविष्य के निर्माण की नींव रख रहा है। 29 जुलाई (शनिवार) को पीएम मोदी ने कहा कि ये शिक्षा ही है जो देश का भाग्य बदलने की ताकत रखती है। देश जिस लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रहा है, उसे हासिल करने में शिक्षा की अहम भूमिका है। आप इसके प्रतिनिधि हैं। मेरे लिए भी अखिल भारतीय शिक्षा समागम का हिस्सा बनने का महत्वपूर्ण अवसर। पीएम ने कहा कि युवाओं को उनकी प्रतिभा के बजाय उनकी भाषा के आधार पर आंकना उनके साथ सबसे बड़ा अन्याय है। 29-30 जुलाई को आयोजित होने वाला दो दिवसीय कार्यक्रम शिक्षाविदों, क्षेत्र विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं, उद्योग प्रतिनिधियों, शिक्षकों और स्कूलों, उच्च शिक्षा और कौशल संस्थानों के छात्रों सहित अन्य लोगों को अपनी अंतर्दृष्टि, सफलता साझा करने के लिए एक मंच प्रदान किया गया है। एनईपी 2020 को लागू करने में कहानियां और सर्वोत्तम अभ्यास के साथ इसे और आगे ले जाने के लिए रणनीतियां तैयार करना। अखिल भारतीय शिक्षा समागम में 16 सत्र शामिल हैं, जिसमें दूसरों के बीच में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और शासन तक पहुंच, न्यायसंगत और समावेशी शिक्षा, सामाजिक-आर्थिक रूप से वंचित समूहों के मुद्दे, राष्ट्रीय संस्थान रैंकिंग फ्रेमवर्क, भारतीय ज्ञान प्रणाली, शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण सहित विषयों पर चर्चा की जा रही है।

खैबर पख्तूनख्वा में ...

जिला आपातकालीन अधिकारी साद खान ने 20 से अधिक मरने वाले और बड़ी संख्या में घायलों की संख्या की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि खार में जेयूआई-एफ के एक प्रमुख नेता मौलाना जियाउल्लाह जान की भी विस्फोट में मृत्यु हो गई। अधिकारी ने बताया कि घायल लोगों को पेशावर और टिमरगेरा के अस्पतालों में ले जाया जा रहा है। विस्फोट स्थल पर मौजूद चश्मदीद ने बताया कि कि घायलों में एक स्थानीय पत्रकार भी शामिल है। इस बीच, टेलीविजन फुटेज में विस्फोट के बाद घबराए हुए लोग घटनास्थल पर एकत्र होते दिख रहे हैं और घायलों को अस्पतालों में ले जाने के लिए एंबुलेंस आ रही है। बाद में, एक बड़ी पुलिस टुकड़ी ने इलाके की घेराबंदी की। जेयूआई-एफ प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान ने पार्टी के मीडिया सेल द्वारा जारी एक बयान में घटना पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और केपी सरकार से हमले की जांच की मांग की। इससे पहले, जेयूआई-एफ नेता हाफिज हमदुल्ला ने कहा कि उन्हें आज सम्मेलन में शामिल होना था, लेकिन कुछ व्यक्तिगत काम के चलते नहीं आ सके थे। उन्होंने कहा कि वो विस्फोट की कड़ी निंदा करते हैं और इसके पीछे के लोगों को संदेश देना चाहता हूं कि यह जिहाद नहीं बल्कि आतंकवाद है। उन्होंने कहा कि आज की घटना मानवता और बाजौर पर हमला है। जमात-ए-इस्लामी के सीनेटर मुश्ताक अहमद ने भी विस्फोट की निंदा की और मौतों पर संवेदना व्यक्त की।

जनसैलाब : सत्तारूढ़ ...

बल प्रयोग में 500 कार्यकर्ता घायल हो गए हैं। उन्होंने कहा है कि उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं पर जुल्म ढाया जा रहा है। 19 मई तक लगभग 1,450 बीएनपी समर्थकों के खिलाफ लगभग 320 मामले दर्ज किए गए हैं। साथ 1,514 नेताओं और कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया है। इस बीच गृहमंत्री असदुज्जमां खान कमाल ने कहा कि बीएनपी और कुछ राजनीतिक दल बांग्लादेश में अराजकता पैदा करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। यह दल अपने कार्यकर्ताओं को आगजनी के लिए उकसा रहे हैं। उनके कार्यक्रम करने पर कोई रोक नहीं है। अगर अराजकता फैलाई जाती है तो पुलिस और सुरक्षा बल कार्रवाई करेंगे।

नांगलोई में मुहर्रम ...

धक्का-मुक्की हुई, लोग जबरन सूरजमल स्टेडियम जाने के लिए जबरदस्ती करने लगे... स्टेडियम के अंदर जाने की परमिशन नहीं थी। फिलहाल नागलोई थाना पुलिस ने इलाके में पुलिस और आम पब्लिक पर पथराव करने के मामले में तीन एफआईआर दर्ज की है। आईपीसी की धारा 147, 148, 149, 151, 152, 153, 186, 323, 324, 332, 353, 307, 427 के तहत मुकद्दमा दर्ज करते हुए पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरा को खंगाल कर आरोपियों की तलाश कर रही है। पुलिस ने लोगों की अनियंत्रित भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया। बाहरी दिल्ली के पुलिस उपायुक्त हरेंद्र सिंह ने कहा कि नांगलोई इलाके में कई ताजिया जुलूस निकाले जा रहे थे और उनमें करीब आठ से दस हजार लोग शामिल हुए थे। एक-दो आयोजक बेकाबू हो गए और उन्होंने अपने जुलूस का जो रूट पहले से तय किया था, उसे बदलने की कोशिश की। सिंह ने कहा किजब पुलिस ने इसका विरोध किया तो उन्होंने पुलिसकर्मियों पर पथराव शुरू कर दिया। उन्हें नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया और उन्हें इलाके से खदेड़ दिया। पुलिस के मुताबिक, पथराव में 12 लोगों को मामूली चोटें आईं हैं जिनमें छह पुलिसकर्मी शामिल हैं। इस घटना में पुलिस के कुछ वाहन क्षतिग्रस्त हो गए हैं। पुलिस ने बताया कि इलाके में स्थिति नियंत्रण में है। इस घटना के कुछ कथित वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित किए गए हैं। वीडियो में, इलाके के कुछ लोग पथराव करते हुए बसों और निजी कारों सहित सार्वजनिक वाहनों को नुकसान पहुंचाते हुए दिखाई दे रहे हैं। एक वीडियो में पुलिस लाठीचार्ज करती दिख रही है। इस्लामी कैलेंडर मुहर्रम के 10वें दिन यानी यौम-ए-आशूरा पर मुसलमान मातम मनाकर पैगंबर मोहम्मद के नाती इमाम हुसैन की शहादत को याद करते हैं। हुसैन 680 ईसवी में करबला (इराक) में हुई जंग में शहीद हो गए थे।

अरुणाचल में अगला...

नीतियों को रेखांकित किया, जिसमें अरुणाचल प्रदेश गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (एपीयूएपीए) को निरस्त करना, अरुणाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग (एपीपीएससी) पेपर लीक मुद्दे का समाधान, सभी को मुफ्त पानी, बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना शामिल है।

प्रभावितों के पुनर्वास की...

मशीनरी पिछले लगभग तीन महीनों से स्थिति को नियंत्रित करने में पूरी तरह से विफल रही है। सांसदों ने कहा कि पिछले तीन महीनों से जारी इंटरनेट प्रतिबंध निराधार अफवाहों को बढ़ावा दे रहा है, जो समुदायों के बीच मौजूदा अविश्वास को बढ़ा रहा है। ज्ञापन में कहा गया है कि प्रधानमंत्री की चुप्पी मणिपुर में हिंसा के प्रति उनकी उदासीनता को दर्शाती है। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि सभी समुदायों में गुस्सा और अलगाव की भावना है। इसे बिना किसी देरी के ठीक किया जाना चाहिए। सांसदों ने राज्यपाल से कहा कि हम आपसे ईमानदारी से अनुरोध करते हैं कि सभी प्रभावी उपाय करते हुए शांति और सद्भाव बहाल करें, जो न्याय पर आधारित होनी चाहिए। शांति और सद्भाव लाने के लिए, प्रभावित व्यक्तियों का पुनर्वास सबसे जरूरी है। उन्होंने राज्यपाल से कहा कि आपसे यह भी अनुरोध है कि आप केंद्र सरकार को पिछले 89 दिनों से मणिपुर में कानून और व्यवस्था की पूरी तरह से खराब होने के बारे में अवगत कराएं ताकि केंद्र इस दिशा में कोई ठोस कार्रवाई करे। दस्तावेज में इस बात पर भी जोर दिया गया कि दोनों समुदायों के लोगों के जीवन और संपत्तियों की रक्षा करने में *केंद्र और राज्य दोनों सरकारों की विफलता* 140 से अधिक मौतों (आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार 160 से अधिक मौतें) के आंकड़ों से स्पष्ट है।

पीड़ित महिला की ...

अवस्था में घुमाई गईं दो महिलाओं में से एक की मां भी विपक्षी दलों के नेताओं से मिली। बाद में मीडिया से बात करते हुए पीड़िता की मां ने दोषियों को फांसी की सजा देने की मांग की। मीडिया से बातचीत में महिला ने कहा कि उसे केंद्र सरकार पर भरोसा है, लेकिन राज्य सरकार पर नहीं। महिला ने यह भी कहा कि हम आदिवासी अल्पसंख्यक हैं और हम अब मैतेई के साथ नहीं रह सकते हैं। साथ ही महिला ने रोते हुए सांसदों से कहा कि मेरे बेटे और पति के शवों को खोजने में मेरी मदद करें। चार मई को मणिपुर में भीड़ ने दो महिलाओं को नग्न कर सड़क पर परेड कराई थी, उनमें से एक की मां ने सांसदों से गुहार लगाई। टीएमसी सांसद सुष्मिता देव और डीएमके सांसद कनिमोझी ने पीड़ितों में से एक की मां से मुलाकात की। इस महिला ने ये बातें कहीं। उन्होंने दोनों नेताओं को यह भी बताया कि स्थिति ऐसी है कि कुकी और मैतेई अब साथ नहीं रह सकते। सासंद सुष्मिता देव ने कहा कि उनकी बेटी के साथ दुष्कर्म किया गया और उसके पति और बेटे को भीड़ ने मणिपुर पुलिस की मौजूदगी में मार डाला, लेकिन आज तक एक भी पुलिस अधिकारी को निलंबित नहीं किया गया है। उन्हें बहुत बड़ा झटका लगा है। 1,000 से अधिक लोगों की भीड़ थी और उन्होंने एक विशेष मांग की है, जिसे मैं राज्यपाल के सामने उठाऊंगी। सांसद सुष्मिता देव ने बताया कि पीड़ित एक अन्य लड़की ने आरोप लगाया कि पुलिस के सामने उसके साथ दुष्कर्म किया गया, लेकिन उसकी मदद के लिए कुछ नहीं किया गया। सुष्मिता देव ने दावा किया कि लड़की अब पुलिस से डरती है। अगर किसी पीड़ित को अब पुलिस पर भरोसा नहीं है तो यह एक संवैधानिक संकट है। कनिमोझी ने कहा कि पीड़िता के पिता ने सेना में सेवा की और देश की रक्षा की, लेकिन वह अपने परिवार की रक्षा नहीं कर सके। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मणिपुर में एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करना चाहिए था और उनकी पार्टी को इसका हिस्सा बनकर खुशी होती। हिंसा प्रभावित राज्य के कई इलाकों का दौरा करने के बाद विपक्षी गुट इंडिया के अन्य सांसदों के साथ एक पत्रकारों को संबोधित करते हुए गोगोई ने कहा कि वे नई दिल्ली लौटेंगे और संसद में दौरे के दौरान सामने आई भयावह कहानियों को उठाएंगे। उन्होंने कहा कि यह हम सभी के लिए एक कठिन दिन रहा है। हम चार राहत शिविरों में गए और लोगों की कहानियां सुनीं। महिलाएं यह बताते हुए रो पड़ीं कि कैसे उन पर हमला किया गया।

अयोध्या में राम...

वाला सबसे नजदीक और सुविधाजनक मार्ग है। इस मार्ग पर निशुल्क पेयजल, लॉकर, विश्राम और चिकित्सा आदि की सुविधा उपलब्ध है। शुभारंभ अवसर पर इस भव्य मार्ग को फूलों से सजाया गया है। इसके अलावा इस मार्ग पर पर्याप्त रोशनी की भी व्यवस्था की गई है। पिंक शेड्स स्टोन से यह मार्ग बेहद खूबसूरत बनाया गया है। इसकी चौड़ाई लगभग 100 फिट रखी गई है। यहां फ्री लाकर की भी सुविधा है। सरकार अयोध्या का संपूर्ण विकास करा रही है। लगभग 32 हजार करोड़ से अधिक की परियोजना एक साथ यहां चल रही है। अत्याधुनिक लाइट से युक्त जन्मभूमि पर एक साइड पत्थरों को लगाया जा रहा है। जन्मभूमि पथ को योगी सरकार ने अयोध्या के गरिमा के अनुरूप तैयार किया है। इस मार्ग पर पर्याप्त उजाला रहे, इसके लिए दो तरह की लाइटों को इंस्टाल किया जा रहा है। पथ के बीच में ऊंचे लैंप लगाए गए हैं। मार्ग पर सुंदर डिजाइनर व आकर्षक पोल भी लगाए गए हैं। मार्ग पर यात्रियों की सुविधा के लिए स्टोन बेन्च, वाटर कियोस्क एवं प्रसाधन की व्यवस्था स्थापित की जा रही है।

यूक्रेन ने किया बड़ा ...

होने वाली फ्लाइट्स को रि-डायरेक्ट कर दिया है। यूक्रेनी सीमा से लगभग 500 किमी (310 मील) दूर स्थित मॉस्को और उसके आसपास के क्षेत्र को यूक्रेन में संघर्ष के दौरान शायद ही ड्रोन से निशाना बनाया गया हो। इस महीने की शुरुआत में, ड्रोन हमलों की एक सीरीज ने शहर के दक्षिण-पश्चिम में स्थित एक हवाई अड्डे पर हवाई यातायात को कुछ समय के लिए बाधित कर दिया था। रूस ने कहा था कि उसने उस रात पांच यूक्रेनी ड्रोन गिराए थे। रूस के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि ऐसे हमले अमेरिका और उसके नाटो सहयोगियों द्वारा कीव शासन को प्रदान की गई मदद के बिना संभव नहीं होंगे। शुक्रवार को रूस ने कहा कि उसने यूक्रेन की सीमा से लगे दक्षिणी रोस्तोव क्षेत्र में दो यूक्रेनी मिसाइलों को रोका है, जिसमें तगानरोग शहर पर मलबा गिरने से कम से कम 16 लोग घायल हो गए थे। पिछले साल फरवरी में मॉस्को द्वारा शुरू किए गए सैन्य अभियान शुरू के बाद से यूक्रेन की सीमा से लगे क्षेत्रों में नियमित ड्रोन हमले और गोलाबारी देखी गई है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शनिवार को कहा था कि एक अफ्रीकी पहल यूक्रेन में शांति का आधार हो सकती है लेकिन यूक्रेनी हमलों की वजह से समस्या जटिल होती जा रही है।

स्वर्वेद भाष्य

पंचम मंडल **द्वितीय अध्याय**

(क्षर)

क्षरत पिण्ड ब्रह्माण्ड है, क्षरत बुद्धि हंकार।
क्षर इन्द्रिय जिव पाश है, क्षर इन अर्थ विकार॥ 05॥

शब्दार्थ : (पाश) बंधन (विकार) गुण, विकृति (अर्थ) इंद्रियों का विषय।

भाष्य : पिंड, ब्रह्मांड, बुद्धि तथा अहंकार क्षर हैं। ये सभी इंद्रियां क्षर हैं, जिसके बंधन में जीव बंधा हुआ है एवं इन इंद्रियों का विषय-विकार भी क्षर है।

क्षर बावन परपञ्च है, वर्ण अनेक प्रकार।
स्वर व्यञ्जन दो भेद है, क्षर यह रूप अपार॥ 06॥

शब्दार्थ : (परपञ्च) विस्तार, संसार।

भाष्य : अनेक प्रकार के वर्ण, स्वर-व्यञ्जन, बावन अक्षर, ये सभी क्षर, प्रपंच है। क्षर का यह विस्तृत स्वरूप है।

मेघालय के लिए दो और राजधानियों की मांग के पीछे जातीय दोष

गुवाहाटी। गहरी जातीय और पारस्परिक खामियां लंबे समय से मेघालय की राजनीति को परिभाषित करती रही हैं। राज्य को बनाने वाले तीन अलग-अलग पहाड़ी क्षेत्रों में खासी, जैंतिया और गारो प्रमुख स्वदेशी समुदाय हैं। 1972 में असम से अलग मेघालय में गारो हिल्स में 24 विधानसभा सीटें, खासी हिल्स में 29 सीटें और जयंतिया हिल्स में सात सीटें हैं। खासी और जयंतिया में कुछ समान सांस्कृतिक विशेषताएं हैं, लेकिन गारो भाषाई और नस्लीय रूप से अलग हैं। हालांकि गारो क्षेत्र खासी हिल्स की तुलना में कम सीटों का योगदान देता है, लेकिन यह विडंबना है कि पहाड़ी राज्य की राजनीति में गारो समुदाय के नेताओं का काफी हद तक वर्चस्व रहा है। वर्तमान मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा और उनके दिवंगत पिता पीए संगमा गारो हिल्स से हैं। कॉनराड संगमा के पूर्ववर्ती मुकुल संगमा भी इसी समुदाय से हैं। हाल ही में तुरा में मुख्यमंत्री कार्यालय पर हमला, जब कोनार्ड संगमा तुरा शहर, गारो क्षेत्र का मुख्यालय और मेघालय की शीतकालीन राजधानी बनाने की मांग को लेकर प्रदर्शनकारियों के एक समूह से मुलाकात कर रहे थे, भी समुदायों के बीच जातीय विभाजन का एक उदाहरण है। राज्य की राजनीति में वर्चस्व विवाद की जड़ है और गारो समुदाय का संगठन कम से कम एक साल के लिए राजधानी को शिलांग से स्थानांतरित करना चाहता है। इस बीच, जयंतिया समुदाय के नेता भी जोवाई शहर को मेघालय की वसंत राजधानी बनाने की एक नई मांग लेकर आए हैं। हालांकि राज्य प्रशासन ने इस प्रस्ताव को तुरंत खारिज कर दिया है, लेकिन यह मामला जल्द ही किसी भी समय तूल पकड़ सकता है। कोनार्ड संगमा अच्छी तरह जानते हैं कि गारो समुदाय से होने के कारण खासी लोगों को उनसे आपत्ति है। जब इस साल विधानसभा चुनाव हो रहे थे, तो इस बार एक खासी मुख्यमंत्री बनाने का आह्वान किया गया था। जब फरवरी के विधानसभा चुनाव के बाद कॉनराड संगमा की एनपीपी एक पार्टी के रूप में उभरी और सरकार बनाने का दावा पेश किया, तो राजधानी शिलांग में उथल-पुथल मच गया। आगजनी के बाद, खासी राष्ट्रवादी संगठनों ने पुतले जलाए और रक्तपात की धमकी दी। हिल स्टेट पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के दो विधायक, जिन्होंने विधानसभा चुनावों में खंडित जनादेश आने के बाद नेशनल पीपुल्स पार्टी को समर्थन की पेशकश की थी, उनके मजाक का निशाना बने। संगमा ने भारतीय जनता पार्टी और एक निर्दलीय विधायक के समर्थन से सरकार बनाने का दावा करते हुए राज्यपाल को जो पत्र सौंपा है, उसमें हिल स्टेट पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी का नाम भी शामिल है। संगमा की एनपीपी का समर्थन करने वाले दो विधायकों, मेथोडियस दखार और शकलियार वारजरी ने खासी जातीय-राष्ट्रवादी संगठनों को नाराज कर दिया, जिनका मानना है कि इस अधिनियम ने राज्य को समुदाय से मुख्यमंत्री बनाने से रोक दिया है। भले ही मेघालय राज्य विधानसभा ने 2014 में प्रस्ताव को खारिज कर दिया था, लेकिन हिल स्टेट पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी और गारो हिल्स राज्य आंदोलन समिति ने प्रस्तावित खासी-जयंतिया और गारोलैंड राज्यों के लिए सीमाओं के सीमांकन के लिए दो साल पहले अपनी मांग तेज कर दी थी। खासी और गारो दोनों समुदायों के कुछ वर्गों का यह भी मानना है कि मेघालय को दो राज्यों में विभाजित करने से, एक खासी-जयंतिया समुदायों के लिए और दूसरा गारो के लिए, अनिवार्य रूप से जातीय समुदायों के बीच तनाव खत्म हो जाएगा। हालांकि, मेघालय जैसे छोटे राज्य का विभाजन एक बहुत ही जटिल घटना होगी और यह तथ्य विभिन्न जातीय समूहों को एक साथ रखता है, लेकिन राज्य में गहराई तक पैठ बना चुकी खामियां अक्सर खुलकर सामने आ जाती हैं।

जहां धर्म रहेगा वहां आप और मैं रहेंगे : गुलाबचंद कटारिया

गुवाहाटी (विभास)। जहां धर्म रहेगा वहां आप और मैं रहेंगे। अगर धर्म नहीं रहेगा तो आप और में भी नहीं रहेंगे। कहीं कहीं इसका अनुभव भी हो रहा है। अगर हम अपने धर्म को नहीं बचा पाए तो जान लीजिए हम अपने आप को भी नही बचा पाएंगे। यह बाते राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने रविवार को कही। दरअसल श्री गौहाटी गौशाला के वृंदावन गार्डन प्रांगण में सेठ सांवरिया सत्संग समिति की ओर से आयोजित नौ दिवसीय श्री रामचरित मानस एवं शिव चरित्र कथा के आयोजन के सातवें दिन बतौर मुख्य अतिथि राज्यपाल श्री कटारिया पहुंचे। उन्होंने कहा कि इतने लंबे कालखंड के बाद भी मर्यादा पुरषोत्तम श्री राम जन जन के जीवन मे वास करते है। उसका ही परिणाम है कि आज अपना देश इतने लंबे संघर्षों के बाद भी अपने महान ग्रंथो को आज भी हम सब तक पहुंचा रहा हैं। राज्यपाल ने इतने सुंदर आयोजन के लिए सेठ सांवरिया सत्संग समिति के सभी सदस्यों की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि मेरा भी सौभाग्य है कि इस आयोजन के माध्यम से प्रभु श्री राम के चरणों में मुझे वंदन करने का मौका मिला। इससे पूर्व कथा के सातवे दिवस व्यास पीठ पर विराजमान परम् मनीषी, विद्धान पुज्य आचार्य श्री गौरव जी व्यास (श्री गोपालजी) ने प्रभु श्रीराम व माता सीता के स्वयंबर कथा का गुणगान किया। इस दौरान प्रभु श्री राम व माता सीता के जीवंत झांकी के माध्यम से स्वयंवर को देख उपस्थित भक्तगण भाव विभोर हो उठे। श्री राम विवाह उत्सव के साक्षी बनने बड़ी संख्या में भक्तों की उपस्थिति देखी गई।

मोर्चरी में पड़े लावारिश शव की शिनाख्तीकरण के लिए अपील

गुवाहाटी। बीते 27 जुलाई को जीएमसीएच के पास स्थित एक शौचालय के पास सड़क पर एक व्यक्ति को बेहोशी तथा अधमरा के हालत में पाया गया। जबकिउस व्यक्ति को जीएमसीएच के इमरजेंसी वार्ड में इलाज के लिए भर्ती करा गया। जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया था। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार उक्त व्यक्ति के शव को पोस्टमार्टम के बाज 72 घंटे के लिए मुर्दाघर में सुरक्षित रखने तथा शिनाख्त के लिए अपील की गई। हालांकि समाचारि लिखे जाने तक उक्त शव की शिनाक्त नहीं हो पाई थी।

गुवाहाटी के बरसापारा में लगी भीषण आग

गुवाहाटी (हिंस.)। गुवाहाटी के बरसापारा स्टेडियम के बाहर लगी भीषण आग में लाखों की संपत्ति जलकर राख हो गई। काफी कोशिशों के बाद बरसापारा स्टेडियम को इस आग की लपटों से बचा लिया गया। पुलिस द्वारा मीडिया को आज दी गई जानकारी के अनुसार यह आग शनिवार की देर रात बरसापारा स्टेडियम के गेट नंबर 3 के बाहर लगी। देर रात को आग लगने के कारण पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। घटना की सूचना तत्काल ही पुलिस को दी गई। पुलिस के साथ मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पुलिस द्वारा इस संदर्भ में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

गुवाहाटी में नि:शुल्क कैंसर जागरूकता संगोष्ठी और चिकित्सा शिविर का आयोजन

गुवाहाटी। रोटरी क्लब गुवाहाटी लुइट, चेतना लेडीज क्लब और लिम्फोमा सपोर्ट ग्रुप के सहयोग से गुवाहाटी में एक नि:शुल्क कैंसर जागरूकता संगोष्ठी और चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर फोर्टिस हेल्थकेयर के प्रसिद्ध डॉक्टर भी उपस्थित थे। कैंसर पर विजय प्राप्त करने वाले लोगों का संगठन लिंफोमा सपोर्ट ग्रुप ऑफ इंडिया अपने आदर्श वाक्य *जं जनोगे तो जीतोगे* (ज्ञान ही जीत है) के माध्यम से कैंसर रोगियों के बीच कैंसर के बारे में जागरूकता बढ़ाने और लोगों को प्रेरित करने में सक्रिय भूमिका निभाते आये है। लिम्फोमा सपोर्ट ग्रुप ने फोर्टिस हेल्थकेयर, दिल्ली के प्रतिष्ठित डॉक्टरों के सहयोग से गुवाहाटी के लायन आईज अस्पताल में एक मुफ्त कैंसर जागरूकता और उपचार शिविर का आयोजन किया। फोर्टिस हेल्थकेयर के प्रसिद्ध ऑन्कोलॉजी विशेषज्ञ डॉ. राहुल भार्गव ने शिविर में उपस्थित लोगों को कैंसर की शीघ्र पहचान की सख्त आवश्यकता और गंभीर अवस्था में भी बीमारी से पूरी तरह से उबरने की संभावना के बारे में शिक्षित करके शिविर में एक बड़ा योगदान दिया। कैंसर मौत की सजा नहीं है। हम इस बीमारी को त्वरित और उचित उपचार के साथ ठीक कर सकते हैं, डॉ. राहुल भार्गव ने कहा। शिविर के दौरान कार्किनोस हेल्थकेयर के सहायक उपाध्यक्ष, कौसर किदवई ने भी गर्भाशय के कैंसर पर एक व्याख्यान दिया और इस विशेष कैंसर प्रकार के लक्षणों और उपचार पर मूल्यवान सलाह दी।

कदमटोला में आयोजित तीसरे वार्षिक ईद सम्मेलन में पहुंचे रकीबुल हुसैन

नगरबेड़ा। (विभास)। भाजपा विपक्षी राजनीतिक दलों के एक साथ आने से डरी हुई है। बीते कल बरपेटा जिले के बागबर विस क्षेत्र के तहत कदमटोला में वसंतपुर छह-सीमिना युवा संघ की पहल पर आयोजित तीसरे वार्षिक ईद सम्मेलन का उद्घाटन समारोह उक्त बातें विधायक दल के उपनेता रकीबुल हुसैन ने बतौर मुख्य अतिथि बोलते हुए कही। कदमटोला-छयसीमाना प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में छय सीमाना मंडल कांग्रेस अध्यक्ष चकमान अली अहमद की अध्यक्षता में आयोजित खुली बैठक में बोलते हुए रकीबुल हुसैन ने कहा कि राहुल गांधी के प्रधानमंत्री बनने के बाद भारत के सबसे पहले असम में डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली सरकार को तोड़ेगा। तब असम में नई सरकार बनेगी और लोग शांति से रह सकेंगे। रकीबुल हुसैन ने मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की आलोचना करते हुए कहा कि डॉ. शर्मा के मुख्यमंत्री बनने के बाद समाज में विभिन्न प्रकार की अराजकता पैदा हो गई है। विभिन्न जातीय समूहों के लोगों को आज भय और भय में रहना पड़ रहा है। वर्तमान सरकार के विभिन्न कार्यों ने हमें डराया और आश्चर्यचकित किया है। भाजपा सरकार में एनआरसी की सुनवाई के नाम पर उत्पीड़न, आवश्यक वस्तुओं की आसमान छूती कीमतें, बेदखली और धार्मिक खंभे लोग विभाजन की राजनीति से तंग आ चुके हैं। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के अत्याचारी और वंचित शासन के तहत, असम के सभी जातीय समूहों के लोग निश्चित रूप से कांग्रेस को तभी वोट देंगे जब वे आगामी चुनावों में डॉ. शर्मा का चेहरा देखेंगे। रकीबुल हुसैन ने आगे कहा कि हाल ही में डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व में दो या तीन मंत्रियों को चुनाव आयोग का काम इसने निर्वाचन क्षेत्र के मसौदे को फिर से डिजाइन किया और विभिन्न जातीय समूहों को विभाजित किया। इसके अलावा, भाषण के संदर्भ में, उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के लिए राजनीतिक रूप से आशा का एकमात्र स्थान एआईयूडीएफ प्रमुख बदरुद्दीन अजमल हैं। इसलिए अजमल की राजनीतिक सुरक्षा के लिए धुबड़ी लोकसभा क्षेत्र में तीन नए निर्वाचन क्षेत्रों का विलय कर दिया गया है। ऐसे में सिर्फ डॉ. हिमंत विश्व शर्मा और बदरुद्दीन अजमल चैन की नींद सो रहे हैं।

रंगिया में झूलनोत्सव को लेकर नई समिति का गठन

रंगिया (विभास)। हरवर्ष की तरह इसबार भी रंगिया के श्री श्री राधाकृष्ण मंदिर प्रांगण में ऐतिहासिक झूलन यात्रा महोत्सव का आयोजन बड़े ही धूमधाम के साथ किया जाएगा। इसवर्ष आगामी 27 अगस्त से 31 अगस्त तक 5 दिवसीय कार्यक्रमों के साथ महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। जिसके लिए मंदिर संचालन समिति द्वारा मंदिर प्रांगण में शुक्रवार को एक विशेष साधारण सभा का आयोजन किया गया। मंदिर संचालन समिति के अध्यक्ष महेश सिकरिया की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में संचालन समिति के पदाधिकारियों सहित बहुत से समाजबंधुओं की उपस्थिति रही। सभी जरुरी विषयो के साथ-साथ अगले वर्ष झूलनोत्सव के 100 वे आयोजन को लेकर विशेष चर्चा के पश्चात इसवर्ष झुलनोत्सव के लिए समिती के गठन पर विचार- विमर्श किया गया तथा सर्वसम्मति से इसबार झूलनोत्सव संचालन के लिए पूर्व समिति को ही बहाल रखा गया। महोत्सव आयोजन समिति में अध्यक्ष महेश सीकरिया, सचिव प्रमोद अग्रवाल, सहायक-सचिव जितेंद्र जाजोदिया सहित संयोजक पवन जाजोदिया कोषाध्यक्ष दिनेश तोदी को कार्यभार सौंपा गया है। बैठक के दौरान निर्माणाधीन पंचायती धर्मशाला के निर्माण कार्य की प्रगति और इसके लिए आवश्यक धनराशि पर भी विचार-विमर्श किया गया।

छह अगस्त को दिव्य आशीर्वाद देंगे सिद्धगुरु श्री सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि गुरुदेव

गुवाहाटी (विभास)। विश्व धर्म चेतना मंच, श्री ब्रह्मर्षि आश्रम, तिरुपति के गुवाहाटी केंद्र के तत्वावधान में सिद्धगुरु श्री सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि गुरुदेव के सान्निध्य में मां कामाख्या की धरा गुवाहाटी में अमृत महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। श्री ब्रह्मर्षि आश्रम की ग्लोबल चैयरमेन श्रीमती सरला बोथरा ने बताया कि गुवाहाटी में 6 अगस्त 2023, रविवार को सायं 4.15 बजे माछखोवा स्थित आईटीए सेंटर में गुरुदेव का दिव्य आशीर्वाद प्राप्त होगा। आयोजन को लेकर गुरुदेव के गुवाहाटी में आयोजित होने वाले कार्यक्रम से जुड़े एक पोस्टर व निमंत्रण पत्रिका का भी विमोचन किया गया। अमृत महोत्सव स्वागत समारोह समिति के शुभकरण बोथरा ने बताया हम सभी बहुत भाग्यशाली हैं कि मनुष्य स्वरूप में हमें ऐसे सिद्धगुरु मिले हैं, जो हमारे जीवन की रक्षा के लिए स्वयं अहर्निष साधना में रत रहते हैं। श्री सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि गुरुदेव एक महान सिद्धगुरु हैं, जिनकी जन्म से ही सातों कुंडलिनी, सातों चक्र जागृत है तथा ब्रह्म लोक, विष्णु लोक व शिव लोक को प्राप्त कर ब्रह्मर्षि हो गये हैं। समिति के कमल चंद बैद ने बताया कि महोत्सव में असम के राज्यपाल श्री गुलाबचंद कटारिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। स्वागत समारोह समिति के नवरतन बैद ने बताया कि महोत्सव में प्रवेश एंट्री पास द्वारा ही दिया जाएगा। श्री ब्रह्मर्षि आश्रम तिरुपति के राष्ट्रीय मीडिया अध्यक्ष रवि पुगलिया ने बताया कि ब्रह्मर्षि गुरुदेव ने अष्ट सिद्धियों एवं नव निधियों को प्राप्त किया है व समस्त सिद्धियों का उपयोग संसार के कल्याण हेतु कर रहे हैं। समारोह समिति के पंकज जालान व सुभाष सुराना ने बताया कि इस आयोजन में देश के अनेक हिस्सों से काफी संख्या में गुरु भक्त गुवाहाटी आ रहे है। समिति के मानमल लोढा ने बताया कि *दीर्घ तपस्वी* श्री सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि गुरुदेव के दिव्य दर्शन का सौभाग्य गुवाहाटी शहर को मिल रहा है, जिनके दर्शन मात्र से ही जीवन की दिशा व दशा दोनों बदल सकती है।

असम प्रकाशन भारती की साधारण सभा संपन्न

गुवाहाटी। असम प्रकाशन भारती की वार्षिक साधारण सभा गुवाहाटी में संपन्न हुई। शिशु शिक्षा समिति असम के अध्यक्ष डॉ. दिब्यज्योति महंत एवं असम प्रकाशन भारती के अध्यक्ष डॉ. विवेकानन्द शर्मा ने ज्ञान की देवी सरस्वती, प्रणवाक्षर एवं भारत माता के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर सभा का शुभारंभ किया। कार्यालय सचिव हितेन प्रसाद गोस्वामी ने दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि व्यक्त की। असम प्रकाशन भारती के सचिव दीपांकर बोरा ने सभा की प्रस्तावना रखने के पश्चात गत बैठक की कार्रवाई का पाठ करते हुए वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कोषाध्यक्ष विकास नागपुरिया ने वर्ष 2022-23 की ऑडिट रिपोर्ट एवं वर्ष 2023-24 का बजट प्रस्तुत किया। असम प्रकाशन भारती द्वारा आयोजित वार्षिक साधारण सभा में कार्यकारिणी सदस्यों के साथ विद्या भारती उत्तर असम प्रांत के पूर्णकालिक कार्यकर्ता, शिशु शिक्षा समिति असम के पदाधिकारियों सहित विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी जी उपस्थित रहे। सभा में उपस्थित सदस्यों ने प्रिंटिंग प्रेस, विद्वत परिषद के माध्यम से पुस्तकों के सत्यापन, आदि विषयों पर चर्चा की।

अपोलो मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल कोलकाता ने की 4000 से अधिक मिनिमली इनवेसिव कार्डियक सर्जरी

गुवाहाटी। अपोलो मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल, कोलकाता ने आज अपनी सुविधा में 4000 से अधिक मिनिमली इनवेसिव कार्डियक सर्जरी (एमआईसीएस) के सफल समापन की घोषणा की। एमआईसीएस हृदय शल्य चिकित्सा के लिए एक नया तरीका है, जो कई लाभों के साथ आता है। पारंपरिक ओपन-हार्ट सर्जरी में 8 से 10 इंच के बजाय 1.5 से 3 इंच के चीरे के साथ, एमआईसीएस कम दर्दनाक और लगभग निशान रहित होता है। इसमें सर्जरी के बाद अस्पताल में कम समय तक रहने के साथ जल्दी ठीक होना और सामान्य जीवन में जल्दी वापसी भी शामिल है। पहले पारंपरिक ओपन सर्जरी सीएबीजी (कोरोनरी आर्टरी बाईपास ग्राफ्टिंग), वाल्व की मरम्मत या प्रतिस्थापन, दिल में छेद बंद करने आदि के लिए एकमात्र समाधान थी, लेकिन अब चिकित्सा विज्ञान की प्रगति के साथ एमआईसीएस का उपयोग करके की जाने वाली प्रक्रियाएं न्यूनतम इनवेसिव बाईपास सर्जरी (एमआईसीएस सीएबीजी हैं), एंडोस्कोपिक नस और रेडियल धमनी हार्वेस्टिंग, एमआईसीएस महाधमनी वाल्व, मिनिमली इनवेसिव माइट्रियल वाल्व सर्जरी, कीहोल एएसडी क्लोजर और कोरोनरी बाईपास। यह कीहोल हार्ट सर्जरी विशेष सर्जिकल उपकरणों का उपयोग करके की जाती है। भारत में होने वाली 14.5 प्रतिशत मौतों के लिए दिल का दौरा जिम्मेदार है और एमआईसीएस सीएबीजी या कीहोल बाईपास कोरोनरी धमनी रोगों से पीड़ित रोगियों के लिए एक समाधान के रूप में उभरा है। इस दृष्टिकोण के माध्यम से सर्जरी को सुरक्षित रूप से पूरा करने में सक्षम होने के संदेह को दूर किया जाता है। यदि एमआईसीएस को हर जगह एक नियमित अभ्यास के रूप में अपनाया जाता है, तो लोग एंजियोप्लास्टी की तुलना में एमआईसीएस बाईपास पर विचार करेंगे और 14.5 प्रतिशत का आंकड़ा निश्चित रूप से कम हो जाएगा। और नियमित मल्टी-वेसल बाईपास से मृत्यु दर का जोखिम काफी कम हो जाएगा। अपोलो मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल, कोलकाता के कार्डियो थोरेसिक और वैस्कुलर सर्जन के निदेशक डॉ. सुशान मुखोपाध्याय ने गुवाहाटी मैं संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि एमआईसीएस अपने कई सकारात्मक बिंदुओं के कारण मरीजों को बेजोड़ परिणाम प्रदान करता है। यह सुरक्षित, प्रभावी है और रोगी को उत्कृष्ट आराम प्रदान करता है। इस प्रक्रिया को चुनने वाला रोगी 2-3 सप्ताह के भीतर अपने काम पर लौट सकता है और 3 महीने के भीतर सामान्य जीवन जी सकता है, जबकि यदि वह पारंपरिक प्रक्रिया का विकल्प चुनता है

तो उसे काम पर फिर से लौटने में आम तौर पर 2-3 महीने लगेंगे और फिर से काम पर लौटने में 6 महीने लगेंगे। सामान्य जीवन में लौटें। यह मरीजों को दर्द के साथ-साथ श्रम घंटों के नुकसान से भी बचाता है। हम पिछले दशक से एमआईसीएस कोरोनरी धमनी बाईपास ग्राफ्टिंग कर रहे हैं और 4, 000 से अधिक ऐसी सर्जरी कर चुके हैं। बाईपास, वाल्व रिप्लेसमेंट, हृदय के छिद्रों को बंद करना, कार्डियक ट्यूमर को हटाना, पेस मेकर इम्प्लांटेशन और अन्य सहित सभी हृदय संबंधी लगभग 95त्न सर्जरी एमआईसीएस के माध्यम से की जा सकती हैं। यह उन बुजुर्ग मरीजों के लिए भी सुरक्षित है जो अन्य प्रमुख स्वास्थ्य बीमारियों से पीड़ित 80-90 वर्ष से अधिक उम्र के हैं। पारंपरिक ओपन हार्ट सर्जरी की तुलना में एमआईसीएस के कई फायदे हैं: अत्यधिक उन्नत उपकरण और उन्नत तकनीकें ऑपरेशन को सुरक्षित रूप से करने की अनुमति देती हैं। कोई हड्डी नहीं कटती ? रक्त की हानि लगभग नगण्य होती है जिससे रक्त आधान समाप्त हो जाता है जिससे रक्त जनित संक्रमण होता है ? घावों से संबंधित सभी संक्रमण या ऑपरेशन के बाद फेफड़ों के संक्रमण कम हो जाते हैं। यह सर्जरी को मधुमेह रोगियों या उन रोगियों के लिए आदर्श बनाता है जिनकी संक्रमण के प्रति प्रतिरोधक क्षमता कम है। चीरा बहुत कॉस्मेटिक है और केवल 2-3 इंच का है जिससे यह समझना असंभव है कि हृदय की सर्जरी की गई है। इससे निशान पड़ने की संभावना भी कम हो जाती है। इस मामले में अस्पताल में रहने और ठीक होने का समय न्यूनतम है और मरीज आमतौर पर सामान्य परिस्थितियों में सर्जरी के 7 दिनों के भीतर ठीक हो जाता है, भविष्य की सर्जरी में जोखिम कारक काफी कम हो जाते हैं। अपोलो हॉस्पिटल्स एंटरप्राइज लिमिटेड (एएचईएल) के बारे में अपोलो ने स्वास्थ्य सेवा में क्रांति ला दी जब डॉ. प्रताप सी रेड्डी ने 1983 में चेन्नई में पहला अस्पताल खोला। आज, अपोलो 73 अस्पतालों, 5, 400 फार्मेसियों और 200 से अधिक क्लीनिकों और डायग्नोस्टिक केंद्रों और 700 से अधिक टेलीमेडिसिन में 10, 000 से अधिक बिस्तरों के साथ दुनिया का सबसे बड़ा एकीकृत स्वास्थ्य सेवा मंच है। केंद्रों यह 200, 000 से अधिक सर्जरी के साथ दुनिया का अग्रणी हृदय केंद्र और दुनिया का सबसे बड़ा निजी कैंसर देखभाल प्रदाता है। मरीजों को दुनिया में सर्वोत्तम उपलब्ध देखभाल सुनिश्चित करने के लिए अपोलो सबसे अत्याधुनिक तकनीकों, उपकरणों और उपचार प्रोटोकॉल को लाने के लिए अनुसंधान में निवेश करना जारी रखता है। अपोलो के 100, 000 परिवार के सदस्य आपको सर्वोत्तम देखभाल प्रदान करने और इस दुनिया को जितना हमने पाया उससे बेहतर छोड़ने के लिए समर्पित हैं।

प्रधानमंत्री मंगलवार को पुणे में कई विकास परियोजनाओं का करेंगे उद्घाटन व शिलान्यास

- लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार से प्रधानमंत्री को किया जाएगा सम्मानित

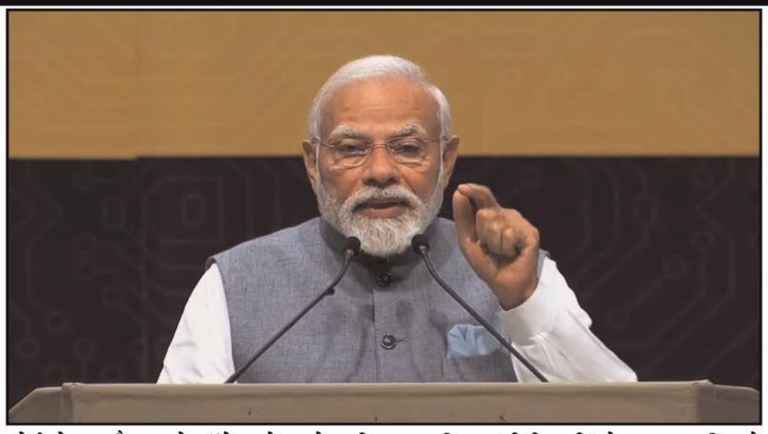

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार को महाराष्ट्र के पुणे का दौरा करेंगे। इस दौरान वह मेट्रो ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। साथ ही विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास करेंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी को एक कार्यक्रम में लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। यह पुरस्कार उन लोगों को दिया जाता है जिन्होंने राष्ट्र की प्रगति और विकास के लिए उल्लेखनीय एवं असाधारण काम किया है। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार मंगलवार पूर्वाह्न करीब 11 बजे प्रधानमंत्री दगडूशेठ मंदिर में दर्शन-पूजन करेंगे। पूर्वाह्न 11:45 बजे उन्हें लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। इसके बाद दोपहर 12:45 बजे प्रधानमंत्री मेट्रो ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगे और विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री पुणे मेट्रो चरण क के दो गलियारों के पूर्ण खंडों पर सेवाओं के उद्घाटन के अवसर पर मेट्रो ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगे। ये खंड फुगेवाड़ी स्टेशन से सिविल कोर्ट स्टेशन और गरवारे कॉलेज स्टेशन से रूबी हॉल क्लिनिक स्टेशन तक हैं। परियोजना की आधारशिला भी 2016 में प्रधानमंत्री ने रखी थी। नए खंड पुणे शहर के महत्वपूर्ण स्थानों जैसे शिवाजी नगर, सिविल कोर्ट, पुणे नगर निगम कार्यालय, पुणे आरटीओ और पुणे रेलवे स्टेशन को जोड़ेंगे। प्रधानमंत्री पिंपरी चिंचवड़ नगर निगम (पीसीएमसी) के तहत अपशिष्ट से ऊर्जा संयंत्र का उद्घाटन करेंगे। लगभग 300 करोड़ रुपये की लागत से विकसित, यह बिजली उत्पादन के लिए सालाना लगभग 2.5 लाख मीट्रिक टन कचरे का उपयोग करेगा। प्रधानमंत्री पीसीएमसी द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्मित 1280 से अधिक घरों को सौंपेंगे। वह पुणे नगर निगम द्वारा निर्मित 2650 से अधिक पीएमएवाई घरों को भी सौंपेंगे। इसके अलावा प्रधानमंत्री पीसीएमसी द्वारा निर्मित किए जाने वाले लगभग 1190 पीएमएवाई घरों और पुणे महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण द्वारा निर्मित 6400 से अधिक घरों की आधारशिला भी रखेंगे। उल्लेखनीय है कि लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार लोकमान्य तिलक की विरासत का सम्मान करने के लिए 1983 में तिलक स्मारक मंदिर ट्रस्ट ने गठित किया था। यह पुरस्कार उन लोगों को दिया जाता है जिन्होंने राष्ट्र की प्रगति और विकास के लिए काम किया है और जिनके योगदान को उल्लेखनीय और असाधारण के रूप में देखा जा सकता है। यह हर साल एक अगस्त- लोकमान्य तिलक की पुण्यतिथि पर प्रस्तुत किया जाता है। प्रधानमंत्री इस पुरस्कार के 41वें प्राप्तकर्ता बनेंगे। इसे पहले डॉ. शंकर दयाल शर्मा, प्रणब मुखर्जी, अटल बिहारी वाजपेयी, इंदिरा गांधी, डॉ. मनमोहन सिंह, एन.आर. नारायण मूर्ति, डॉ. ई. श्रीधरन जैसे दिग्गजों को प्रदान किया जा चुका है।

श्रीहरिकोटा से पीएसएलवी-सी56 रॉकेट को अंतरिक्ष भेजा गया

श्रीहरिकोटा, (हि.स.)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान (इसरो) के श्रीहरिकोटा केंद्र से आज सुबह 6:30 बजे पीएसएलवी-सी56 रॉकेट को अंतरिक्ष का सफल प्रक्षेपण किया गया। यह रॉकेट अपने साथ सिंगापुर के डीएस-एसएआर उपग्रह समेत सात उपग्रहों को लेकर गया है। डीएस-एसएआर उपग्रह का वजन 360 किलोग्राम है। यह प्रक्षेपण न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड का महत्वपूर्ण मिशन है। यह मिशन इसरो की वाणिज्यिक शाखा का हिस्सा है। पीएसएलवी-सी56 रॉकेट के सफल प्रक्षेपण में अन्य छोटे उपग्रह वेलोक्स एएम, आर्केड, स्कूब-2, नूलियोन, गेलेसिया-2 और ओआरबी- 12 स्ट्राइडर शामिल हैं। पीएसलएलवी राकेट से अप्रैल में दो उपग्रहों को प्रक्षेपित किया गया था। आज का प्रक्षेपण इसरो का तीसरा वाणिज्यिक मिशन है। इसरो ने मार्च में एलवीएम3 रॉकेट से ब्रिटेन के वनवेब से संबंधित 36 उपग्रहों को प्रक्षेपित किया था। डीएस-एसएआर को सिंगापुर की डिफेंस साइंस ऐंड टेक्नोलाजी एजेंसी (डीएसटीए) और सिंगापुर के एसटी इंजीनियरिंग के बीच साझेदारी के तहत विकसित किया गया है। इसमें सिंथेटिक एपर्चर रडार (एसएआर) पेलोड भी शामिल है। यह सभी मौसम में तस्वीरें लेने में सक्षम है। इसे इजरायल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज ने विकसित किया है। वेलोक्स एएम सूक्ष्म उपग्रह है। यह एटमास्फेरिक कपलिंग एंड डायनामिक्स एक्सप्लोलर (आर्केड) प्रायोगिक उपग्रह है। स्कूब-2 नैनो उपग्रह है।

गेलेसिया-2 पृथ्वी की निचली कक्षा में परिक्रमा करेगा। ओआरबी- 12 स्ट्राइडर को अंतरराष्ट्रीय सहयोग के तहत विकसित किया गया है। वेलोक्स एएम, आर्केड, स्कूब-2 को रिंगापुर के नानयांग टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी ने विकसित किया है। नूलियोन नुस्पेस पीटीई लिमिटेड से संबंधित है। गेलेसिया-2 को नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर और ओआरबी-12 स्ट्राइडर को अलीएना पीटीई लिमिटेड सिंगापुर ने विकसित किया है।

असोला भाटी में मनाया गया तीसरा वन महोत्सव कार्यक्रम : गोपाल राय

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली के पर्यावरण एवं वन मंत्री गोपाल राय द्वारा आज दक्षिणी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र के असोला भाटी में रविवार को तीसरे वन महोत्सव की शुरूआत की गई। कार्यक्रम के दौरान असोला भाटी वन्यजीव अभ्यारण्य के पर्यटकों के लिए ऑनलाइन पोर्टल (https://abwls.eforest.delhi.gov.in/index.aspx) की शुरूआत की गई। इस पोर्टल के द्वारा दिल्लीवासियों के लिए ऑनलाइन प्रवेश अनुमतियां जारी करना ,वाहन क्षमता के अनुसार परमिट जारी करना, पेपरलेस टिकट, एडवांस बुकिंग, ऑनलाइन पेमेंट जैसी सुविधाएँ उपलब्ध रहेंगी। इसके अलावा, इस पोर्टल पर दिल्लीवासी असोला भाटी वन्यजीव अभयारण्य के बारे में जानकारी जैसे इकोटूरिज्म सर्किट, प्रवेश और निकास द्वार, अभ्यारण्य के खुलने और बंद होने का समय, छुट्टी के दिन, यहां पर मौजूद वनस्पति और जीवो सम्बंधित जानकारी भी इस पोर्टल के द्वारा पा सकेंगे। कार्यक्रम में दक्षिणी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र के विधायक करतार सिंह तंवर, सही राम और नरेश यादव; आरडब्लूए के सदस्य, पर्यावरण मित्र और विभिन्न स्कूलों के ईको क्लब के बच्चों और शिक्षकों ने अपनी भागीदारी दर्ज कराई। केजरीवाल सरकार द्वारा इस साल 52 लाख से ज्यादा पौधे लगाने का लक्ष्य तय किया गया है। इसके अलावा 50 लाख पौधा / झाड़ी एनडीएमसी द्वारा लगाए जाएंगे। कार्यक्रम में मौजूद सभी लोगो को विभाग द्वारा फ्री औषधीय पौधे भी बाटें गए। दिल्ली के पर्यावरण एवं वन मंत्री गोपाल राय द्वारा वन महोत्सव कार्यक्रम की शुरूआत पौधरोपण करके की गई। उसके बाद उपस्थित लोगो, बच्चों और अध्यापको को सम्बोधित करते हुए उन्होंने बताया कि दिल्ली के अंदर प्रदूषण एक बड़ी चुनौती के रूप में हर समय मौजूद रहता है। हमारी सरकार बनने के बाद सीएम अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में हमारी सरकार पर्यवरण और प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। इसी के चलते दिल्ली के प्रदूषण स्तर में पिछले 8 सालो में 30 प्रतिशत से ज्यादा की कमी देखी गई है। साथ ही दिल्ली के अंदर हरित क्षेत्र (ग्रीन कवर) में काफी इजाफा देखा गया है। प्रत्येक वर्ष वृक्षारोपण कार्यक्रम के अंतर्गत दिल्ली सरकार द्वारा ग्रीन एक्शन प्लान के तहत राज्य में वृक्षारोपण अभियान चलाया जाता है। इसी के चलते इस वर्ष समर एक्शन प्लान के 14 बिन्दुओ में शामिल वृक्षारोपण महाअभियान को गति देने के लिए 9 जुलाई को आईएआरआई पूसा से वन महोत्सव की शुरूआत की गई। जिसके बाद दूसरा वन महोत्सव पश्चिमी दिल्ली के द्वारका में मनाया गया। उसी कड़ी में आगे बढ़ते हुए आज दक्षिणी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र में हम तीसरा वन महोत्सव कार्यक्रम मना रहे है। अगले 4 हफ्तों तक दिल्ली की अलग-अलग लोकसभाओ में इस महोत्सव के तहत वृक्षारोपण का महाअभियान चलाया जाएगा। गोपाल राय ने बताया की दिल्ली के ग्रीन बेल्ट को बढ़ाने और दिल्ली के प्रदूषण को कम करने के लिए हर साल वृक्षारोपण अभियान चलाया जा रहा है। केजरीवाल सरकार के दूसरे कार्यकाल यानी साल 2020 से जबसे हमारी सरकार बनी है 2022 - 23 तक 1 करोड़ 18 लाख पौधे लगाए गए है। इस वर्ष भी हमारी सरकार ने 52 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य तय किया है। इस लक्ष्य को सभी 21 सम्बंधित विभागों की हरित एजेंसियो के द्वारा पूरा किया जाएगा। इसके अलावा 50 लाख पौधा / झाड़ी एनडीएमसी द्वारा लगाए जाएंगे। पर्यावरण एवं वन मंत्री गोपाल राय ने बताया कि सरकार के साथ दिल्ली वासियो का भी इस वन महोत्सव में सहयोग रहे इसी कारण सरकार द्वारा दिल्लीवासियों के लिए इस वन महोत्सव कार्यक्रम के बाद दिल्ली के विधायक एवं पार्षदों की सहभागिता से मुफ्त औषधीय पौधे पूरे 70 विधानसभाओ में वितरित करने का अभियान शुरू किया जाएगा। साथ ही दिल्ली की 14 सरकारी नर्सरियो से निःशुल्क औषधीय पौधे भी बाटें जाएंगे ताकि लोग अपने- अपने घरो में वृक्षरोपण कर दिल्ली के हरित क्षेत्र को बढ़ावा देने में सहभागिता दे सकेंगे ` इनमे रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले औषधीय पौधे भी शामिल रहेंगे। इस साल लगभग 6 लाख से ज्यादा निःशुल्क पौधे वितरित किये जाएंगे।

मोहर्रम के दौरान नांगलोई हंगामे में पुलिस ने तीन अलग-अलग दर्ज किए केस

अजय कुमार

नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली के नांगलोई इलाके में ताजिया जुलूस के दौरान हंगामे में पुलिस ने तीन अलग-अलग एफआईआर दर्ज की है। पहली केस सूरजमल स्टेडियम में हुए हंगामे में नांगलोई एसएचओ प्रभु दयाल के बयान पर हत्या के प्रयास व अन्य धाराओं में केस दर्ज हुआ है। वहीं दूसरा घटना स्थल- नांगलोई चौक पर हुए बवाल में कानून एवं व्यवस्था के इंस्पेक्टर नानग राम के बयान पर सरकारी काम में बाधा, तोड़-फोड़ व हंगामा करने का मामला दर्ज किया है। इसी क्रम में तीसरी एफएआईआर घटना स्थल- नांगलोई मेट्रो स्टेशन के पास बस में तोड़-फोड़ व हमला करने के मामले में हेडकांस्टेबल मुकेश कुमार के बयान पर दर्ज की गई है। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों की माने तो घटना में हंगामा करने व तोड़-फोड़ करने वाले करीब 600 से ज्यादा लोगों की पहचान की गई है। जिन्हें पुलिस जल्द ही हिरासत में लेगी। उल्लेखनीय है कि शनिवार शाम मोहर्रम के मौके पर ताजिया निकाला जा रहा था। ताजिया के जुलूस में शामिल कुछ लोगों ने पथराव शुरू कर दिया। इस वजह से अचानक भगदड़ मच गई। पथराव में कई लोग घायल भी हुए। इस दौरान हालत हो संभालने के लिए पुलिस ने लाठी चार्ज शुरू कर दी। करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद पुलिस ने माहौल को पूरी तरह से शांत किया और दर्जनों लडकों को हिरासत में लिया। वहीं पुलिस ने मामला दर्ज करके सौ से ज्यादा मोबाइल फोन से बनाई वीडियो और सोशल मीडिया पर अपलोड वीडियो को भी जब्त किया है। पुलिस वीडियो की सहायता से हुड़दंगियों की पहचान करके उनके ठिकानों पर छापेमारी कर उनको पकड़ने की कोशिश कर रही है। बताया जा रहा है कि जुलूस में शामिल लोग ताजिया को सूरजमल स्टेडियम के अंदर ले जाना चाहते थे, लेकिन स्टेडियम का गेट बंद था। इस कारण पुलिस जुलूस में शामिल लोगों को अंदर जाने से मना कर रही थी। इसी बात पर जुलूस में शामिल लोग भड़क गए और पथराव शुरू कर दिया। स्थिति यह हो गई कि बस में सवार यात्रियों को सीट के नीचे छुप कर अपनी जान बचानी पड़ी।

मुख्यमंत्री शिवराज ने समाज सेवियों और पर्यावरण प्रेमियों के साथ किया पौध-रोपण

भोपाल, (हि.स.)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने रोजाना पौधरोपण संकल्प क्रम को जारी रखते हुए रविवार को श्यामला हिल्स स्मार्ट उद्यान में पूर्व मंत्री जयंत मलैया और अजय विश्नोई के साथ पौध रोपण किया। पर्यावरण प्रेमी नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता पौध-रोपण में शामिल हुए। आज पीपल, करंज आम और नीम के पौधे लगाए गए। मुख्यमंत्री चौहान के साथ भोपाल, हरदा और नरसिंहपुर के सामाजिक कार्यकर्ताओं ने पौधे लगाए। इनमें सुरेश कुमार चौहान, आशीष चौहान, संजय सिंह, सुमन चौहान, जया चौहान, प्रणव शर्मा, सुरेश सेंगर, सतीश शर्मा, अरुणा शर्मा, सुनील चौहान, सरोज चौहान, देवराज चौहान, प्रदीप रघुवंशी, हरिशंकर शर्मा, अंकुर मिश्रा, राकेश चतुर्वेदी, सुरेंद्र चौहान, राजेंद्र खरे, ओमप्रकाश खरे, सुबोध सिंह, आभा खरे, रामेश्वरी खरे, सव्यसिंह पटेल और सिद्धार्थ पटेल शामिल हैं। इन सभी ने पौधरोपण के साथ श्रमदान भी किया।

दिल्ली के पंजाबी बाग में ट्रक ने इंस्पेक्टर की कार को मारी टक्कर, मौत

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के पंजाबी बाग में रफ्तार के कहर ने दिल्ली पुलिस के एक इंस्पेक्टर की जान ले ली। हादसा पंजाबी बाग इलाके के मादीपुर मेट्रो स्टेशन के पास रविवार सुबह हुआ। इसमें दिल्ली पुलिस के इंस्पेक्टर जगबीर सिंह की मौत हो गई। डीसीपी विचित्र वीर ने बताया कि जगबीर सिंह रोहतक रोड से जा रहे थे और उनकी गाड़ी में कुछ तकनीकी खराबी आई, जिसके बाद वह कार से बाहर आ गए। कार का ड्राइवर कार में बैठा हुआ था। इसी दौरान तेज रफ्तार ट्रक ने पीछे से आकर कार में टक्कर मार दी। इसकी चपेट में जगबीर सिंह आ गए। इंस्पेक्टर जगबीर सिंह इन दिनों सिक्योरिटी यूनिट में तैनात थे। घटना के बाद ट्रक ड्राइवर ट्रक मौके पर छोड़ कर फरार हो गया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और ट्रक ड्राइवर की तलाश कर रही है।

हालांकि इस बात का पता भी नहीं चल पाया है कि वह अपनी ड्यूटी खत्म कर जा रहे थे या फिर कहीं और जा रहे थे। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए संजय गांधी अस्पताल में रखवा दिया गया है।

कुलगाम से लापता जवान की तलाश तेज, कार में खून के धब्बे मिलने से हत्या की आशंका

- लापता जवान के माता-पिता ने आतंकियों से की जिन्दा रिहा करने की अपील

कुलगाम, (हि.स.)। कुलगाम जिले में शनिवार से लापता हुए जवान को खोजने के लिए सुरक्षाबलों ने रविवार को व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया है, लेकिन अभी तक जवान का कोई सुराग नहीं मिला पाया है। जवान की कार में खून के धब्बे मिले हैं, जिसके आधार पर उसकी हत्या की आशंका भी जताई जा रही है।सुरक्षाबलों ने कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ शुरू की है। अधिकारियों ने बताया है कि कुलगाम जिले के अचथल इलाके का निवासी सेना का जवान जावेद अहमद वानी इन दिनों लद्दाख क्षेत्र में तैनात है। वह इन दिनों छुट्टी पर आए थे और उनकी कार शनिवार शाम को पारनहॉल में मिली थी। शनिवार शाम को जवान का अपहरण किये जाने की आशंका जताई गई है। सूत्रों के अनुसार सुरक्षाबलों ने कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया है और उनसे भी पूछताछ की जा रही है। अधिकारियों के अनुसार जवान की कार में खून के धब्बे मिले हैं, जिसके आधार पर उसकी हत्या की आशंका भी जताई जा रही है। लापता सैनिक की मां ने अपने बेटे को रिहा करने के लिए आतंकियों से अपील करते हुए कहा है कि अगर उसने कोई गलती की है, तो मैं माफी मांगती हूं। मेरे बेटे को रिहा कर दो। वह नौकरी भी छोड़ देगा, बस उसे माफ कर दो और घर भेज दो। उनके पिता ने भी जीवित छोड़ देने की अपील की है क्योंकि वह परिवार का एकमात्र कमाने वाला है। उन्होंने कहा कि अगर उनके बेटे ने किसी को परेशान किया है, तो मैं उसके लिए माफी मांगता हूं।

हिमाचल में आपदा के कारण आठ हजार करोड़ का नुकसान : मुख्यमंत्री

शिमला, (हि.स.)। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा है कि हिमाचल प्रदेश में आपदा के कारण लगभग 8000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। केंद्र सरकार ने प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान का जायजा लेने के लिए एक दल प्रदेश में भेजा था जो अपनी रिपोर्ट केंद्र सरकार को प्रस्तुत करेगा। रविवार को चंबा दौरे पर पहुंचे मुख्यमंत्री ने कहा कि वह शीघ्र ही दिल्ली जाकर प्रधानमंत्री और गृहमंत्री से प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान के संबंध में भेंट करेंगे। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश ने दृढ़ता के साथ इस आपदा का सामना किया। राज्य सरकार ने 48 घंटे के भीतर प्रभावित क्षेत्रों में बिजली व पानी की अस्थाई आपूर्ति सुनिश्चित की। उन्होंने आपदा प्रभावित क्षेत्रों में रहकर स्वयं राहत एवं बचाव कार्यों की निगरानी की है। अब प्रदेश में स्थिति बहाली का कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है। सुक्खू ने कहा कि खराब मौसम के कारण वह जिला चंबा के होली नहीं जा पाए, लेकिन जल्द ही वह होली के दौरे पर आएंगे। उन्होंने कहा कि उपायुक्त चंबा को होली क्षेत्र के सभी प्रभावित परिवारों को मुआवजा राशि प्रदान करने के निर्देश दिए गए हैं और सभी प्रभावितों तक राहत पहुंचाना सुनिश्चित किया जा रहा है। राज्य सरकार ने मानवीय दृष्टिकोण को सामने रखकर मुआवजा राशि में दस गुना तक की वृद्धि की है। इससे पूर्व, एनपीएस कर्मचारी संघ ने मुख्यमंत्री को सम्मानित किया और पुरानी पेंशन योजना की बहाली के लिए उनका धन्यवाद किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश पर 75 हजार करोड़ रुपये का कर्ज होने के बावजूद सरकार ने सरकारी कर्मचारियों को पुरानी पेंशन प्रदान की है। राज्य सरकार प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले कर्मचारियों को सम्मान से जीवन-यापन का हक देना चाहती है। कांग्रेस ने अपने प्रतिज्ञा पत्र में ओपीएस बहाली की गारंटी दी थी, जिसे पूरा कर दिया गया है। केंद्र सरकार के पास एनपीएस के दस हजार करोड़ रुपये लंबित हैं और केंद्र से इसे वापस दिलवाने में विपक्ष को राज्य सरकार की मदद करनी चाहिए।

प्रधानमंत्री की अपील का असर, तीर्थयात्री खरीद रहे हैं भोजपत्र के उत्पाद : धामी

देहरादून, (हि.स.)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री देश के प्रथम गांव माणा में की गई अपील का ही परिणाम है कि आज यहां आने वाले तीर्थयात्री भोजपत्र के उत्पादों सहित अन्य स्थानीय उत्पादों को अच्छे दामों पर खरीद रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से आज 'मन की बात' कार्यक्रम में जनपद चमोली की नीती-माणा घाटी की महिलाओं के लिखे गए पत्र का जिक्र किया गया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पीएम स्वनिधि लाभार्थियों के साथ 'मन की बात' को मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय में सुना। इसके बाद मुख्यमंत्री धामी ने एक ट्वीट कर कहा कि भोजपत्र देवभूमि उत्तराखण्ड की प्राचीन विरासत का हिस्सा है। हमारी सरकार प्रदेश की समस्त सांस्कृतिक विरासतों को संरक्षित और संवर्धित करने की दिशा में निरन्तर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड से प्रधानमंत्री मोदी का विशेष लगाव है,आज 'मन की बात' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी का उत्तराखंड के नीती-माणा घाटी की महिलाओं के लिखे गए भोजपत्र का जिक्र करना प्रदेश के लोगों के लिए खुशी की बात है। प्रधानमंत्री जब चमोली आए थे तो लोकल फॉर वोकल का भी जिक्र किया था। इसके बाद चमोली के नीती-माणा घाटी की महिलाओं ने भोजपत्र में एक पत्र लिखकर प्रधानमंत्री मोदी का धन्यवाद किया था।

कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी नई दिल्ली स्थित उत्तराखंड सदन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का 103 वां संस्करण को सुना। इसके बाद मंत्री ने कहा कि 'मन की बात' कार्यक्रम लोगों को नए कार्य करने एवं समाज के लिए अनेक कार्य करने की प्रेरणा देता है। अनेक प्रकार की विभिन्न जानकारी मिलती है। मंत्री जोशी ने कहा फुटबॉल को लेकर भी 'मन की बात' में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जिक्र किया है। वह शीघ्र ही देहरादून में फुटबॉल मैच का एक आयोजन किया जाएगा और फुटबॉल के प्रति बच्चों को प्रोत्साहित किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा निर्मित प्रदेश के उत्पादों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए कार्य किया जा रहा है। उत्तराखंड में सैनिकों के सम्मान में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना के स्वरूप भव्य सैन्य धाम का निर्माण किया जा रहा है। इसके लिए उत्तराखंड में 1734 शहीदों के आंगन की पवित्र मिट्टी और प्रदेश की प्रमुख 28 पवित्र नदियों का जल लेकर कलश यात्रा के माध्यम से सैन्य धाम में प्रतिस्थापित किया गया है।

पंडित जवाहरलाल नेहरू ने आदिवासियों को दिलाया जल-जंगल-जमीन का अधिकार: कन्हैया कुमार

इंदौर, (हि.स.)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ, राज्यसभा सदस्य व पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह एवं एनएसयूआई के राष्ट्रीय प्रभारी कन्हैया कुमार रविवार को इंदौर में आदिवासी युवा महापंचायत में शामिल हुए। कार्यक्रम में कन्हैया कुमार ने युवाओं में जोश भरते हुए भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हमारी जो पहचान है, उसे छुपाने का प्रयास किया जा रहा है। देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी आदिवासी हैं लेकिन बड़े जोर से कांग्रेस पार्टी पर कीचड़ उछाला गया। इस देश का इतिहास उठाकर देख लीजिए, पंडित जवाहरलाल नेहरू पहले प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने संविधान सभा में आदिवासियों के लिए जल-जंगल-जमीन का अधिकार दिलाया। जल जंगल जमीन की लड़ाई लड़ने वाले हमारे महामानव हैं। कन्हैया कुमार ने केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मप्र के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा पर भी जमकर तंज कसा। उन्होंने चैलेंज करते हुए कहा कि हम सच बोलते हैं और सच के लिए लड़ते हैं। दोनों गृह मंत्री आज इंदौर में हैं। अगर मैं गलत हूं तो हमें जेल में डालें, बिना मतलब के बयान देकर लोगों को गुमराह न करें। उन्होंने कहा कि अगर मुख्यमंत्री अपने बेटे को विदेश भेज सकते हैं तो हमारा भी अधिकार है कि हमारे बच्चों को भी अच्छी शिक्षा मिले। हम भी टैक्स देते हैं, आपके पैसे से हमने पीएचडी की है। हमने आपका नमक खाया है। इसका कर्ज अदा करेंगे। हम महात्मा गांधी की पार्टी से हैं। एमपी में रोज नए घोटाले पैदा हो रहे हैं। नया घोटाला पटवारी घोटाला है, जिसमें टॉपर ने बताया कि एमपी की राजधानी दिल्ली है। उन्होंने नरोत्तम मिश्रा पर निशाना साधते हुए कहा कि आपके राज्य में सबसे ज्यादा महिलाओं के साथ अत्याचार हो रहा है, अपने राज्य को चला लीजिए, फिर दूसरे पर बयान दीजिए। सच बोलिए, क्योंकि जब चुनाव आता है तो दिल्ली इंदौर में घूमना शुरू कर देती है। आजकल दिल्ली इंदौर में घूम रही है। अब चुनाव आया है तो राजा का बेटा राजा नहीं होगा, आप सभी आदिवासी भाइयों को यह अहसास कराना होगा। कन्हैया कुमार ने कहा कि देश में पंडित जवाहरलाल नेहरू, भगत सिंह, बाबा साहब अंबेडकर नहीं होते तो आगनबाड़ी का बेटा दो-दो मुख्यमंत्री के सामने भाषण नहीं दे रही होता। यह लोकतंत्र की ताकत है। मंच पर मौजूद दिग्विजय सिंह ने कन्हैया कुमार का समर्थन किया। वहीं कमलनाथ ने जय जोहार से अपने भाषण की शुरूआत की। उन्होंने कहा कि मैं उस जिले से आता हूं, जिसकी आदिवासी आबादी आपके जिले से भी अधिक है। आप जाकर इंटरनेट में देखिए, छिंदवाड़ा जिले के आदिवासियों की संख्या कितनी है। मुझे गर्व है कि आदिवासियों के साथ काम करने का मुझे मौका मिला। अपनी युवा अवस्था को याद करते हुए कमलनाथ ने कहा अभी मैं बूढ़ा नहीं, जवान हूं। मुझे याद है यह 79 की बात है, जब मैं चुनाव लड़ा और जीता मैंने तभी संकल्प लिया कि जब जिले की सड़कें बनवा लूंगा तभी दम लूंगा। इससे पहले सभी नेता कांग्रेस विधायक संजय शुक्ला द्वारा आयोजित भगवान भोलेनाथ के महारुद्राभिषेक में शामिल हुए। यहां कांग्रेस कार्यकताओं ने कमलनाथ को हनुमान प्रतिमा और गदा भेंट की। इसके बाद कन्हैया कुमार, कमलनाथ और दिग्विजय सिंह रेडिसन होटल में शहर महिला कांग्रेस द्वारा आयोजित महिलाओं के प्रति दृष्टिकोण में बदलाव की अहमियत कार्यक्रम में पहुंचे। यहां दिग्विजय सिंह की पत्नी अमृता सिंह ने कमलनाथ से पूछा कि अगर कांग्रेस सरकार आई तो महिलाओं के लिए क्या करेंगे तो कमलनाथ ने कहा कि अगर मत लगाइए, सरकार तो आएगी ही..इतना सुनते ही कांग्रेसियों के साथ मौजूद महिलाएं भी ठहाके लगाने लगीं।

केन्द्रीय राज्य मंत्री वीके सिंह ने बाढ़ पीड़ितों की वितरित की राहत सामग्री

गाजियाबाद, (हि.स.)। सांसद एवं केंद्रीय सड़क परिवहन राजमार्ग एवं नागर विमानन राज्यमंत्री जनरल डॉ. वीके. सिंह ने रविवार को मुरादनगर के गांव आटोर, नगला में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रवासियों से मुलाकात की और उन्हें राहत सामग्री वितरित की। बीते समय में हिंडन नदी में बढ़ते जलस्तर के कारण समीप के गांवों में जलभराव की वजह से लोग प्रभावित हुए थे, जिसकी वजह से गांव वालों को परेशानी का सामना करना पड़ा था। सभी क्षेत्रवासियों की समस्याओं को समझते हुए, सुनते हुए, उनके रहने, खाने, पीने के लिए जनरल डॉ. वीके. सिंह ने व्यवस्था कराई और सभी को आश्वस्त किया कि इस परिस्थिति में वह एक अभिभावक की तरह उनके साथ हैं। उनके मददगार के रूप में हमेशा उनके साथ खड़े रहेंगे। सांसद ने संबंधित अधिकारियों से बात कर उन्हें निर्देश दिए कि किसी भी क्षेत्रवासी को कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। यदि कोई भी संभव आवश्यकता हो तो आप तत्काल उसका का प्रबंध करें। इस कार्यक्रम के दौरान मुरादनगर के विधायक अजीत पाल त्यागी, एसडीएम विनय कुमार सिंह, ग्राम प्रधान रणबीर सिंह, पुलिस अधिकारी, ग्रामवासी, संगठन के पदाधिकारी एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लमही में गूंजा प्रेमचंद का मंत्र अमर रहे, विशाल भारत संस्थान ने निकाला मंत्र मार्च

वाराणसी, (हि.स.)। उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचन्द की जयंती पर रविवार को उनके पैतृक गांव लमही में विशाल भारत संस्थान के कार्यकताओं और कलाकारों ने मंत्र मार्च निकाल राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन भी किया। कथा सम्राट की प्रसिद्ध कहानी मन्त्र के नाम पर सुभाष भवन से प्रेमचंद के पैतृक आवास तक विशाल भारत रंगमंच के कार्यकत्ताओं एवं कलाकारों ने मन्त्र मार्च निकालकर प्रेमचन्द को याद किया। संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राजीव एवं मुस्लिम महिला फाउण्डेशन की नेशनल सदर नाजनीन अंसारी की अगुवाई में निकले मार्च में बाल कलाकारों ने भी भाग लिया। इसके बाद लमही स्थित सुभाष भवन में प्रेमचन्द की लमहीझसाहित्यिक पथ विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में जुटे वक्ताओं ने कहा कि मुंशी प्रेमचंद की कहानियों और उपन्यासों के किरदार आज भी लमही में जीवंत है। मुंशी प्रेमचन्द ने उर्दू और हिन्दी मं कहानियां लिखी। उनकी कहानियों के पात्र आज भी लोगों को प्रेरणा देते है। मुंशी प्रेमचन्द को तो दुनियां याद करती है। मुख्य वक्ता रामपंथ के धर्म प्रवक्ता डा. कवीन्द्र नारायण श्रीवास्तव ने कहा कि मुंशी प्रेमचन्द का साहित्य लेखन साहित्य समाज का दर्पण है। राजा से उतरकर प्रजा पर साहित्य लेखन करना बहुत बड़ी बात है। मुंशी प्रेमचन्द ने समाज की महिलाओं को साहित्य में स्थान देकर साहित्य लेखन के जगत में क्रांतिकारी परिवर्तन किया। गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए ज्ञान प्रकाश ने कहा कि मुंशी प्रेमचन्द के साहित्य जगत में आने के बाद लोगों ने कहा कि कलम की ताकत तलवार से भी ज्यादा होती है। उनका साहित्य समाज, दलित वर्ग, महिलाओं एवं निचले तबके का चित्रण है। युवा साहित्यकार माज अहमद, शिवम पाठक ने अपने विचार व्यक्त किये। श्रद्धा चतुर्वेदी ने आशा नामक प्रेरणादायक कहानी का मंचन किया। उदय प्रताप पब्लिक स्कूल की बच्चियों श्रेया, रूद्रा, सोना, उद्देशिका, पिहू, प्राप्ति, प्रकृति, काव्या हिमानी एवं श्रुति ने चैती एवं कजरी के गायन की प्रस्तुति की। गायन प्रस्तुत करने वाली बच्चियों को प्रशस्ति पत्र वितरित किया गया। इसके पहले अतिथियों ने नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के मंदिर में माल्यार्पण एवं दीपोज्वलन कर संगोष्ठी का शुभारम्भ किया। संगोष्ठी का संचालन संयोजक प्रांजल श्रीवास्तव, धन्यवाद ज्ञापन डॉ अर्चना भारतवंशी ने किया। संगोष्ठी में नजमा परवीन, डा. मृदुला जायसवाल, सुनीता श्रीवास्तव, बिन्दू, धनेसरा, रमता श्रीवास्तव, सरोज देवी, शमसुननिशा, प्रभावती, पार्वती, हिरामनी, किशुना, ममता, अंजू, किरन, राजकुमारी आदि मौजूद रही।

खूंटी के सभी छह प्रखंडों में लगा विधिक सेवा सशक्तीकरण शिविर

खूंटी, (हि.स.)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार दिल्ली और झालसा रांची के निर्देश पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डालसा अध्यक्ष सत्य प्रकाश के मार्गदर्शन में रविवार को जिले के सभी छह प्रखंडों में विधिक सेवा सशक्तीकरण शिविर का आयोजन किया गया विधिक सेवा सशक्तीकरण शिविर का उद्देश्य सुदूरवर्ती क्षेत्र के ग्रामीणों को मुख्यधारा में जोड़ना और सभी ग्रामीणों को अपने निकटवर्ती प्रखंड कार्यालय में सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आसानी से दिलाना है। विधिक सेवा सशक्तीकरण शिविर में सभी प्रखंडों में व्यवहार न्यायालय खूंटी के सभी न्यायाधीश और प्रखंडों के बीडीओ और सीओ द्वारा सरकार की ओर से आम जनों के लाभ के लिए चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री आवास योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, कृषि वाणिज्य संबंधी योजना, श्रम एवं रोजगार योजना, पशुपालन, दिव्यांग यंत्र वितरण, जेएसएलपीएस, चेतना कर्तव्य, जन शिशु शक्ति एवं अन्य योजनाओं का लाभ आम जनों को दिया गया। जिला जज द्वितीयय सत्यकाम प्रियदर्शी ने कर्रा प्रखंड में, डालसा सचिव मनोरंजन कुमार खूंटी और मुरहू प्रखंड, एसडीजेएम दिनेश बाउरी ने तोरपा प्रखंड, न्यायिक दंडाधिकारी निबंधक व्यवहार न्यायालय खूंटी प्रथम तुषार आनंद ने अड़की प्रखंड में जाकर सशक्तीकरण शिविर का उद्घाटन किया और परिसंपत्तियों का वितरण किया। शिविर में 4449 लाभुकों के बीच दो करोड़ 51 लाख, छह हजार 876 रुपये की परिसंपत्तियों का वितरण किया गया।

अविलम्ब लागू हो समान नागरिक संहिता : मिलिंद परांडे

पूर्वी चंपारण (बिहार), (हि.स.)। विश्व हिंदू परिषद उत्तर बिहार के तीन दिवसीय प्रांतीय बैठक के दूसरे दिन शनिवार को कार्यक्रम का उद्घाटन अरेराज के महामंडलेश्वर रविशंकर गिरी व विहिप के राष्ट्रीय महामंत्री मिलिंद परांडे ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। बैठक को सम्बोधित करते हुए रविशंकर गिरी ने कहा कि सभी सनातनियों को आपसी भेदभाव मिटाकर भारत को पुनः हिंदू राष्ट्र बनाने के लिए एकजुट होना होगा। उन्होंने कहा कि सनातन के विरोध में राष्ट्र विरोधी गतिविधियां बढ रही हैं। ऐसे में संत सड़क पर उतरकर इन देशद्रोही तत्वों का प्रतिकार करें। मिलिंद परांडे ने कहा कि देश में चार तरह की विरोधी शक्तियां काम कर रही है। विदेशी कम्पनियां कई प्रकार से अपने विचारों को प्रतिस्थापित कर रही है। ईसाई और जेहादी भोले-भाले हिन्दुओं का धर्मान्तरण करा रहे हैं। साथ ही कम्युनिस्ट विचारधारा हिंदू के विरोध में तरह-तरह के हथकंडे अपना रहे हैं। इन चारों शक्तियों से बजरंग दल को सावधान रहना होगा और प्रतिकार के रूप में खड़ा रहना होगा। परांडे ने कहा कि समलैंगिकता का कानून हमारी संस्कृति के खिलाफ है। इसका विरोध होना चाहिए और समान नागरिक संहिता सभी राज्यों को अविलम्ब लागू करना चाहिए। बैठक के दूसरे सत्र में स्थानीय अधिवक्ताओं की बैठक में परांडे ने कहा कि सभी अधिवक्ताओं को हिंदू भाव बनाकर न्यायालय से लेकर सड़क तक लव जेहाद, धर्मान्तरण, गौ रक्षा जैसे समस्याओं के संदर्भ में खड़ा रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों का सीआरपीसी और आईपीसी कानून भारत के संदर्भ में खत्म होना चाहिए। क्षेत्रीय संगठन मंत्री आनंद कुमार ने संगठनात्मक विषयों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गांव-गांव में हिंदू सुरक्षा समिति बनाकर बजरंग दल का जनजागरण शौर्य यात्रा निकाल कर युवाओं को संगठन से जोड़कर अनुशासित बनाकर देश सेवा में लगना चाहिए। विहिप प्रांत मंत्री राजकिशोर सिंह ने बीते छह महीने के कार्यक्रमों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। बैठक में शामिल सभी कार्यकताओं का स्वागत बिहार-झारखंड के विधि प्रकोष्ठ प्रमुख अशोक श्रीवास्तव अधिवक्ता, प्रांत सह संपर्क प्रमुख सह विभाग मंत्री राणा रणवीर सिंह ने अंगवस्त्र देकर किया। पूरे कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रांत अध्यक्ष कृष्णदेव झा ने किया। उल्लेखनीय है कि बैठक में उत्तर बिहार के विभिन्न जिलों से करीब 200 प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं।

उप्र सरकार के पौधरोपण अभियान की प्रधानमंत्री ने की तारीफ, मुख्यमंत्री ने जताया आभार

लखनऊ, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में 22 जुलाई को उत्तर प्रदेश में हुए रिकॉर्ड 30.21 करोड़ पौधरोपण अभियान की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम में तारीफ की। उन्होंने इस अभियान की चर्चा करते हुए इसे जनभागीदारी और जनजागरण का बड़ा उदाहरण बताया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सरकारी आवास पर प्रधानमंत्री के 'मन की बात' को सुना। प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में एक दिन में 30 करोड़ पेड़ लगाने का रिकॉर्ड बनाया गया है। इस अभियान की शुरूआत राज्य सरकार ने की और उसे वहां के लोगों ने पूरा किया। हम सभी को पेड़ लगाने और पानी बचाने के प्रयासों का हिस्सा बनना चाहिए। प्रधानमंत्री की ओर से पौधरोपण अभियान की प्रशंसा किए जाने के बाद मुख्यमंत्री ने आभार प्रकट किया है। उन्होंने अपने ट्विटर पर लिखा कि प्रधानमंत्री की प्रेरणा से यहां पौधरोपण 'जन-आंदोलन' का रूप ले चुका है। हम सभी हरित उत्तर प्रदेश के निर्माण के लिए भरपूर प्रयास कर रहे हैं। उसी क्रम में 77वें स्वतंत्रता दिवस पर भी 05 करोड़ पौधरोपण के लिए संकल्पित हैं। उल्लेखनीय है कि योगी सरकार ने बीते 06 साल में उत्तर प्रदेश में 136 करोड़ पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में बड़ी लकीर खींच दी है। सरकार अगले पांच साल में 175 करोड़ पौधे रोपने के मिशन में जुटी हुई है। इस वर्ष भी सरकार का लक्ष्य 35 करोड़ पौधे रोपने का है। इसमें से 30.21 करोड़ पौधे 22 जुलाई को रोपे गये हैं। वहीं 15 अगस्त को 05 करोड़ पौधे रोपे जाएंगे। खास बात ये है कि प्रदेश के सबसे शुष्क क्षेत्र बुंदेलखंड के सात जिलों में तकरीबन पांच करोड़ पौधे रोपे गये हैं।

काशी में बढ़े पर्यटक, पीएम बोले- लाखों गरीबों को मिला रोजगार – प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' में लोगों में बढ़े तीर्थाटन के भाव को भी सराहा। उन्होंने विशेष रूप से अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी का उल्लेख करते हुए कहा कि आज काशी में एक साल में 10 करोड़ लोग काशी विश्वनाथ के दर्शन के लिए आ रहे हैं। इसके अलावा मथुरा, अयोध्या में भी तीर्थयात्रियों की संख्या बढ़ी है। इससे लाखों गरीब लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर उपलब्ध हुए हैं।

अति प्राचीन राम कुंड तालाब के जीर्णोद्धार कार्य में अवैध अतिक्रमण बना बाधा

कानपुर, (हि.स.)। अति प्राचीन राम कुण्ड तालाब का जीर्णोद्धार का कार्य तो शुरू हुआ लेकिन अवैध अतिक्रमण न हटने की वजह से कार्य थम चुका है। तालाब पर किए गए अतिक्रमण को हटाने के लिए राजस्व विभाग ने पैमाइस की। बावजूद इसके अतिक्रमण नहीं हटया जा सका। इस संबंध में रविवार को उपायुक्त श्रम रोजगार मनरेगा कानपुर पीडीएस रमेश चन्द्र ने बताया कि स्थानीय प्रशासन का समुचित सहयोग नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने बताया कि राम कुण्ड तालाब के जीर्णोद्धार का कार्य शुरू किया गया लेकिन अवैध अतिक्रम न हट पाने की वजह से कार्य को अभी रोक दिया गया है। हालांकि जिधर अतिक्रमण नहीं था वहां कुछ कार्य कराया गया है। मौसम की वजह से मिट्टी की खुदाई कार्य में अवरोध आ गया। भीतरगांव ब्लाक के कार्यक्रम अधिकारी चन्द्रमणि त्रिपाठी का कहना है कि तालाब से अतिक्रमण हटाने के लिए उपजिलाधिकारी घाटमपुर और घाटमपुर थाने को भी लिखित सूचना दी गई है। अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। चन्द्रमणि त्रिपाठी ने बताया कि सरकारी दस्तावेजों में दो बीघा पांच विस्वा में राम कुण्ड तालाब है। मौके पर तालाब का रकबा कम हो गया है। स्थानीय लोगों ने अवैध रूप से कब्जा कर लिया है।

मानव जीवन को बचाने की सिर्फ एक ही दवा है अधिक से अधिक पौधरोपणः कोचे मुंडा

-तोरपा के ममरला में जनजातीय वन महोत्सव आयोजित

खूंटी, (हि.स.)। तोरपा के ममरला गांव में रविवार को वन एवं पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के सहयोग से जनजातीय वन महोत्सव का आयोजन किया गया। वन प्रेमी हैं हम की थीम पर आधारित वन महोत्सव में भाजपा विधायक कोचे मुंडा, उनकी पत्नी मोनिका मुंडा, भाजपा नेता रेड़ा मुंडा, घासीराय मुंडा सहित एक दर्जन से अधिक गांवों के पाहनों ने आम, नीम, बरगद, पीपल और महोगनी के पौधे लगाये। मौके पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि जिस गति से विश्व की जनसंख्या बढ़ रही है, उसके अनुपात में पेड़ नहीं लगाये जा रहे हैं। फलस्वरूप ग्लोबल वार्मिंग और ऑक्सीजन की कमी का सामना न सिर्फ मानव, बल्कि हर प्राणी को करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि जब किसी को बुखार आ जाता है, तो उसे दवा दी जाती है। आज हमारी पृथ्वी भी गर्म हो रही है और इसे बचाने का एक ही दवा है अधिक से अधिक पौधरोपण। इसलिए हम सभी को पौधरोपण और उनके संरक्षण का संकल्प लेना होगा। जनजातीय वन महोत्सव में ममरला, डोड़मा, रिड्डुम, हुसीर, रोन्हे, जराटोली सहित कई गांवों के वाहन, पुजार, महतो और ग्रामीण उपस्थित थे।

ताजिया जुलूस के दौरान घायल नाबालिग राधा से मिला भाजपा का शिष्टमंडल

भागलपुर, (हि.स.)। बीते शनिवार को नवगछिया थाना क्षेत्र के मक्खातकिया बाजार में ताजिया जुलूस में पटाखा फोड़ने के दौरान घायल हुई राधा कुमारी से रविवार को भाजपा का एक शिष्टमंडल राष्ट्रीय परिषद सदस्य (भागलपुर लोकसभा) भाजपा और जिला प्रभारी नवगछिया संगठन जिला के अभय वर्मन के नेतृत्व में अस्पताल में मिला। भाजपा शिष्टमंडल से घायल राधा कुमारी ने बताया कि ताजिया जुलूस के दौरान उपद्रवियों ने ताजिया जुलूस को देखने आई लड़कियों के उपर शक्तिशाली बम पटका। जिससे राधा कुमारी के एक आँख में बारूद का कण चला गया और उसकी आँखों के अंधेरा छा गया और आँख से खून गिरने लगा। फिलहाल राधा कुमारी का मायागंज अस्पताल ईलाज चल रहा है। इस मौके शिष्टमंडल ने कहा कि नवगछिया के डीएसपी से फोन पर बात करने के बाद मालूम हुआ कि अभी तक इस अपराध का एफआईआर दर्ज नहीं हुआ है। जुलूस के दौरान स्थानीय पुलिस प्रशासन और ड्यूटी में मजिस्ट्रेट को इस लड़की के फर्द बयान पर तुरंत केस दर्ज करना चाहिए था। शिष्टमंडल में पूर्व सासंद एवं गोपालपुर विधानसभा से प्रत्याशी रहे अनिल यादव, तिलकामांझी मंडल के अध्यक्ष प्रतीक आनंद एवं महामंत्री शंशाक घोष शामिल थे। शिष्टमंडल में शामिल लोगों ने बताया कि हमलोगों ने पीड़िता राधा कुमारी और उसके परिजन से मिलकर उन्हें सांत्वना दी और उनके साथ हुए अमानवीय व्यवहार, एक आंख की रोशनी समाप्त होने पर उचित ईलाज, सरकारी आर्थिक मदद एवम् दोषी व्यक्तियों को सजा दिलवाने एवम् प्रशासनिक व्यवस्था में चुक को उजागर करने का आश्वासन भी दिया।

प्रतिभा ने सुलतानपुर का नाम विश्व पटल पर किया रोशन, किया गया सम्मान

सुलतानपुर, (हि.स.)। मिसेज इंडिया वर्ल्ड सीजन-04 में उत्तर प्रदेश से एकमात्र चयनित प्रतिभागी रहीं प्रतिभा श्रीवास्तव ने सेमी फाइनल में जगह बनाते हुए जिले का नाम रोशन किया।प्रतिभा सुलतानपुर के शास्त्री की रहने वाली हैं। पत्रकारों से वार्ता करते हुए प्रतिभा श्रीवास्तव ने रविवार को कहा कि आज की महिलाएं जो सोचती हैं कि हम शादीशुदा हो जाने के बाद कुछ नहीं कर सकते हैं, यह गलत है। अपनी क्षमता और कार्यकुशलता से आज महिलाएं देश के सभी पदों पर विराजमान हैं। प्रतियोगिता में हार जीत महत्त्व नहीं रखता। अनुभव महत्व रखता है। भारतीय परंपरा संस्कृति जन-जन से जुड़ी है। अपने संस्कार को साथ लेकर हम आगे बढ़े भारतीयों के लिए यह प्रतियोगिता श्रीलंका में आयोजित की गई। इसमें विदेशों में रह रहे सभी भारतीयों ने भाग लिया। यह प्रतियोगिता कोलंबो श्रीलंका में आयोजित की गई थी। इसमें ज्यूरी के रूप में बॉलीवुड की अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा, अभिनेता व मॉडल डिनो मोरिया, क्रिकेटर श्री एस. संत थे। प्रतिभा श्रीवास्तव ने 1200 प्रतिभागियों में से ऑनलाइन ऑडिशन के जरिये आखरी 70 में जगह बनाई, जिनका प्रदर्शन कोलंबो श्रीलंका में पिछले 19 जुलाई को हुआ। 70 प्रतिभागियों में भी प्रतिभा ने सेमीफाइनल तक का सफर तय किया। प्रतिभा श्रीवास्तव ने प्रारंभिक शिक्षा महर्षि विद्या मंदिर सुलतानपुर से की है। उसके बाद कृष्णा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी कानपुर से एमबीए. किया और इंदौर में जॉब भी किया। प्रतिभा का संगीत से भी गहरा लगाव रहा है। वह सिटी आइडल सुलतानपुर की विनर भी रह चुकी हैं। उन्होंने रामपुर संगीत घराने से संगीत की शिक्षा ले रखी है। सन 2021 में प्रतिभा का विवाह प्रयागराज निवासी अंकित राजन से हुआ। अंकित एक आई.टी. इंजीनियर हैं। कोलंबो से प्रतियोगिता में भाग लेने के उपरांत प्रथम नगर आगमन पर श्री चित्रगुप्त धाम परिवार द्वारा प्रतिभा का स्वागत और सम्मान किया गया। कार्यक्रम में संस्था ने स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र देकर प्रतिभा को सम्मानित किया। उक्त कार्यक्रम में मंदिर परिवार के उपाध्यक्ष संदीप श्रीवास्तव ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

शिक्षक नियुक्ति परीक्षा के नाम राज्य के युवाओं को ठग रही सरकार : किसलय तिवारी

रांची, (हि.स.)। भारतीय जनता युवा मोर्चा के अध्यक्ष किसलय तिवारी ने हेमंत सरकार पर शिक्षक नियुक्ति परीक्षा में राज्य के युवाओं को ठगने का आरोप लगाया है। भाजपा प्रदेश कार्यालय में रविवार को मोर्चा अध्यक्ष किसलय तिवारी ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि सत्तारूढ़ झामुमो और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने चुनावी घोषणा पत्र में हर साल पांच लाख युवाओं को नौकरी देने का वादा किया था। ऐसा नहीं होने पर बेरोजगारी भत्ता देने और इसमें फेल रहने पर राजनीति से संन्यास लेने की घोषणा की थी। अभी राज्य में शिक्षकों के 26001 पदों के लिए युवाओं से आवेदन मांगे जा रहे। पर ठोस स्थानीय और नियोजन नीति के अभाव में युवा ठगी के शिकार हो रहे हैं। अध्यक्ष ने कहा कि झारखंड में नौकरी के बदले युवाओं को मुख्यमंत्री से कोरा आश्वासन और लाठियां मिल रही हैं। पौने चार सालों में चार तरह की गाड़ियां मुख्यमंत्री के लिए खरीद ली गयीं पर नौकरी नहीं आयी। मंत्रियों के लिए आवास के लिए पैसे आये पर नौकरी नहीं आय़ी। नौकरी देने का मूल आधार स्थानीय नीति और नियुक्ति नियमावली है। यह सरकार इसे अब तक बना नहीं सकी है। एक नियोजन नीति ऐसी बनाई कि कोर्ट में खारिज हो गयी। किसलय तिवारी ने कहा कि राज्य सरकार जानबूझकर लोक लुभावन नीति लाती रही है। शिक्षक नियुक्ति के नाम पर सीएम ने धोखा देने का काम फिर शुरू किया है। 26001 युवाओं को शिक्षक की नौकरी के लिए विज्ञापन जारी हुआ है। राज्य में 2016 के बाद से सीटेट की परीक्षा नहीं हुई है। 2016 से 2023 के बीच पौने तीन लाख स्टूडेंट्स ने मेहनत के बूते बीएड और दूसरी परीक्षा पास की। यह सोचा था कि शिक्षक की नौकरी मिलेगी। लेकिन अभी स्थिति ऐसी है कि लाखों युवाओं का भविष्य अंधकारमय दिख रहा है।

लोकसभा का चुनाव इंडिया बनाम एनडीए होगा : लालू यादव

छात्र राजद भारत की बैठक को लालू यादव ने किया संबोधित

पटना, (हि.स.)। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने कहा कि बाबा साहब के विचारों वाले दल इंडिया के तहत एकजुट हो रहे। हमलोग जल्द ही महाराष्ट्र में इकट्ठा होने वाले हैं। वह रविवार को वन एवं पर्यावरण मंत्री तेजप्रताप यादव के आवास पर आयोजित छात्र राजद भारत की बैठक को संबोधित कर रहे थे। लालू यादव ने कहा बिहार में कांग्रेस, जदयू और राजद एक साथ मिलकर सरकार चला रहे हैं। 2024 का चुनाव नजदीक आ गया है। एक उम्मीदवार के खिलाफ एक खड़ा होगा चुनाव में। लोकसभा चुनाव इंडिया बनाम एनडीए होगा। हमलोग महाराष्ट्र में इस पर चर्चा करेंगें। दिल्ली मैं जा रहा हूं। मतभेद भुलाकर एकजुट रहना है। प्रधानमंत्री पर प्रहार करते हुए लालू यादव ने कहा कि नरेन्द्र मोदी संविधान को मिटाना चाहते हैं लेकिन देश की अखंडता को हम मिटने नहीं देंगे। उन्होंने छात्र नौजवानों से पूरे देश में पंचायत स्तर पर घूमने की बात कही। लालू ने कहा कि पंचायत स्तर पर बाबा साहब के विचारों को पहुंचाया गया। अब बूथ स्तर तक पहुंचाएंगे। युवाओं को देश को बचाना है। इसे युवाओं को आजादी की लड़ाई की तरह ही लड़ाई लड़नी है। लोग जेल के अंदर जाते हैं बाहर आते हैं। जेल की परवाह नहीं करते। देश के ताने बाने को बरकरार रखना है। मौके पर तेजप्रताप यादव को सलाह देते हुए उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, दिल्ली और झारखंड में डीएसएस का कार्यक्रम कराया जाए। आरएसएस वाले आप लोगों से घबराते हैं। लालू ने कहा कि बिहार में सूखा पड़ गया है। किसानों को खेती करने में परेशानी हो रही है। इसके मद्देनजर बिहार सरकार ने राहत का ऐलान किया है।

संपादकीय

मुस्लिम लीग के मंसूबे

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और मुख्य चेहरे राहुल गांधी जिस मुस्लिम लीग को पूरी तरह से सेक्युलर पार्टी बताते हैं, उसी मुस्लिम लीग ने केरल में एक जुलूस निकालकर हिन्दुओं को नरसंहार की धमकी दी है। लेकिन अभी तक राहुल गांधी तो क्या किसी भी कांग्रेसी ने मुस्लिम लीग की, उसके खतरनाक मंसूबों के लिए आलोचना नहीं की है। मुस्लिम संगठनों के समाज विरोधी बयानों पर कांग्रेस की यह चुप्पी क्या कहती है? मुस्लिम तुष्टिकरण के आरोप से बढ़कर कांग्रेस की जो हिंदू विरोधी छवि बनी है, उसके पीछे इसी प्रकार की चुप्पी और प्रोत्साहन है। जब विदेश की धरती से राहुल गांधी ने मुस्लिम लीग का बचाव किया और कहा कि मुस्लिम लीग में सांप्रदायिकता जैसा कुछ नहीं है तो देश की जनता हैरान रह गई थी। कोई कितने भी प्रयास कर ले मुस्लिम लीग को सर्वसमावेशी और सेकुलर पार्टी/विचार सिद्ध नहीं किया जा सकता। मुस्लिम लीग का इतिहास ही नहीं, वर्तमान भी उन सभी दावों को झुठला देता है। समान नागरिक संहिता के विरोध में निकाले गए जुलूस में मुस्लिम लीग ने नेताओं ने भड़काऊ नारेबाजी की। 'तुम्हें तुम्हारे ही मंदिरों में लटका देंगे, तुम्हें जिंदा जला देंगे', हिंदुओं के विरोध में इस तरह के नारे उस जुलूस में लगाए गए। किसी को हैरानी नहीं होगी कि कांग्रेस की मुहब्बत की दुकान में इस तरह के विचार/मंसूबे रखनेवाले राजनीतिक दल बने रहेंगे। टुकड़े–टुकड़े गैंग से लेकर हिंदुओं को उनके मंदिर में लटकाने का इरादा पालकर बैठे लोग/पार्टी आईएनडीआईए गठबंधन में शामिल हैं। भारत का हिंदू समाज कैसे इस बात पर भरोसा करे कि गठबंधन का नाम बदलकर रखने से उसमें शामिल राजनीतिक दलों की नीयत, नीति और विचार बदल जायेंगे। उल्लेखनीय है कि केरल में हुए मोपला नरसंहार को दो साल पहले ही 100 वर्ष पूरे हुए हैं। देश अभी तक भूला नहीं है कि खिलाफत आंदोलन में मुस्लिम समाज का सहयोग करने की क्या कीमत हिंदुओं को चुकानी पड़ी थी। यह भी सबको याद है कि नागरिकता संशोधन कानून के विरोध में कट्टरपंथी तत्वों ने किस प्रकार का अराजक वातावरण बनाया था। जबकि नागरिकता संशोधन कानून का तो किसी भी प्रकार से मुसलमानों पर प्रभाव नहीं पड़ता था। समान नागरिक संहिता भी मुसलमानों के विरुद्ध नहीं हैं। यह समझना मुश्किल हो रहा है कि क्यों इस कानून का विरोध किया जा रहा है? केरल में मुस्लिम लीग ने एक तरह से हिंदुओं को भयाक्रांत करने का प्रयास किया है। इसको लेकर विश्व हिंदू परिषद ने उचित ही आपत्ति दर्ज कराई है। विहिप ने पूछा है कि मंदिरों में हिन्दुओं को फांसी देने की धमकी देने वाले क्या मोपलाओं के द्वारा किए गए नरसंहार को दोहराना चाहते हैं? इसका उत्तर उन सबको देना चाहिए जो मुस्लिम लीग को सेकुलर होने का प्रमाण पत्र दे रहे थे। यह भी ध्यान देने की बात है कि छोटी–छोटी बातों को आधार बनाकर हिंदू संगठनों की छवि खराब करने के सुनियोजित उद्देश्य से हमलावर रहनेवाले समूह इस्लामिक आक्रामकता पर सदैव चुप्पी साध लेते हैं। हिन्दुओं की धार्मिक यात्राओं पर, हमले किए जा रहे हैं, कांवड़ यात्राएं हों या रामनवमी की शोभा यात्रायें इन पर हमले किए गए हैं। प्रतिदिन देश में कहीं न कहीं से किसी न किसी जिहादी के द्वारा हिन्दू समाज के ऊपर हमले होते हुए दिखाई दे रहे हैं। लेकिन तथाकथित सेकुलर समूहों ने इन सब हिंसक/सांप्रदायिक गतिविधियों की निंदा नहीं की है। बहरहाल, इस प्रकार की घटनाएं समाज को इस सच से अवगत करा देती हैं कि वास्तव में कौन सामाजिक सद्भाव और सांप्रदायिक सौहार्द को लेकर ईमानदार है और कौन राजनीति/वैचारिक ढोंग करता है।

मुस्लिम संगठनों के समाज विरोधी बयानों पर कांग्रेस की यह चुप्पी क्या कहती है? मुस्लिम तुष्टिकरण के आरोप से बढ़कर कांग्रेस की जो हिंदू विरोधी छवि बनी है, उसके पीछे इसी प्रकार की चुप्पी और प्रोत्साहन है। जब विदेश की धरती से राहुल गांधी ने मुस्लिम लीग का बचाव किया और कहा कि मुस्लिम लीग में सांप्रदायिकता जैसा कुछ नहीं है तो देश की जनता हैरान रह गई थी। कोई कितने भी प्रयास कर ले मुस्लिम लीग को सर्वसमावेशी और सेकुलर पार्टी/विचार सिद्ध नहीं किया जा सकता। मुस्लिम लीग का इतिहास ही नहीं, वर्तमान भी उन सभी दावों को झुठला देता है। समान नागरिक संहिता के विरोध में निकाले गए जुलूस में मुस्लिम लीग ने नेताओं ने भड़काऊ नारेबाजी की। 'तुम्हें तुम्हारे ही मंदिरों में लटका देंगे, तुम्हें जिंदा जला देंगे', हिंदुओं के विरोध में इस तरह के नारे उस जुलूस में लगाए गए। किसी को हैरानी नहीं होगी कि कांग्रेस की मुहब्बत की दुकान में इस तरह के विचार/मंसूबे रखनेवाले राजनीतिक दल बने रहेंगे। टुकड़े–टुकड़े गैंग से लेकर हिंदुओं को उनके मंदिर में लटकाने का इरादा पालकर बैठे लोग/पार्टी आईएनडीआईए गठबंधन में शामिल हैं। भारत का हिंदू समाज कैसे इस बात पर भरोसा करे कि गठबंधन का नाम बदलकर रखने से उसमें शामिल राजनीतिक दलों की नीयत, नीति और विचार बदल जायेंगे।

कुछ अलग

दोषियों को मिले सजा

मणिपुर में सरकार के कुछ हालिया कदम गौर करने लायक हैं। दो महिलाओं की निर्वस्त्र परेड और उनके साथ गैंगरेप के चर्चित मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी गई है। यहां यह बात गौर करने लायक होगी कि इस जांच में क्या निकलता है और दोषियों को सजा होती है या नहीं। दरअसल, देश ने कई ऐसे मामले देखे हैं, जहां ऐसी जांच का कोई नतीजा ही नहीं निकला। वहीं, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल किए हलफनामे में कहा है कि राज्य में तमाम विक्टिम्स को साइकॉलजिकल, मेडिकल और लीगल सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। जिस तरह से यह मामला विडियो वायरल होने के बाद ही सबके संज्ञान में आया और राज्य सरकार की हर तरफ किरकिरी हुई, उसके मद्देनजर अब सभी पुलिस थानों के लिए यह अनिवार्य बना दिया गया है कि ऐसे जो भी मामले सामने आएं उनकी सूचना पुलिस महानिदेशक (DGP) को दी जाए। इसके अलावा केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से यह अनुरोध भी किया है कि इस मुकदमे को दूसरे राज्य में ट्रांसफर कर दिया जाए ताकि सही माहौल में इसकी सुनवाई सुनिश्चित की जा सके। सरकार का यह भी कहना है कि हालात पहले के मुकाबले काफी सुधरे हैं और 18 जुलाई के बाद से किसी हिंसक घटना में मौत की खबर नहीं है। हालांकि इन कदमों के मद्देनजर अब सरकार पर कुछ न करने का आरोप नहीं लगाया जा सकता, लेकिन उसके इन कदमों की अहमियत नापने की तीन बड़ी कसौटियां आज की तारीख में बनती हैं। पहली तो यह कि राज्य के हालात यहां से आगे किस तरह के रहते हैं। अगर वहां शांति कायम रहती है और गोलीबारी की जिन छिटपुट घटनाओं की रिपोर्ट आ रही है वे भी रुक जाती हैं, लोग धीरे-धीरे घरों में सामान्य जीवन बिताने लगते हैं तो इन कदमों की सार्थकता मानी जा सकती है। दूसरी बड़ी कसौटी सुप्रीम कोर्ट है। चूंकि वायरल विडियो सामने आते ही सुप्रीम कोर्ट ने इसका स्वतःसंज्ञान लेते हुए सरकार से तत्काल कार्रवाई को कहा और आरोपियों की गिरफ्तारी समेत अन्य तमाम कदम उसके बाद उठाए गए, इसलिए सही हो या गलत, पर यह आम धारणा बनी कि सरकार के इन कदमों के पीछे वास्तव में सुप्रीम कोर्ट का कड़ा रुख ही है। सरकार ने भी सुप्रीम कोर्ट को इन तमाम कदमों की जानकारी दे दी है। ऐसे में देखना होगा कि वह इनसे कितना आश्वस्त होता है। सरकार के इन कदमों की तीसरी सबसे बड़ी कसौटी सामान्य तौर पर देश की संसद ही होती क्योंकि संसद का मॉनसून सत्र अभी चल रहा है। लेकिन दुर्भाग्यवश सत्र के चलते हुए भी संसद एक तरह से ठप है। हालांकि अविश्वास प्रस्ताव स्वीकार हो जाने के बाद अब मणिपुर पर विस्तृत चर्चा भी तय हो चुकी है और प्रधानमंत्री का इस पर बयान आना भी निश्चित हो गया है। इसके बावजूद संसद में चर्चा के बजाय हंगामा, बॉयकॉट और स्थगन ही देखने को मिल रहा है, जिसे किसी भी रूप में सही ठहराना मुश्किल है।

चीन हिंद महासागर में अंतरराष्ट्रीय नियमों का लगातार उल्लंघन कर रहा है

आसमानी रक्षा में बड़ी भारत की वायु-शक्ति

प्रमोद भार्गव

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दो दिनी फ्रांस यात्रा सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। भारतीय नौसेना को उन्नत लड़ाकू विमानों 26 राफेल-एम (मैरी टाइम) और नौ सेना को तीन स्कार्पीन पनडुब्बी से सक्षम बनाने के नजरिए से खरीद के सौदे दोनों देशों की समीतियों ने तो तय कर लिए हैं,लेकिन खरीद की कीमत,तकनीक और व्यापारिक शर्तें अभी अंतिम रूप नहीं ले पाई हैं। इसलिए इस सौदे के पूर्ण होने में अभी वक्त लगेगा। हालांकि भारत की रक्षा क्रय परिषद विमानों और पनडुब्बियों की खरीद को मंजूरी दे चुकी है। दूसरी तरफ फ्रांसीसी एयर स्पेस कंपनी डसॉल्ट एविएशन ने रक्षा मंत्रालय की विज्ञप्ती में कहा है कि फ्रांसीसी सरकार के साथ अंतर सरकारी समझौते के तहत भारतीय नौसेना के लिए संबंधित सहायक उपकरण, हथियार, सिम्युलेटर, स्पेयर पाट्‌र्स, चालक दल प्रशिक्षण के साथ राफेल समुद्री क्षेत्र में दुश्मन की टोह लेने वाले विमानों की खरीद को मंजूरी दी है। भारत सरकार यह सौदा बड़ी सर्तकता और समझदारी से लेने के मूड में है,जिससे आमचुनाव में इसे विपक्ष को मुद्दा बनाकर उछालने की कोई गुंजाइश ही न रह जाए ।क्योंकि फ्रांस से 2016 में जिन 36 राफेल विमानों का सौदा हुआ था, उस पर कांग्रेस व अन्य विपक्षों दलों ने विवाद खड़ा करने की बहुत कोशिश की थी। अतएव भारत ने राफेल-एम विमान का पहले सफल परीक्षण किया। जब यह विमान भारतीय नौसेना के परिचालन संबंधी आवश्यकताओं पर पूरी तरह से खरा उतरा तब इसकी खरीद को मंजूरी दी गई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह यात्रा इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत और फ्रांस इस साल रणनीतिक साझेदारी की रजत जयंती मना रहे हैं। इस साझेदारी के चलते दोनों देशों के बीच ढाई दशक में रक्षा, विज्ञान, प्रौधोगिकी के साथ संस्कृति के क्षेत्र में भी सहयोग बढ़ा है। फ्रांस 2017 से 2021 के बीच भारत के लिए दूसरा सबसे बड़ा रक्षा संबंधी उपकरण आपूर्तिकर्ता देश रहा है। हालांकि भारत ने सबसे ज्यादा हथियार अमेरिका से खरीदे हैं ।सब कुल मिलाकर भारत आसमानी रक्षा क्षेत्र में अत्यंत शक्तिशाली देश बनता जा रहा है। यह समुद्री लड़ाकू विमान नौसेना की जरूरतों के हिसाब से ही विकसित किया गया है। इसमें वे सभी आधुनिकतम समुद्री प्रणालियां संलग्न हैं, जिनसे समुद्र में दुश्मन और उसके समुद्री जल में भीतर चलने वाले उपकरणों का सुराग लगाया जा सकता है। इससे युद्धपोतों के अलावा पनडुब्बियों का पता लगाने के लिए भी उच्च तकनीकि क्षमता के रडार भी लगे हुए हैं। इन विमानों को नौसेना के विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत पर तैनात किया जाएगा। यह विमान पुराने विमान मिग-29 का ठोस विकल्प साबित

होगा। ऐसे विमानों की तलाश में भारत लंबे समय से था। क्योंकि हिंद महासागर क्षेत्र में चीन नाजायज वर्चस्व बढ़ाने में लगा है। फ्रांस भी चीन की इस बढ़ती आक्रामकता से चिंतित था। क्योंकि चीन हिंद महासागर में अंतरराष्ट्रीय नियमों का लगातार उल्लंघन कर रहा है। जबकि फ्रांस की मंशा इस सागर को खुले और समावेशी क्षेत्र के रूप में सुरक्षित बनाए रखना है। एक तरह से इन विमानों का सौदा चीन की मनमानी के विरुद्ध भारत और फ्रांस की साझा रणनीति का हिस्सा भी बनेगा। हालांकि इन विमानों की पहली खेप आने में तीन साल का इंतजार करना होगा, क्योंकि एक साल तक तो तकनीकी और लागत संबंधी औपचारिकताएं ही पूरी होंगी। बावजूद विशेषज्ञों का कहना है कि राफेल की यह खरीद इसलिए उचित है, क्योंकि भारतीय वायुसेना राफेल के रख-रखाव से संबंधित अधोसंरचना तैयार कर चुकी है। यही नौसेना के काम आ जाएगी। इससे धन की बचत होगी। फ्रांस से कुल 26 राफेल-एम विमान खरीदे जाएंगे। इनकी प्रति विमान कीमत 5.5 अरब डॉलर अर्थात 45,000 करोड़ रुपए है। अभी कीमत को अंतिम रूप दिए जाने के लिए कीमत घटाने के और प्रयास किए जा रहे हैं ।ये विमान उसी डॉसल्ट कंपनी से खरीदे गए हैं, जिससे 2016 में 36 राफेल विमान खरीदे गए थे। यह खरीद विवादित रहते हुए लोकसभा में भी चर्चित रही थी। जबकि अब इन विमानों की आपूर्ति के बाद भारत की रक्षा शक्ति बढ़ी है। राफेल-एम के सौदे में यह भी तय है कि भारत पेरिस में अपने दूतावास में रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) का कार्यालय स्थापित करेगा। भारत और फ्रांस के बीच रक्षा क्षेत्र में बढ़ते सहयोग के दौरान यह काफी अहम्‌ उपलब्धि है। यही नहीं भारत और फ्रांस अन्य देशों के फायदे के लिए अत्याधुनिक रक्षा प्रौद्योगिकियों का सह-विकास और सह-उत्पादन करेगा। इसके लिए दोनों देश रक्षा औद्योगिक सहयोग पर एक रोडमैप अपनाने की दिश में भी काम कर रहे हैं। भारत सरकार पिछले चार साल से आईएनएस विक्रांत के लिए नए लड़ाकू विमान खरीदने की योजना पर विचार कर रही थी। दो साल पहले अमेरिकी बोइंग एफ-ए-18 सुपर हार्नेट और फ्रांसीसी राफेल-एम में से किसी एक को चुनने की प्रक्रिया पर काम शुरू हो गया था। भारतीय नौसेना ने 2022 में गोवा में दोनों विमानों के परीक्षण किए। इनकी खूबियों और खामियों को लेकर गंभीर अध्यन कर एक रिपोर्ट तैयार की। इस रिपोर्ट के बाद भारतीय रक्षा विषेशज्ञों ने राफेल-एम को आईएनएस विक्रांत की जरूरतों के अनुकूल पाया, जबकि बोइंग एफ-ए 18 को लेकर विषेशज्ञों के बीच एक राय नहीं बन पाई। इसलिए राफेल एम खरीदने का रास्ता खुल गया। यह विमान 15.27 मीटर लंबा और 10.80 मीटर चैड़ा है। इसकी ऊंचाई 5.34 मीटर है। इसका कुल वजन 10,600 किलोग्राम है। यह 1912 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ान भरेगा। 3700 किमी के व्यास में यह 50,000 फीट की ऊंचाई तक उड़ सकता है। चूंकि यह विमान पोत से उड़ान भरते हैं, इसलिए इनमें ऊंची और लंबी छलांग लगाने की क्षमता के लिए ताकतवर इंजन होना चाहिए। क्योंकि पोत पर विमान को छोटे मार्ग से उछाल मारकर उड़ान भरनी होती है। ये सब खूबियां इस विमान में हैं। याद रहे देश की रक्षा ताकत बढ़ाने की दृष्टि से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2016 में फ्रांस यात्रा के दौरान फ्रांसीसी कंपनी डसॉल्ट एविएशन से ही 36 राफेल जंगी जहाजों का सौदा किया था। यह सौदा अर्से से अधर में लटका था। इस सौदे को अंजाम तक पहुंचाने की पहल ने वायु सैनिकों को संजीवनी देकर उनका आत्मबल मजबूत करने का काम किया है। फ्रांस के तत्कालीन राष्ट्रपति फ्रांस्वा ओलांद और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सीधे हुई बातचीत के बाद यह सौदा अंतिम रुप ले पाया था। इस लिहाज से इस सौंदे के दो फायदे देखने में आए थे। एक ये युद्धक विमान जल्दी से जल्दी हमारी वायुसेना के जहाजी बेड़े में शामिल हो गए। दूसरे, इस खरीद में कहीं भी दलाली की कोई गुंजाइश नहीं रह गई थी, क्योंकि सौदे को दोनों राष्ट्र प्रमुखों ने सीधे संवाद के जरिए अंतिम रूप दिया था। जबकि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ.मनमोहन सिंह और रक्षा मंत्री एके एंटनी की साख ईमानदार जरूर थी, लेकिन ऐसी ईमानदारी का क्या मतलब, जो जरूरी रक्षा हथियारों को खरीदने की हिम्मत भी नहीं जुटा पाए? जबकि ईमानदारी तो व्यक्ति को साहसी बनाने का काम करती है। हालांकि रक्षा उपकरणों की खरीदी से अनेक किंतु-परंतु जुड़े होते हैं, सो इस खरीद से भी जुड़ गए थे, लेकिन कोई कमी सामने नहीं आई। भारतीय सेना के लिए लड़ाकू विमानों की खरीद इसलिए जरूरी थी, क्योंकि हमारे लड़ाकू बेड़े में शामिल ज्यादातर विमान पुराने होने के कारण जर्जर हालत में हैं। अनेक विमानों की उड़ान अवधि समाप्त हो जाने के बावजूद उनका इस्तेमाल किया जाता रहा है।

भारत की रक्षा क्रय परिषद विमानों और पनडुब्बियों की खरीद को मंजूरी दे चुकी है ।दूसरी तरफ फ्रांसीसी एयर स्पेस कंपनी डसॉल्ट एविएशन ने रक्षा मंत्रालय की विज्ञप्ती में कहा है कि फ्रांसीसी सरकार के साथ अंतर सरकारी समझौते के तहत भारतीय नौसेना के लिए संबंधित सहायक उपकरण, हथियार, सिम्युलेटर, स्पेयर पाट्‌र्स, चालक दल प्रशिक्षण के साथ राफेल समुद्री क्षेत्र में दुश्मन की टोह लेने वाले विमानों की खरीद को मंजूरी दी है। भारत सरकार यह सौदा बड़ी सर्तकता और समझदारी से लेने के मूड में है, जिससे आमचुनाव में इसे विपक्ष को मुद्दा बनाकर उछालने की कोई गुंजाइश ही न रह जाए ।क्योंकि फ्रांस से 2016 में जिन 36 राफेल विमानों का सौदा हुआ था, उस पर कांग्रेस व अन्य विपक्षों दलों ने विवाद खड़ा करने की बहुत कोशिश की थी।

मणिपुर के आईने में भारतीय राष्ट्रवाद और इतिहास का सबसे बड़ा संकट

लगभग तीन महीने से जातीय हिंसा में झुलस रहे मणिपुर में महिलाओं के साथ बर्बरता का एक वीडियो देख पूरा देश सन्न रह गया। जिन महिलाओं को निर्वस्त्र करके घुमाया गया, उनमें एक महिला फौजी की पत्नी है, जिसने कारगिल में युद्ध लड़ा था। मणिपुर के मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसी सैकड़ों घटनाएं हुई हैं। मणिपुर में जारी हिंसा में लगभग 155 लोग मारे जा चुके हैं। करीब 60,000 लोग बेघर हो गए हैं। 5000 से ज्यादा आगजनी की घटनाएं हुई हैं। राज्य भर में थाने लूटे गए हैं। हजारों की संख्या में हथियार और लाखों कारतूस संघर्षरत समुदायों के हाथ में पहुंच चुके हैं। अब इस आग की लपटें मिजोरम तक पहुंचने लगी हैं। इतने संवेदनशील हालात के बाद भी केंद्र और राज्य सरकारों का रवैए पर कई लोग सवाल उठा रहे हैं। जब वह भयावह वीडियो वायरल हुआ तो प्रधानमंत्री ने चुप्पी तोड़ी, लेकिन इसके बाद मणिपुर के मुद्दे को सभी राज्यों में महिलाओं के खिलाफ अपराध से ढंकने की कोशिशें शुरू हो गईं। दुर्भाग्य से ऐसा प्रतीत हो रहा है कि मणिपुर में अब कोई "बीच का रास्ता" रह ही नहीं गया है। विभिन्न समुदाय अपने रुख को ज्यादा से ज्यादा कट्टर बनाते जा रहे हैं। नागरिक समाज का विलोप हो चुका है और दो संघर्षरत समुदायों के बीच बातचीत-समझौते के लिए अनिवार्य नैतिक प्रतिष्ठा राजनीतिक दल खो चुके हैं। इस बीच राहुल गांधी का मणिपुर दौरा काफी अहम था। उनके दौरे को पीड़ित समुदायों के घावों पर मलहम लगाने के प्रयास के तौर पर देखा जा सकता है। भारत एक महादेश है। यह अपने अंदर पूर्वोत्तर से लेकर सुदूर दक्षिण तक भौगोलिक, भाषाई, सांस्कृतिक और राजनीतिक स्तर पर स्थानीय अस्मिता की भावनाएं समेटे है। ये भावनाएं किसी समुदाय की पहचान, बोली, भाषा, धार्मिकता या संस्कृति से जुड़ी हो सकती हैं। इनकी अभिव्यक्ति अपने-अपने तरीके से होती है। कभी संगठन बनाकर, कभी अलग झंडों के जरिये या कभी सत्ता और संपत्तियों में सुरक्षित, उचित भागीदारी पाकर। ये अस्मिताएं मिलकर अखिल भारतीय अस्मिता के साथ जुड़ती हैं। इन्हीं पहचानों, इन्हीं अभिव्यक्तिओं से या कहें कि इन्हीं तमाम स्थानीय उप-राष्ट्रीयताओं से मिलकर अखिल भारतीय राष्ट्रीयता बनती है। भारत राष्ट्र का काम है इन सभी स्थानीय राष्ट्रीयताओं को भारतीय राष्ट्रवाद की बड़ी छतरी के नीचे लाना और उन्हें यह भरोसा देना कि हम सब मिलकर एक हैं। यह एक नाजुक काम है। इसमें दूरंदेशी, उदारता, गहरी समझ और बड़े भविष्य का खाका बनाने की क्षमता होनी चाहिए। यह चलताऊ तौर से नहीं किया जा सकता। इसे चुनावी लाभ या आर्थिक लाभ मात्र के दृष्टिकोण से किया जाना घातक हो सकता है। यहां समझने की जरूरत है कि राजनीतिक विचारधाराएं विभिन्न भारतीय अस्मिताओं को किस नजरिए से देखती हैं। हजारों वर्षों की सघन सामाजिक प्रक्रिया में पैदा हुई इन भारतीय अस्मिताओं को यदि चुनावी फायदे के लिए एक जरिया, एक औजार, 'टूल' मानकर राजनीतिक दल या सरकारें चलेंगी तो परिणाम मणिपुर जैसे ही आएंगे। चुनावी लाभ और सत्ता के लिए भाजपा-आरएसएस ने हमेशा से भारतीय राष्ट्रवाद के महासागर को एक संकीर्ण रूप में दिखाने की कोशिश की है। सत्य यह है कि महान विविधताओं से भरे हमारे भारत देश, जहां संस्कृति, परंपरा और विभिन्न एथनिक समुदाय आपस में, एक दूसरे में गड्डमड्ड हैं, को आरएसएस के 'हिंदू-गैर हिंदू' नजरिए से देखने का परिणाम यही होगा कि अन्य अस्मिताएं ऐसे ही सरलीकृत ढंग से इसे आजमाने लगेंगी। जाहिराना भाजपा देश के अंदर मौजूद स्थानीय अस्मिताओं और उप राष्ट्रीयताओं को सुरक्षा और अपनेपन का भाव देने में असफल हो गई और इसका भारतीय समाज के हर एक समुदाय पर दूरगामी असर पड़ा है। सबसे बड़ी बात भाजपानीत केंद्र सरकार की इस बदली हुई भूमिका, संकीर्ण और आक्रामक राष्ट्रवाद के चलते तमाम छोटी-छोटी एथनिक, सांस्कृतिक, धार्मिक अस्मिताएं मजबूर होकर अपनी-अपनी पहचानों को लेकर और कट्टर हो गईं और किसी अनहोनी के लिए अपने को तैयार करने लगीं। मणिपुर का मौजूदा हाल बताता है कि चुनावी स्वार्थ वश किसी भी वर्ग/धर्म/कौम विशेष के खिलाफ चलाया गया कोई भी राजनीतिक अभियान अंत में भस्मासुर ही बनता है, क्योंकि धीरे-धीरे यह संकीर्ण नजरिया ही आपकी सोच बन जाता है। पिछले कुछ सालों से भारत के संघीय ढांचे पर लगातार हमला हो रहा है। धर्म, भाषा और संस्कृति के आधार पर राज्य प्रायोजित विभाजन और हमले किए जा रहे हैं। मणिपुर, भारत के संघीय ढांचे पर हो रहे हमले का पहला पीड़ित है। गौरतलब है कि पूर्वी भारत में ही वंदे मातरम और जन गण मन की रचना हुई। पूर्वी भारत से नवजागरण की शुरुआत हुई। पूर्वी भारत ही हमारे राष्ट्रीय आंदोलन का प्रमुख केंद्र बना। जिस पूर्वी भारत से भारतीय राष्ट्रवाद का उदय हुआ था, आज उसी पूर्वी भारत में उसे चुनौती मिल रही है। भारतीय राष्ट्रवाद आज वाकई इतिहास के सबसे बड़े संकट का सामना कर रहा है।

हजारों की संख्या में हथियार और लाखों कारतूस संघर्षरत समुदायों के हाथ में पहुंच चुके हैं। अब इस आग की लपटें मिजोरम तक पहुंचने लगी हैं। इतने संवेदनशील हालात के बाद भी केंद्र और राज्य सरकारों का रवैए पर कई लोग सवाल उठा रहे हैं। जब वह भयावह वीडियो वायरल हुआ तो प्रधानमंत्री ने चुप्पी तोड़ी, लेकिन इसके बाद मणिपुर के मुद्दे को सभी राज्यों में महिलाओं के खिलाफ अपराध से ढंकने की कोशिशें शुरू हो गईं। दुर्भाग्य से ऐसा प्रतीत हो रहा है कि मणिपुर में अब कोई "बीच का रास्ता" रह ही नहीं गया है। विभिन्न समुदाय अपने रुख को ज्यादा से ज्यादा कट्टर बनाते जा रहे हैं। नागरिक समाज का विलोप हो चुका है और दो संघर्षरत समुदायों के बीच बातचीत–समझौते के लिए अनिवार्य नैतिक प्रतिष्ठा राजनीतिक दल खो चुके हैं।

नागरिक बोध

'इंडिया बनाम भारत': लड़ाई लादी हुई और अंतनिर्हित पहचान की

जैसा कि लग रहा था इंडिया बनाम भारत की बहस असली मुद्दों पर से जनता का ध्यान हटाने में लग गई है। कांग्रेस और उसके गठबंधन में शामिल सभी दलों को लग रहा है कि 'इंडिया' नामकरण के साथ ही उन्होंने चुनावी मैराथन का पहला पड़ाव जीत लिया है क्योंकि भाजपा के पास 'इंडिया' का विरोध करने के दो ही तरीके हैं, या तो उसे बदनाम करें या फिर खुद को इंडिया से अलग कर लें। भाजपा के लिए दूसरा विकल्प इसलिए संभव नहीं है, क्योंकि कल तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इंडिया शब्द प्यारा था। मसलन 'मेक इन इंडिया, स्टार्ट अप इंडिया, इंडिया फर्स्ट वगैरह'। इनमें भारत कहीं नहीं था, क्योंकि भारत शब्द में वो कुलीन भाव नहीं आता, जो 'इंडिया' में आता है। लेकिन यह 'इंडिया' भी तो 'भारत' में से ही बनना है। इसलिए विपक्ष ने शाब्दिक फुटबॉल में यही शब्द अपने पाले में डाल लिया है। अब दोनो ही इसकी अपने-अपने ढंग से व्याख्या करने और एक दूसरे की व्याख्या को फिजूल ठहराने में लगे हैं। 'इंडिया' के बहाने अगले लोकसभा चुनाव में अपनी राजनीतिक अस्मिता बचाने को लेकर जारी इस बहस में उस भारत की न्यूनतम रूचि है, जो आज भी सही मायनों में 'अच्छे दिनो' की आस में जी रहा है। इस हजारों साल पुराने देश के नामकरण को लेकर एक द्वंद्व हमेशा से रहा है। यह द्वंद्व अपने प्राचीन नाम भारत को धारण किए रखने अथवा न रखने तथा 'इंडिया' जैसा नाम विदेशियों द्वारा दिए गए, लेकिन अब दुनिया भर में प्रचलित हो चुके नाम को ही अपनी पहचान मान लेने का है। समूचा देश इस अंतर्द्वंद्व में 75 सालों से जी रहा है। इसकी सहज व्याख्या यह है कि जब ये देश 'यस सर' कहता है तो इंडिया होता है और 'जब वो बड़ों के पैर छू रहा होता है तो 'भारत' होता है। या यूं कहे कि 'इंडिया' के आवरण में एक 'भारत' सदियों से जी रहा है। यही सवाल हमारे पूर्वज संविधान निर्माताओं के सामने भी रहा होगा। इसलिए भारतीय संविधान के अनुच्छेद 1 की धारा 1 में ही स्पष्ट तौर पर लिखा है कि 'भारत अर्थात इंडिया राज्यों का संघ होगा (मूल अंग्रेजी में इंडिया दैट इज भारत शैल बी अ यूनियन ऑफ स्टेट्स)। इसका अर्थ यह है कि संविधान निर्माताओं में भी इस बात पर एकमत नहीं था कि इस देश को 'इंडिया' कहा जाए या फिर 'भारत।' लिहाजा बीच का रास्ता निकाला गया कि इस प्राचीन देश के दोनों ही नाम आधिकारिक रूप से स्वीकार किए जाएं यानी प्राचीनतम नाम भारत और अर्वाचीन नाम 'इंडिया।' लेकिन इसी से एक ही देश में 'दो देश' होने को अवधारणात्मक स्वीकृति मिली कि एक है- इंडिया और जिसकी अपनी सोच, दृष्टि और आग्रह है तथा दूसरा है- भारत जिसकी अपनी कल्पना, इतिहास बोध अंतर्विरोध और समस्याएं हैं। वैसे भारत का आजादी के बाद तीसरा और आधिकारिक नाम 'भारत का गणराज्य' यानी(रिपब्लिक आफ इंडिया) है। इस प्राचीन देश के यूं तो कई नाम हैं, लेकिन भारत सर्वाधिक स्वीकार्य है लेकिन भारत में आने वाले विदेशियों तथा बाहरी हमलावरों के समय समय पर भारत को अलग अलग नाम दिए, जिसमें भारत की सांस्कृतिक पहचान से ज्यादा उसकी भौगोलिक पहचान को तवज्जो दी गई। वैदिक काल में भारत आर्यावर्त था, जो पुराण काल तक आते-आते भारत अथवा भारत वर्ष हो गया। इसलिए विश्व के सबसे पुराने महाकाव्यों में से एक 'महाभारत' का नाम भी भारत में होने वाला महा धर्मयुद्ध बनाकर रखा गया। इसके लिए कई जगह जम्बूद्वीप नाम का भी उल्लेख मिलता है। हिंदू धार्मिक कर्मकांड में इसी शब्द का प्रयोग होता है लेकिन इससे हटकर ज्ञात इतिहास को देखें तो जब भारत का संपर्क अन्य सभ्यताओं और संस्कृतियों से होता है तो वो भारत को अलग- अलग नामों से पुकारने लगते हैं। ज्यादातर ने भारत की पहचान पश्चिम एशिया से बाकी देश को अलग करने वाली सिंधु नदी को ध्यान में रखकर की है।

देश दुनीया से

पाकिस्तान में चुनावों पर टिकीं उम्मीदें, अस्थिरता खत्म करने का यही बचा है

पाकिस्तान में लोकतंत्र को बनाए रखने की दिशा में उम्मीद की किरण साफ दिखने लगी है। दरअसल, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने स्पष्ट एलान किया है कि पाकिस्तान में नवंबर में आम चुनाव होंगे। अगर ऐसा होता है, तो इससे न सिर्फ वहां लोकतंत्र की रक्षा हो सकेगी, बल्कि वहां चल रहे कई संघर्षों का भी अंत हो सकेगा, जिसमें एक तरफ सर्वोच्च न्यायालय और शरीफ सरकार, तो दूसरी तरफ राष्ट्रपति और सरकार के बीच सीधा टकराव शामिल है। गौरतलब है कि वर्तमान संसद का कार्यकाल आगामी 12 अगस्त को समाप्त हो रहा है। संसदीय चुनावों की तारीख जल्द ही पाकिस्तान चुनाव आयोग द्वारा घोषित की जाएगी। राष्ट्रपति आरिफ अल्वी द्वारा एक कार्यवाहक सरकार नियुक्त की जाएगी, जो चुनाव कराने के लिए जिम्मेदार होगी। हालांकि इन चुनावों के 'स्वतंत्र और निष्पक्ष' होने में संदेह है, क्योंकि इन पर सेना और बाहरी ताकतों का असर होना निश्चित है। विशेषज्ञों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) द्वारा पाकिस्तान को एक अरब डॉलर का ऋण स्वीकृत करने का फैसला व्यापक उथल-पुथल वाले इस देश को आर्थिक आपदा से बाहर निकाल सकता है। अगर यह कर्ज न मिलता, तो भारी वित्तीय संकट के बीच चुनाव के बारे में सोचना नामुमकिन होता। इससे पहले शर्तों का पालन करने में इस्लामाबाद की असमर्थता की वजह से आईएमएफ ने बेलआउट पैकेज रोक दिया था। गौरतलब है कि यह 2019 में पाकिस्तान को मिले छह अरब डॉलर (5.34 अरब यूरो) के विशाल बेलआउट पैकेज का हिस्सा है, जिसके साथ आईएमएफ की काफी जटिल शर्तें जुड़ी हुई हैं। स्थापित मानदंडों और पाकिस्तान के घरेलू मामलों में सेना के प्रभुत्व की दशकों पुरानी प्रथा के मुताबिक ही प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ संसदीय चुनाव जीतने के लिए सेना प्रमुख असीम मुनीर पर निर्भर रहेंगे। इससे पहले भी ऐसा देखा गया था, जब पूर्व सैन्य प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा ने 2018 में अपने पसंदीदा इमरान खान को पाकिस्तान के 22वें प्रधानमंत्री के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। लेकिन बाद में उनका अलग होना ही इमरान खान के पतन की वजह बना। हालांकि फिलहाल युद्ध की रेखाएं खींच दी गई हैं और इमरान खान को सत्ता से बाहर रखने की पटकथा भी स्पष्ट है। नौ मई को पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के समर्थकों द्वारा सेना मुख्यालय पर किए गए हमले के आरोप के बाद उनसे छुटकारा पाने में कोई मुश्किल नहीं आने वाली है। इसे शक्तिशाली पाकिस्तानी सेना के इतिहास में काला दिन बताया गया था। किसी अन्य मामले के आधार पर भी इमरान को अयोग्य ठहराया जा सकता है और इसमें चुनाव आयोग की बड़ी भूमिका होगी। दूसरी ओर, इससे जनरल मुनीर आहत-अपमानित महसूस कर रहे हैं, क्योंकि पाकिस्तान के गठन के बाद से किसी भी राजनेता ने सेना पर हमला करने की हिम्मत नहीं की है। सेना को अपना वर्चस्व फिर से स्थापित करने के लिए एक और 'कठपुतली' सरकार की जरूरत है और इमरान की लोकप्रियता इसमें आड़े आ सकती है। वर्तमान प्रधानमंत्री के बड़े भाई और तीन बार प्रधानमंत्री, मुस्लिम लीग (एन) के नेता नवाज शरीफ का पाकिस्तान के भावी राजनीतिक खेल का हिस्सा बनने के लिए लंदन से लौटना तय है। शरीफ बंधुओं द्वारा इमरान खान की पार्टी के खिलाफ भारत विरोधी कार्ड खेलने की भी आशंका है।

राष्ट्रपति आरिफ अल्वी द्वारा एक कार्यवाहक सरकार नियुक्त की जाएगी, जो चुनाव कराने के लिए जिम्मेदार होगी। हालांकि इन चुनावों के 'स्वतंत्र और निष्पक्ष' होने में संदेह है, क्योंकि इन पर सेना और बाहरी ताकतों का असर होना निश्चित है। विशेषज्ञों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) द्वारा पाकिस्तान को एक अरब डॉलर का ऋण स्वीकृत करने का फैसला व्यापक उथल-पुथल वाले इस देश को आर्थिक आपदा से बाहर निकाल सकता है। अगर यह कर्ज न मिलता, तो भारी वित्तीय संकट के बीच चुनाव के बारे में सोचना नामुमकिन होता। इससे पहले शर्तों का पालन करने में इस्लामाबाद की असमर्थता की वजह से आईएमएफ ने बेलआउट पैकेज रोक दिया था।

अमेरिकी सेना के नेटवर्क में चीन का वायरस: अधिकारी बोला- ये टाइम बम जैसा; जंग के वक्त सेना के ऑपरेशन को ठप कर देगा

वॉशिंगटन।
बाइडेन सरकार अमेरिकी सेना के नेटवर्क में चीन के एक वायरस को ढूंढ रही है। सरकार को डर है कि चीन ने अमेरिका की सेना के पावर ग्रिड, कम्युनिकेशन सिस्टम और वाटर सप्लाई नेटवर्क में एक कम्प्यूटर कोड (वायरस) फिट कर दिया है। जो जंग के दौरान उनके ऑपरेशन को ठप कर सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक बाइडेन सरकार को डर है कि चीन का ये कोड न सिर्फ अमेरिका, बल्कि दुनियाभर में मौजूद उनके मिलिट्री बेस के नेटवर्क में हो सकता है। अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि मिलिट्री के नेटवर्क में चीन का कोड होना किसी टाइम बम के जैसा है। उनका कहना है कि इससे न सिर्फ सेना के ऑपरेशन पर असर पड़ेगा, बल्कि उन घरों और व्यापार पर भी होगा जो सेना के इन्फ्रास्ट्रक्चर से जुड़े हैं।

व्हाइट हाउस में बैठकों का दौर

बताया है कि जब से अमेरिकी मिलिट्री नेटवर्क में चीन के वायरस का पता चला है। तब से ही व्हाइट हाउस के सिचुएशन रूम में बैठकों का दौर जारी है। सेना के सीनियर अधिकारी, इंटेलिजेंस चीफ और नेशनल सिक्योरिटी ऑफिशियल्स इन बैठकों में शामिल हो रहे हैं। व्हाइट हाउस ने एक बयान जारी किया था। हालांकि, उसमें चीन का जिक्र नहीं था। नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के प्रवक्ता एडम होज ने कहा था- सरकार बिना रुके अमेरिका के अहम इन्फ्रास्ट्रक्चर रेल, वॉटर सिस्टम, एविएशन को बचाने के लिए पूरी कोशिश कर रही है।

भारत भी चीन के निशाने पर

चीन पर साइबर अटैक करने के आरोप पहली बार नहीं लगा है। भारत में हुए साइबर अटैक को लेकर कई मौकों पर चीन पर सवाल खड़े हुए हैं। 2015 में रायसभा में एक सवाल के जवाब में सूचना और प्रसारण मंत्री ने बताया था कि जिन देशों से भारत की साइबर सिक्योरिटी को खतरा है उनमें चीन पहले नंबर पर है। साइबर खतरों पर काम करने वाली एजेंसी साइफिरमा ने 24 जून 2020 की एक रिपोर्ट बताया था कि पिछले कई दिनों से भारत की साइबर सुरक्षा पर खतरा बढ़ है। चीन के हैकर ग्रुप्स भारत के बड़े संस्थानों को टारगेट कर रहे हैं।

एक रिपोर्ट में बताया गया गया है कि चीनी हैकर ग्रुप ने भारत की कोरोना वैक्सीन बनाने वाली दोनों कंपनियों सीरम इंस्टिट्यूट और भारत बायोटेक पर साइबर हमला किया था।

एक अमेरिकी कंपनी के हवाले से बताया कि कनाडा, भारत, दक्षिण कोरिया, ताइवान, अमेरिका और वियतनाम जैसे देश चीनी साइबर हमले के निशाने पर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

पोलैंड की तरफ बढ़ रहे वैगनर आर्मी के 100 लड़ाकेः प्रधानमंत्री बोले- हालात खतरनाक हो रहे, हमें हाइब्रिड अटैक का डर

वॉरसॉ। रूस में तख्तापलट की कोशिश कर चुके वैगनर आर्मी के लड़ाके अब पोलैंड के बॉर्डर की तरफ बढ़ रहे हैं। पोलैंड के प्रधानमंत्री माटुस्ज मोराविकी ने इसकी जानकारी दी है। उन्होंने बताया है कि बेलारूस में मौजूद रूस की प्राइवेट आर्मी के 100 लड़ाके पोलैंड के बॉर्डर के करीब पहुंच चुके हैं। गैर कानूनी तरीके से पोलैंड का बॉर्डर काफी समय वहां की सरकार के लिए चिंता का सबब बना हुआ था। ऐसे में वैगनर लड़ाकों ने पोलैंड की चिंता को और बढ़ा दिया है। पोलैंड के प्रधानमंत्री ने कहा है कि अब स्थित खतरनाक होती जा रही है। पोलैंड की सरकार ने आरोप लगाया है कि रूस और बेलारूस प्रवासियों का इस्तेमाल कर पोलैंड और युरोप के दूसरे देशों को अस्थिर करने की कोशिश कर रहे हैं। इससे बचने के लिए पोलैंड ने बेलारूस के बॉर्डर पर एक लंबी दीवार तक बना ली है। हालांकि, प्रधानमंत्री का कहना है कि अब स्थिति और खतरनाक होती जा रही है। प्रधानमंत्री मोराविकी ने कहा है कि अब उन्हें हाइब्रिड अटैक का डर लग रहा है। मोराविकी ने ये बातें पोलैंड की उस जगह से कही हैं, जहां यूक्रेन के लिए लेपर्ड की मरम्मत की जा रही है। जमीन के नीचे रहस्यमयी विस्फोट, अनाम साइबर हमले और देश के लोकतंत्र को बदनाम करने के लिए चलाए जाने वाले दबे-छिपे ऑनलाइन कैंपेन ये सब- हाइब्रिड खतरों के हिस्से हैं। रिपोर्ट के मुताबिक किसी देश के अहम इन्फ्रास्ट्रक्चर पर हमला करना हाइब्रिड अटैक है। इसमें सरकार चुनने के लिए किसी देश में होने वाले चुनाव में भी दखलंदाजी की जाती है। वैगनर आर्मी की बगावत के बाद 23 जुलाई को पुतिन और बेलारूस के राष्ट्रपति एलेक्जेंडर लुकाशेंको की पहली मुलाकात हुई थी। एक टेलीग्राम चैनल के हवाले से बताया था कि इस मीटिंग के दौरान लुकाशेंको ने पुतिन को बताया कि बेलारूस वैगनर आर्मी के लड़ाकों से परेशान हो गया है। वो पश्चिमी देशों की ओर जाना चाहते हैं। लुकाशेंको ने बताया कि प्राइवेट आर्मी के लड़ाके कहते हैं- चलो वारसा और रेजसोव की तरफ घूम कर आते हैं।

ड्राइवर को झपकी आने से हादसे का शिकार हुई बस, महिला, दो बचों समेत पांच की मौत

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में एक सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत की खबर है। मरने वालों में एक महिला और दो बचे शामिल हैं। पुलिस का कहना है कि ड्राइवर को झपकी आने के चलते वह बस से अपना नियंत्रण खो बैठा और बस हादसे का शिकार हो गई। हादसे में 20 लोग घायल हुए हैं, जिनका विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, घटना पंजाब के राजनपुर जिले के फाजिलपुर इलाके में हुई। श्रद्धालुओं से भरी एक बस सखी सरवर इलाके से वापस जैकबाबाद लौट रही थी। इसी दौरान ड्राइवर को नींद की झपकी आ गई और वह बस से अपना नियंत्रण खो बैठा, जिससे बस हादसे का शिकार हो गई। हादसे की सूचना पाते ही बचाव दल मौके पर पहुंचा और घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने बताया कि हादसे में महिला और दो बचों समेत कुल पांच लोगों की मौत हो गई। घायलों को राजनपुर और फाजिलपुर के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान में हाल ही में बाबुसर टॉप इलाके में पर्यटकों से भरी एक बस गहरी खाई में गिर गई थी।

फिट रहने के लिए जिमिंग जरूरी नहीं, घरेलू काम करेंः रोज इतने काम करें कि सांसें फूलने लगे, इससे कैंसर का खतरा 20प्रतिशत कम होगा

लंदन। बाजार में खरीदारी करने गए और भारी बैग उठाना पड़ा। तेज गति से सीढ़ियां चढ़े तथा कपड़े धोने जैसे काम से अकसर हमारी सांस फूल जाती हैं। अगर ऐसा है, तो ये आपके लिए अछी बात हो सकती है। एक स्टडी में पाया गया है कि ऐसी गतिविधियां कैंसर के जोखिम को कम करने में कारगार हो सकती हैं। द कन्वर्सेशन जर्नल में प्रकाशित स्टडी में दावा किया गया है कि रोजाना चार से पांच मिनट तक की गई इन गतिविधियों से 20प्रतिशत से 21प्रतिशत तक कैंसर के खतरे को कम किया जा सकता है। स्टडी में पाया गया कि प्रत्येक दिन कम से कम साढ़े तीन मिनट तक शरीर पर जोर लगने वाले काम करने से कैंसर का जोखिम 17-18प्रतिशत तक कम हुआ। फेफड़े और स्तन कैंसर के मामलों में तो खतरा 30प्रतिशत से 32प्रतिशत तक कम होने का अनुमान है। 22 हजार लोगों पर स्टडी हुई यह स्टडी 22,000 लोगों पर की गई। इसके लिए शोधकर्ताओं ने ब्रिटेन के हेल्थ डेटाबेस से डेटा का विश्लेषण किया। इसमें 2 हजार से ज्यादा ऐसे लोगों को शामिल किया गया, जिन्हें पहले कभी कैंसर नहीं हुआ था और न ही वे किसी शारीरिक गतिविधि में शामिल थे।

9 मई की हिंसा के मास्टरमाइंड इमरान थे

पीएम शाहबाज बोले- मिलिट्री में बगावत कराना चाहते थे खान, ये पाकिस्तान का इतिहास का काला दिन

इस्लामाबाद।
पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने कहा है कि 9 मई को मुल्क में जो हिंसा हुई थी, उसकी साजिश इमरान खान ने रची थी। इस हिंसा में 12 लोग मारे गए थे और सिर्फ फौज के ठिकानों को निशाना बनाया गया था। शरीफ के मुताबिक- 9 मई को इमरान खान को करप्शन और घूस के मामले में गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद खान के कहने पर उनके समर्थकों ने मिलिट्री हेडक्वॉर्टर समेत शहीदों स्मारकों को निशाना बनाया था। इस मामले में 1500 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। कई लोगों के केस मिलिट्री कोर्ट में चलाए जा रहे हैं। इमरान की पार्टी इसका विरोध कर रही है।

इमरान के अलावा कोई मास्टरमाइंड नहीं - शाहबाज ने 9 मई की हिंसा से जुड़े कई सवालों के जवाब दिए। कहा- वो मिलिट्री लीडरशिप को बदलना चाहते थे। उनका मकसद फौज में बगावत कराना था। इमरान पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के चीफ हैं। इसके बावजूद उनका रवैया मेरी समझ से परे है। जांच काफी हद तक पूरी हो चुकी है। इसमें कुछ फौजी और उनके परिवार भी शामिल थे। ये पाकिस्तान का इतिहास का काला दिन था। शरीफ ने आगे कहा- अब इसमें कोई दो राय नहीं कि 9 मई की हिंसा का सिर्फ एक ही मकसद था। ये लोग हमारी मिलिट्री लीडरशिप को बदलना चाहते थे। इनका मकसद मुल्क को आग में झोंकना और फौज में बगावत कराना था। हमारी फौज ने इस साजिश को नाकाम कर दिया। अब इसके जिम्मेदारों को कतई बख्शा नहीं जाएगा।

फौज अपने अफसरों की जांच कर रही है - कुछ दिनों पहले पाकिस्तानी फौज के प्रवक्ता मेजर जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने एक बयान में कहा था- मिलिट्री अपने लेवल पर दो डिपार्टमेंटल इनक्वॉयरी कर रही है। इसकी अगुआई मेजर जनरल रैंक के अफसर कर रहे हैं। चौधरी के मुताबिक- 15 अफसरों के खिलाफ जांच चल रही है। इनमें तीन मेजर जनरल और सात ब्रिगेडियर्स भी शामिल हैं। इसके अलावा भी जो लोग कसूरवार पाए जाएंगे, उनके खिलाफ सख्त एक्शन होगा। कुछ महिलाएं और कुछ रिटायर्ड अफसर भी इस हिंसा में शामिल थे। इनकी पहचान हो चुकी है और जल्द ही इनके खिलाफ भी कार्रवाई शुरू की जाएगी।

विदेशी साजिश के सबूत मौजूद - शाहबाज शरीफ सरकार में मंत्री मियां जावेद लतीफ ने पिछले महीने कहा था- 9 मई को इमरान की गिरफ्तारी के बाद जो हिंसा हुई थी, उसमें विदेशी ताकतें भी शामिल थीं। हमारी जांच एजेंसियों को इसके सबूत मिल चुके हैं। अब यह सामने आ चुका है कि हिंसा भड़काने और फौजी ठिकानों पर हमलों के पीछे विदेशी हाथ भी था। अब हर एंगल से जांच की जा रही है। लतीफ ने आगे कहा- इमरान खान की पार्टी एक साल से कुछ लोगों को हिंसा फैलाने के तरीके सिखा रही थी। उन्हें ये बताया गया था कि फौज के ठिकानों पर हमले कैसे करना हैं। एक सवाल के जवाब में लतीफ ने कहा- होम मिनिस्टर राणा सनाउल्लाह साफ कर चुके हैं कि इमरान खान पर टेरेरिम और एंटी मिलिट्री एक्ट के तहत नया केस दर्ज किया जाएगा और फिर यह केस फौजी अदालत में ही चलेगा। इसमें कोई दो राय नहीं कि अपने समर्थकों को फंसाकर खान बचना चाहते हैं।

अल कादिर ट्रस्ट स्कैम में गिरफ्तार हुए थे इमरान - इमरान खान को 9 मई को 60 अरब रुपए के अल कादिर ट्रस्ट स्कैम में गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद मुल्क में फौज के कई अहम ठिकानों पर हमले हुए थे। गिरफ्तारी के खिलाफ खान की पार्टी ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी। इसके बाद इमरान को इस मामले में जमानत मिल गई थी। सरकार के मुताबिक खान जब प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने लैंड माफिया मलिक रियाज को मनी लॉन्ड्रिंग केस में फंसाया। लंदन में उसके 40 अरब जब्त कराए। बाद में ये पैसा ब्रिटेन सरकार ने पाकिस्तान को सौंप दिया। इमरान ने यह जानकारी कैबिनेट को भी नहीं दी। आरोप है कि यह पैसा एक सीक्रेट अकाउंट के जरिए इमरान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के खाते में ट्रांसफर कराई गई। इसके बाद इमरान ने अल कादिर ट्रस्ट बनाया। इसने मजहबी तालीम देने के लिए अल कादिर यूनिवर्सिटी बनाई। इसके लिए अरबों रुपए की जमीन मलिक रियाज ने दी। बुशरा बीबी को डायमंड रिंग भी गिफ्ट की। बदले में रियाज के तमाम केस खत्म कर दिए गए। उसे करोड़ों रुपए के सरकारी ठेके भी मिले। होम मिनिस्टर राणा सनाउल्लाह ने कहा- 50 अरब रुपए की चपत सरकारी खजाने को लगी। 13 महीने में एक बार भी इमरान या बुशरा पूछताछ के लिए नहीं आए। 4 साल बाद भी इस यूनिवर्सिटी में 32 स्टूडेंट्स ही हैं।

समर्थकों ने हिंसा नहीं की - दूसरी तरफ, इमरान कई बार कह चुके हैं कि उनका या उनके समर्थकों का 9 मई की हिंसा में कोई हाथ था। खान ने कहा था- तमाम तरह के आरोप लगाए जा रहे हैं।

नॉर्थ कोरिया के रॉकेट इस्तेमाल कर रहा यूक्रेन

रूसी सैनिकों से छीने हथियार, अमेरिका ने कहा था- पुतिन को वेपेन सप्लाई कर रहा किम जोंग

कीव/मॉस्को।
यूक्रेन के सैनिक जंग में नॉर्थ कोरिया के रॉकेट्स का इस्तेमाल करते नजर आए हैं। यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय ने बताया है कि ये रॉकेट उन्होंने रूसी सैनिकों से अपने कब्जे में लिए हैं। यूक्रेन के बाखमुत शहर के पास सेना नॉर्थ कोरियाई हथियारों का इस्तेमाल करती नजर आई है।

अमेरिका लगातार तानाशाह किम पर रूस को समुद्र के रास्ते हथियार सप्लाई करने का आरोप लगाता रहा है। दोनों देशों ने लगातार अमेरिका के दावों को खारिज किया है। हालांकि, तानाशाह किम ने लगातार यूक्रेन पर रूस के हमलों को जायज ठहराया है। 27 जुलाई को नॉर्थ कोरिया की विक्ट्री डे परेड में रूसी रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु बतौर चीफ गेस्ट शामिल हुए थे। तब उन्होंने नॉर्थ कोरिया की डिफेंस ऐग्जीबिशन में बैलिस्टिक मिसाइलें भी देखी थीं।

पुतिन बोले- अफ्रीका और चीन के पीस प्लान पर बातचीत संभव

वहीं, रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने कहा है कि वो यूक्रेन मामले में शांति वार्ता से इनकार नहीं कर रहे हैं। सेंट पीटर्सबर्ग में अफ्रीकी लीडर्स से बातचीत के बाद पुतिन ने कहा- अफ्रीका और चीन की तरफ से पेश किए गए पीस प्लान के आधार पर शांति वार्ता को आगे बढ़ाया जा सकता है। ऐसे समय में जब यूक्रेन लगातार हम पर हमले कर रहा है, सीजफायर और मुश्किल काम है। उन्होंने बताया कि फिलहाल रूस यूक्रेन पर हमले तेज नहीं करने वाला है।

मॉस्को में 2 बिल्डिंग पर 3 ड्रोन्स से हमला

दूसरी तरफ, मॉस्को में एक बार फिर ड्रोन हमला हुआ है। मॉस्को के फाइनेंशियल हब में 3 ड्रोन्स से अटैक हुआ, जिसमें 2 बिल्डिंग को नुकसान पहुंचा है। राजधानी के मेयर सर्गेई सोब्यानिन ने बताया कि यूक्रेन के हमले के बाद एयर ट्रैफिक रोक दिया गया है। हमले में एक व्यक्ति घायल हुआ है। दोनों बिल्डिंग्स को खाली करवा लिया गया है।

प्लेन में शराब पीकर यात्री ने मां-बेटी से छेड़छाड़ कीः डेल्टा फ्लाइट क्रू ने मदद नहीं की; पीड़ितों ने 16 करोड़ का केस किया

न्यूयॉर्क ।
न्यूयॉर्क सिटी से एथेंस जा रही डेल्टा एयरलाइंस की फ्लाइट में एक पैसेंजर ने शराब के नशे में 16 साल की लड़की और उसकी मां से छेड़छाड़ की। फ्लाइट क्रू ने दोनों की मदद नहीं की। इतना ही नहीं, लैंडिंग के बाद भी किसी अधिकारी या पुलिस को सूचना दिए बिना ही आरोपी को जाने दिया। अब पीड़ित के परिवार ने एयरलाइन के खिलाफ करीब साढ़े 16 करोड़ का केस किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, 26 जुलाई को 9 घंटे की इस फ्लाइट में एक पैसेंजर ने करीब 10 वोदका और एक ग्लास वाइन पी ली। केस की चार्जशीट में बताया गया है कि फ्लाइट अटेंडेंट लगातार आरोपी को शराब सर्व कर रहे थे, जबकि वो नशे में धुत हो चुका था। इसके बाद उसने मां-बेटी से छेड़छाड़ शुरू कर दी।

लड़की से नाम और पता पूछ रहा था आरोपी

पीड़ित पक्ष ने कहा कि आरोपी शराब के नशे में लगातार मां-बेटी के ऊपर चिल्ला रहा था। लगातार विरोध के बाद भी फ्लाइट क्रू ने आरोपी की हरकतों को नजरअंदाज कर दिया। आरोपी लगातार उनसे घर का पता और दूसरी जानकारी मांग रहा था। साथ ही वो लड़की को डराने-धमकाने की भी कोशिश कर रहा था।

तब उसकी मां ने आरोपी से कहा कि वो बहुत छोटी है और उससे बात करने को मना किया, लेकिन शख्स ने मां की बात नहीं मानी और वो उन पर भी चिल्लाने लगा। मां ने कई बार अपनी सीट बदलने के लिए भी कहा, लेकिन क्रू ने इस पर भी ध्यान नहीं दिया।

डेल्टा ने मां-बेटी को ऑफर किए 5 हजार फ्री टिकट

फ्लाइट लैंड होने के बाद डेल्टा कंपनी ने मां-बेटी से माफी मांगते हुए उन्हें 5 हजार फ्री टिकट देने की पेशकश की थी। पीड़ितों के वकील ने कहा कि फ्लाइट में जो हुआ उसे रोका जा सकता था।

हमारी फ्लाइट्स में किसी भी तरह के दुर्व्यवहार को लेकर जीरो टॉलरेंस पॉलिसी है। हम अपने पैसेंजर्स का खास ध्यान रखते हैं और उनकी सुरक्षा जरूरी कुछ नहीं है। हम मामले की जांच करवाएंगे।

ईरानी अफसर गे सेक्स के आरोप में बर्खास्त: हिजाब कानून पर सख्ती से अमल कराने की जिम्मेदारी थी, अब सजा-ए-मौत का खतरा

तेहरान।
ईरान में एक अफसर रजा साघाती का गे सेक्स टेप वायरल होने के बाद उसे बर्खास्त कर दिया गया है। अब तक यह साफ नहीं है कि रजा को गिरफ्तार किया गया है या नहीं। वो गिलान राय के कल्चर एंड इस्लामिक गाइडेंस डिपार्टमेंट का चीफ था। कुछ दिन पहले रजा का एक दूसरे पुरुष के साथ वीडियो वायरल हुआ था। सरकार ने इस मामले को दबाने की काफी कोशिश की, लेकिन वो इसमें कामयाब नहीं हो सकी। ईरान के शरिया कानून के मुताबिक, रजा को गे सेक्स (समलैंगिक संबंध) का दोषी पाया गया तो उसे सजा-ए-मौत दी जा सकती है। रजा जिस डिपार्टमेंट का हेड ऑफ द स्टाफ था, उस पर राय में शरिया कानून और खासतौर पर हिजाब कानून सख्ती से लागू कराने की जिम्मेदारी थी। रिपोर्ट के मुताबिक- रजा का जुर्म इसलिए और भी ज्यादा गंभीर है, क्योंकि उस पर हिजाब और इस्लामिक कानून लागू कराने की जिम्मेदारी थी। रजा का वीडियो 7 दिन पहले वायरल हुआ था। इसके बाद सरकार पर एक्शन का दबाव बढ़ रहा था। ईरान में मीडिया सेंसरशिप के चलते यह साफ नहीं हो पाया है कि इस अफसर को सिर्फ बर्खास्त किया गया है, या उसे गिरफ्तार भी किया जा चुका है। हालांकि, वीडियो वायरल होने के बाद से उसे

किसी पब्लिक प्लेस पर नहीं देखा गया है। ईरान की सरकार और रजा का डिपार्टमेंट इस बारे में कुछ भी बोलने से परहेज कर रही है। कुछ अफसरों ने तो यहां तक कहा कि उन्हें इस मुद्दे की जानकारी ही नहीं है।

सजा-ए-मौत मुमकिन

ईरान में शरिया और इस्लामिक कानून लागू हैं। यहां की कट्टरपंथी सरकार मामलों को लेकर बेहद सख्त रुख अपनाती है। यही वजह है कि ईरान में कम्युनिटी का सर्वाइवल भी बेहद मुश्किल है। जुलाई की शुरुआत में प्रेसिडेंट इब्राहिम रईसी अफ्रीकी देश यूगांडा के ऑफिशियल टूर पर गए थे। यहां एक स्पीच में रईसी ने कहा था- पश्चिमी देश मुस्लिम देशों के कल्चर को तबाह करने की साजिश रच रहे हैं। ऐसी ही साजिश है। रईसी ने कहा था- ईरान पर तरह-तरह की पाबंदियां लगाई जाती रही हैं। इसकी वजह जानने की जरूरत नहीं है, क्योंकि ये सब वेस्टर्न पावर्स की साजिश के अलावा कुछ और नहीं है। हम इनके आगे झुकने वाले नहीं हैं।

स्टूडेंट की मौत और हिजाब विरोधी प्रदर्शन

पिछले साल सितंबर में हिजाब विरोधी प्रदर्शनों के दौरान एक स्टूडेंट महसा अमीनी की पुलिस कस्टडी में मौत हो गई थी। इसके बाद मॉरैलिटी पुलिस को हटा लिया गया था। हालांकि, पिछले दिनों यह स्पेशल पुलिस फोर्स फिर सड़कों पर नजर आई। अमीनी की पुलिस हिरासत में मौत के बाद ईरान में विरोध प्रदर्शन हुए थे। प्रदर्शनों को कुचल दिया गया था। 500 प्रदर्शनकारी मारे गए थे।16 सितंबर 2022 को पुलिस कस्टडी में 22 साल की महसा अमिनी की मौत हो गई थी। 3 दिन पहले ईरान की मॉरैलिटी पुलिस ने महसा को ठीक से हिजाब नहीं पहनने के आरोप में गिरफ्तार किया था।

अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए तीन भारतवंशियों ने ठोंका दावा

वाशिंगटन।
अमेरिका में अगले साल राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने हैं। इसके लिए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और डोनाल्ड ट्रंप के बीच अभी से मुकाबला देखा जा रहा है। हालांकि, इस बीच कुछ भारतीय-अमेरिकी नेताओं के नाम भी इस पद के लिए सामने आ रहे हैं, जो अमेरिका को और अछा बनाने के लिए ट्रंप को पछाड़ना चाह रहे हैं।

इन लोगों के नाम शामिल - बता दें, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ विवेक रामास्वामी, निक्की हेली और हर्षवर्धन सिंह चुनाव लड़ेंगे। हालांकि, ट्रंप तमाम कानूनी चुनौतियों के बावजूद 2024 के लिए रिपब्लिकन पार्टी की उम्मीदवारी की दौड़ में आगे चल रहे हैं।

अगली साल होगा उम्मीदवार का चयन - रिपब्लिकन अपनी पार्टी के अगले राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार को औपचारिक रूप से चुनने के लिए अगले साल जुलाई में एक राष्ट्रीय सम्मेलन करेगा। ये सम्मेलन विस्कॉन्सिन के मिल्वौकी शहर में 15 से 18 जुलाई तक होगा।

निक्की हेली - भारतीय मूल की रिपब्लिकन नेता निक्की हेली दक्षिण कैरोलिना की दो बार की गवर्नर और संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की पूर्व राजदूत रह चुकी हैं। निक्की हेली लगातार तीन चुनावों में अमेरिकी राष्ट्रपति पद की दौड़ में शामिल होने वाली तीसरी भारतीय-अमेरिकी हैं। इससे पहले बॉबी जिंदल साल 2016 में और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस 2020 में अमेरिकी राष्ट्रपति पद के चुनाव में शामिल हो चुकी हैं। भले ही अधिकांश सर्वे में 51 वर्षीय हेली का प्रदर्शन कम बताया हो, लेकिन अगर डोनेशन की बात की जाए तो उन्होंने कई मिलियन डॉलर जुटाए है। हेली का समर्थन करने वाले सुपर पीएसी, स्टैंड फॉर अमेरिका फंड इंक ने अप्रैल से जून तक 18.7 मिलियन डॉलर जुटाए, जिससे उनकी कुल राशि 26 मिलियन डॉलर हो गई। इतना ही नहीं, हेली को अरबपति केनेथ लैंगोन, ऐलिस वाल्टन और केनेथ फिशर सहित कुछ अमीर जीओपी दानदाताओं से भी समर्थन मिला है। इन लोगों ने 6,600 डॉलर का दान दिया। हेली का जन्म सिख

माता-पिता अजीत सिंह रंधावा और राज कौर रंधावा के घर हुआ था, जो 1960 के दशक में पंजाब से कनाडा और फिर अमेरिका चले गए थे। 39 साल की उम्र में, जब उन्होंने जनवरी 2011 में पदभार ग्रहण किया, तब वह अमेरिका की सबसे कम उम्र की गवर्नर थीं, और उन्होंने दक्षिण कैरोलिना की पहली महिला गवर्नर के रूप में इतिहास रच दिया था। वह राय की पहली भारतीय-अमेरिकी गवर्नर थीं और दो कार्यकाल तक उन्होंने इस पद पर सेवा किया। जनवरी 2017 से दिसंबर 2018 तक उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में 29वें अमेरिकी राजदूत के रूप में अपनी सेवाएं दी हैं।

विवेक रामास्वामी - भारतीय-अमेरिकी उद्यमी विवेक रामास्वामी साल 2024 के राष्ट्रपति चुनाव के लिए खुद की उम्मीदवारी की घोषणा फरवरी में कर चुके हैं। उन्होंने एक बाहरी के रूप में रिपब्लिकन में प्रवेश किया था, लेकिन अब वह पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस के बाद तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। स्वास्थ्य सेवा और तकनीकी क्षेत्र के उद्यमी विवेक रामास्वामी को रिपब्लिकन पार्टी के नौ फीसदी नेताओं का समर्थन मिला है। वहीं, ट्रंप को 47 फीसदी वोट मिले, जो डेसेंटिस के 19 फीसदी से काफी ऊपर है। रामास्वामी का जन्म अमेरिका के ओहियो के सिनसिनाटी में हुआ था। उनके माता-पिता केरल के पलक्कड़ से अमेरिका गए थे। उनके पिता का नाम गणपति रामास्वामी है, जो पेशे से इंजीनियर थे। उनकी मां गीता रामास्वामी, पेशे से एक सायकायट्रिस्ट थीं। विवेक की पत्नी अपूर्वा तिवारी ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी के वेक्सनर मेडिकल सेंटर में असिस्टेंट प्रोफेसर और सर्जन हैं। 37 साल के रामास्वामी ने दवाओं को लेकर चीन पर निर्भरता समाप्त करने के वादे के साथ राष्ट्रपति पद के लिए खड़े हो रहे हैं। अगर उनकी कमाई की बात करें तो उन्होंने दूसरी तिमाही में 7.7 मिलियन डॉलर कमाए, जिसमें उनके खुद 5.4 मिलियन डॉलर शामिल थे। चुनावी अभियान शुरू होने के बाद उन्होंने अभी तक अपने 16 मिलियन डॉलर लगाए हैं।

हर्षवर्धन सिंह - अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ में भारतवंशी हर्षवर्धन सिंह भी शामिल हो गए हैं। एरोस्पेस इंजीनियर हर्षवर्धन ने एक वीडियो में कहा जीवन भर वे रिपब्लिकन रहे। उन्होंने हमेशा अमेरिका फर्स्ट की नीति के तहत काम किया। वे रूढ़िवादी हैं। सिंह ने रिपब्लिकन पार्टी के लिए न्यूजर्सी में रुढ़िवादी विंग को बहाल करने के लिए काम किया।

भाजपा जिला उपाध्यक्ष व बेटे सहित कइयों पर धोखाधड़ी का केस दर्ज

साजिश रचकर कंपनी से बाहर करने, लाखों का सामान बेचने व कंपनी को चूना लगाने का आरोप

हिसार (हिंस)। पुलिस ने धोखाधड़ी के एक मामले में भाजपा के जिला उपाध्यक्ष अशोक सैनी, उसके बेटे व भतीजे सहित कई अन्य पर केस दर्ज किया है। आरोप है कि इन्होंने साजिश रचकर ऑटो इंजीनियर्स कंपनी में चाचा दलजीत सैनी को कंपनी से बाहर कर दिया जबकि कंपनी में दलजीत का हिस्सा 40 प्रतिशत है। इस संबंध में पुलिस को दी शिकायत में हिसार के सेक्टर 14 निवासी दलजीत सैनी ने बताया वर्ष 1988 से हांसी के सैनीपुरा गांव में उसकी फैक्ट्री स्टेंडर्ड ऑटो इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेडके नाम से है। वह इस कंपनी में डायरेक्टर है। उसके अलावा अमित सैनी व कृष्णा सैनी भी डायरेक्टर के पद पर हैं। इस कंपनी में उसका शेयर 40.66 प्रतिशत, अमित का शेयर 1.21 प्रतिशत व कृष्णा का शेयर 0.81 प्रतिशत है। इसमें उनके हक में करीब 70 प्रतिशत शेयर होल्डर्स हैं। दलजीत के अनुसार सितंबर 2022 में अमित और कृष्णा ने अपने परिवार वालों आलिश, अंकित, साहिल अशोक, बलबीर अग्रिम को बुलाकर उनके साथ झगड़ा किया और कंपनी से जबरदस्ती बाहर कर दिया। उसके बाद अमित सैनी व कृष्णा सैनी ने अगले दिन एक अवैध रेजुलेशन बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स बनाकर बैंक ऑफ बरोदा हिसार में पेश किया। इसमें उनकी साइनिंग अर्थॉरिटी कंपनी बैंक अकाउंट से हटाकर किसी भी दो डायरेक्टर की करने की सिफारिश की थी। इस पर बैंक अधिकारी ने उन्हें फोन करके सूचना दी। इसके बाद अमित और कृष्णा ने फैक्ट्री में पड़ा 8-9 लाख का स्क्रैप लोहा व फैक्ट्री में जो तैयार सामान था, उसको बिना बिल के ही पंजाब, दिल्ली, फरीदाबाद की मार्केटों में बेचना शुरू कर दिया। शिकायत के अनुसार आरोपितों ने 30-35 लाख रुपए का सामान बेचकर पैसे हड़प लिए और कंपनी में एक भी रुपया जमा नहीं कराया। उसने कहा कि उनकी कंपनी को करीब तीन-चार करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है। दलजीत की शिकायत पर पुलिस ने भाजपा के जिला उपाध्यक्ष अशोक सैनी, अमित सैनी, कृष्णा सैनी, अशोक के बेटे साहिल सैनी, अंकित सैनी, अलीश सैनी व अग्रिम सैनी के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज करके छानबीन आरंभ कर दी है। अभी किसी आरोपित की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है।

किसानों की समस्याओं का समाधान जल्द ही: सुभाष गुर्जर

यमुनानगर (हिंस)। किसानों की समस्याओं को लेकर भाकियू (टिकैत) की अहम बैठक रविवार को जिला कार्यालय यमुनानगर में हुई। जिला अध्यक्ष सुभाष गुर्जर ने कहा कि आज किसान सरकार की गलत नीतियों के कारण बर्बाद हो रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने किसानों को मेरी फसल मेरा ब्योरा और मेरा पानी मेरी विरासत वा अन्य चक्रव्यूह में फंसा रखा है। किसान सरकारी दफ्तरों के चक्कर काट काट कर थक चुके हैं। उन्होंने कहा कि आज ट्यूबवेल के लोड बनवाने के लिए बिजली विभाग ने अनाप-शनाप शर्ते लगाकर किसान को उलजा रखा है। उन्होंने कहा कि अगर सरकार किसान हितेषी है तो यह सब शर्ते हटाकर किसान को मुक्त करें। और भारी बरसात की वजह से किसान की फसल बर्बाद होने पर किसान को 40, 000 रुपए प्रति एकड़ मुआवजा दे।

श्रद्धालुओं से वसूली गई पंजीकरण राशि को लौटाया जाए : साहनी

जम्मू (हिंस)। हिंदुओं के आस्था से जुड़ी वार्षिक श्री अमरनाथ जी यात्रा इस वर्ष 62 दिनों की रिकार्ड यात्रा अवधि की रखी गई थी और मात्र 27 दिनों में पवित्र हिम शिवलिंग के अंतर्ध्यान होने से भोले बाबा के भक्तों में घोर निराशा व भारी रोष व्याप्त है इससे भोले के भक्तों की आस्था आहत हुई हैं। सरकार ने हमारी तमाम आशंकाओं एवं अपीलों को नजरंदाज किया। यह कहना है शिवसेना यूबीटी जम्मू-कश्मीर इकाई के प्रदेश प्रमुख मनीश साहनी का। पार्टी प्रदेश कार्यालय में आयोजित रविवार को एक पत्रकारवार्ता में प्रदेश प्रमुख मनीश साहनी ने कहा कि 62 दिनों को रिकार्ड यात्रा अवधि का जमकर ढिंढोरा पीटा गया था मगर इस अवधि तक पवित्र हिमशिवलिंग को दर्शनों के लिए सुरक्षित रखने को लेकर कोई विशेष व्यवस्था तैयार नहीं की गई। 15 से 18 हजार की भारी संख्या में श्रद्धालुओं को रोजाना दर्शनों के लिए भेजा गया। वहीं पवित्र गुफा परिसर के करीब सुरक्षाकर्मियों, अधिकारियों की भारी संख्या में तैनाती, घोड़ा, पिट्ठू, पालकी वालों की भी बड़ी मौजूदगी रही। जिसका खामियाजा अब श्रद्धालुओं को भुगतना पड़ रहा है उन्हें पवित्र हिमशिवलिंग साक्षात दर्शन का सौभाग्य नहीं मिल पा रहा है। साहनी ने बताया कि शिवसेना द्वारा अनेकों बार पवित्र हिम शिवलिंग को यात्रा अवधि तक दर्शनों के लिए सुरक्षित रखने की गुहार लगाई गई। जम्मू.कश्मीर के उपराज्यपाल जो कि श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड के चेयरमैन भी हैं को ज्ञापन भी सौंपा गया मगर पंजीकरण नि:शुल्क बनाने से लेकर हिम शिवलिंग को सुरक्षित बनाए रखने की तमाम अपीलों को दरकिनार कर दिया गया। साहनी ने कहा कि 2022 में और पहले भी पवित्र हिम शिवलिंग यात्रा अवधि से पूर्व अंतर्ध्यान हुए हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक अमरनाथ ग्लेशियरों से घिरा है। ऐसे में ज्यादा लोगों के वहां पहुंचने और तापमान बढ़ने से ऐसा होना लाजिमी है। मगर शायद श्राइन बोर्ड पर राजस्व कमाने और रिकार्ड बनाने की धुन इस कदर हावी हो चुकी है कि बिना सोचे समझे 62 दिनों की यात्रा अवधि और रोजाना बड़ी तादाद में तीर्थयात्रियों को दर्शनों के लिए भेजा जाता रहा और किसी भी तरह के एहतियात नहीं बरती गई। साहनी ने कहा कि हजारों रुपए खर्च कर देश के दूसरे राज्यों से आने श्रद्धालुओं में निराशा और मायूसी का आलम है उनकी धार्मिक आस्था पर सरकारी तंत्र की लापरवाहियों ने आघात किया हैं। साहनी ने कहा कि श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड से पंजीकरण के नाम पर लिए गए 220 रुपयों की राशि सहित क्षमा मांगने के साथ श्रद्धालुओं द्वारा वहन किए गए खर्चे को लौटना चाहिए।

टाइगर्स के प्रति फोटोग्राफर्स के जुनून का परिणाम है टाइगर फोटोग्राफ एग्जीबिशन : सांसद दीया कुमारी

जयपुर (हिंस)। राजस्थान की राजसमंद सांसद और नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी (एनटीसीए) की सदस्य दीया कुमारी ने जवाहर कला केंद्र में रविवार को टाइगर फोटोग्राफ एग्जीबिशन का अवलोकन किया। इस अवसर पर सांसद दीया कुमारी ने फोटोग्राफर्स की प्रशंसा करते हुए कहा कि यहां आज जो फोटोग्राफ्स प्रदर्शित की गई हैं, यह उनके टाइगर्स के प्रति जुनून को दर्शाती हैं। यह फोटोग्राफ्स एक दिन की नहीं बल्कि उनके वर्षों की मेहनत का परिणाम है। आज हम सभी इस प्रदर्शनी के माध्यम से टाइगर्स को सेलिब्रेट करने के लिए एकत्रित हुए हैं। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह विजन है कि देश में टाइगर्स का संरक्षण हो और उनकी संख्या बढ़ाई जा सके। सांसद दीया कुमारी ने कहा कि यह बहुत प्रसन्नता की बात है कि देश में टाइगर्स की संख्या 3167 से बढ़कर 3677 हो गई है। राजस्थान में टाइगर अभ्यारणों की संख्या में वृद्धि हो, इसके प्रयास के रूप में मैं कुंभलगढ़ को टाइगर रिजर्व बनाने की दिशा में कार्य कर रही हूं। इस मिशन की तरफ हम सभी को मिलकर सामूहिक प्रयास करने होंगे। गौरतलब है कि यह आयोजन जयपुर टाइगर फेस्टिवल (जेटीएफ) की ओर से जवाहर कला केंद्र (जेकेके) की सुदर्शन गैलरी में 1 अगस्त तक टाइगर फोटोग्राफी एग्जिबिशन एवं कॉम्पिटिशन का आयोजन किया जा रहा है। यह 4 दिवसीय एग्जिबिशन राजस्थान के वन विभाग के सहयोग से आयोजित की गई है। प्रदर्शनी में देश विदेश से वाइल्डलाइफ फोटोग्राफ्स द्वारा लगभग 500 एंट्रीज आई थी। सिलेक्शन कमेटी के आईएफएस, सुदर्शन शर्मा और रक्षा संस्था के फॉउंडर, रोहित गंगवाल ने इन एंट्रीज में से लगभग 100 फोटोग्राफस को चयनित किया, जिनको एग्जीबिशन में प्रदर्शित किया जा रहा है। जेटीएफ संस्थापक, धीरेंद्र के गोधा ने बताया कि प्रदर्शित फोटोग्राफी केवल और केवल आम जन में हमारे राष्ट्रीय पशु टाइगर के बारे में जगरुकता लाने का प्रयास है। राजस्थान में टाइगर की संख्या 100 के पार हो गई है। राजस्थान में चार टाइगर रिजर्व हैं। प्रदेश में रणथंभौर, सरिस्का, मुकंदरा के बाद बूंदी में नया टाइगर रिर्जर्व बन गया है। जहां पिछले दिनों तीन शवाको का जन्म हुआ है। इस अवसर पर प्रतिष्ठित वाइल्डलाइफ फिल्ममेकर, एस. नल्ला मुथू भी उपस्थित रहे।

बुजुर्गों और बच्चों को लेकर धरने पर पहुंचे क्लर्क, 5 अगस्त को मनाएंगे काला दिवस

अनिल विज ने लिपिक वर्ग की मांग को जल्द हल करवाने का दिया आश्वासन : विपिन शर्मा

फतेहाबाद (हिंस)। 35400 रुपए बेसिक वेतन की मांग को लेकर क्लेरिकल एसोसिएशन वेलफेयर सोसायटी तले आंदोलन कर रहे क्लर्कों ने रविवार से अपने आंदोलन को तेज कर दिया है। रविवार को क्लर्क धरने के 26वें दिन अपने परिवारके साथ पहुंचे। बुजुर्गों व बच्चों के साथ आए क्लर्कों ने सरकार की असंवेदनशीलता पर विरोध जताया। आंदोलन की अगली कड़ी में 1 अगस्त को कर्मचारी धरना स्थल से बीजेपी कार्यालय तक प्रदर्शन करेंगे वहीं 3 अगस्त को धरना स्थल से कर्मचारी थाली व ढोल नगाड़ों के साथ स्थानीय विधायकों के माध्यम से सरकार को जगाने का प्रयास किया जाएगा 4 अगस्त को हरियाणा सरकार का पुतला दहन कर 5 अगस्त को सरकार की वादाखिलाफी के विरोध में काला दिवस मनाया जाएगा। रविवार को धरने को संबोधित करते हुए जिला प्रधान संदीप पुनिया ने बताया कि 5 जुलाई से वे अनी जायज मांग

बेसिक वेतन 35400 के लिए धरने पर बैठे है। आज धरनास्थल पर सुनीता, सरोज, बलजीत कौर व रण सिंह शिक्षा विभाग, राजेंद्र पब्लिक हेल्थ, कुलदीप, सुनील व प्रदीप पीडब्ल्यूडी, हर्ष मेहता, दीपक व अनिल रोडवेज व अनिल कुमार टेक्निकल एजुकेशन विभाग से क्रमिक अनशन पर बैठे। जिला कोऑर्डिनेटर चितरंजन साहू ने बताया कि आज धरना स्थल पर सभी कर्मचारी अपने परिवारजनों के साथ आए हैं। राज्य कार्यकारिणी सदस्य यशवीर चौहान ने बताया कि सरकार लिपिक वर्ग को थकाने की रणनीति पर चल रही है, उनकी मांग बिल्कुल जायज है और वे इससे पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने कहा कि लंबे समय से लिपिक वर्ग के साथ अन्याय हो रहा है। अब सरकार जनता को लिपिकों के खिलाफ भड़काने का काम कर रही है जो कि बहुत निंदनीय है। सरकार को चाहिए कि हड़ताल को लंबा करने को बजाए हमें हमारा हक देकर मान सम्मान दे। अब वे आर-पार की लड़ाई लड़ेंगे। आज धरना स्थल पर भतेरी देवी, कृष्णा देवी, राधा देवी, गीता, विद्या देवी, सुमित्रा, मेवा देवी, रामकली, शारदा, नीलम, मोनिका, सोनिका, जोगिंदर, जयबीर, मांगेराम, धर्मसिंह, अनिता देवी, पूनम, रीना, हंसराज, मनोज कुमार, रेणुबाला आदि मौजूद रहे। भारतीय मजदूर संघ के जिला महामंत्री विपिन शर्मा ने बताा कि गृहमंत्री अनिल विज बीएमएस के कार्यालय में आकर लिपिक वर्ग की मांग संबंधी ज्ञापन स्वयं लेकर गए व जल्द से जल्द लिपिक वर्ग की मांग को हल करवाने का आश्वासन दिया है।

मिहिर की प्रतिमा पर गुज्जर लिखने के विरोध में राजपूत समाज का प्रदर्शन

यमुनानगर (हिंस)। सम्राट मिहिर भोज की प्रतिमा पर उनके नाम के आगे गुज्जर शब्द लिखने और कैथल में राजपूतों पर लाठीचार्ज के विरोध में रविवार को खंड रादौर के गांव उन्हेंडी में राजपूत समाज ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहे राजपूतों ने मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री का पुतला भी फूंका और सरकार विरोधी नारे लगाए। प्रदर्शन कर रहे गांव उन्हेंडी के रवि राणा, जगदीश राणा, सनी राणा, विनोद राणा, जितेंद्र राणा, प्रवीण राणा आदि ने बताया कि राजपूत समाज पर कैथल में हुए लाठीचार्ज और सम्राट मिहिर भोज की प्रतिमा पर जब तक गुज्जर शब्द लिखा रहेगा, तब तक यह पर धरना प्रदर्शन जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि जिस तरह से सरकार

हमारी बात नहीं सुन रही है। इसके नतीजे सरकार को आने वाले चुनाव में देखने को मिलेंगे। इससे पहले राजपूत समाज के लोगों ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल और शिक्षा वन मंत्री गुर्जर का पुतला बनाकर पूरे गांव में घुमाया गया और सरकार विरोधी नारे लगाए गए। राजपूतों का कहना कि सम्राट मिहिर भोज की प्रतिमा पर गुज्जर सम्राट मिहिर भोज लिख दिया, जो सरासर गलत है। राजपूत समाज इसका विरोध करता है। राजपूत समाज के लोगों ने कहा कि अगर सम्राट मिहिर भोज की प्रतिमा से गुज्जर शब्द नहीं हटाया गया तो यह तो यह धरने प्रदर्शन दिन प्रतिदिन बढ़ते चले जाएंगे। मजबूरन हमें रोड जाम करने पड़ेंगे। इसकी सारी जिम्मेदारी मौजूदा सरकार की होगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार से हम मांग करते हैं कि इसको राजपूत सम्राट न लिखकर हिंदू सम्राट मीर भोज लिखा जाए।

सावन की मौजमस्ती जयपुर में शुरु : लहरिया उत्सव मनाया

जयपुर (हिंस)। शहर में सावन की मौजमस्ती शुरू हो गई हैं। इसी श्रंखला में शक्ति वूमेंस ऑर्गनाइजेशन और लीला मैकअप स्टूडियो के संयुक्त तत्वाधान में राजापार्क में लहरिया उत्सव मनाया गया। महिलाओं ने रंग बिरंगे लहरिया पहनकर विभिन्न

गतिविधियों में भाग लिया। शक्ति वूमेंस ऑर्गनाइजेशन की संस्थापिका सोनाक्षी वशिष्ठ ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि *मिसेज इंडिया 2023* परमप्रीत मेहरा ने महिलाओं को अपनी जर्नी के बारे में बताकर मोटिवेट किया। कार्यक्रम में महिलाओं को मेहंदी, नेल आर्ट, हेयर स्टाइल और सेल्फ मेकअप टिप्स मेकअप आर्टिस्ट और लीला स्टूडियो की संचालक रुचि गोगिया ने दिए।

पिकअप-जीप की भिड़ंत में दो की मौत, चार घायल

भीलवाड़ा (हिंस)। जिले के करेड़ा क्षेत्र में एक पिकअप व जीप में हुई आमने-सामने की भिड़ंत में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को भीलवाड़ा के महात्मा गांधी अस्पताल में उपचार के लिए दाखिल कराया गया है। हादसा करेड़ा क्षेत्र के बेमाली चौराहे के पास हुआ। हादसे की सूचना मिलते ही करेड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। करेड़ा थाना प्रभारी ओमप्रकाश गौरा ने बताया कि करेड़ा क्षेत्र से गुजरने वाले मांडल-कामलीघाट राजमार्ग पर बेमाली चौराहे के निकट शनिवार देर रात एक पिकअप गाड़ी व जीप में आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। हादसे में करेड़ा क्षेत्र के आमदला गांव निवासी नोरत गुर्जर व छोटू सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों मृतकों के शव को करेड़ा सामुदायिक अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। हादसे में देवीलाल गुर्जर, शिव सिंह व शंकरलाल सहित एक अन्य व्यक्ति गंभीर घायल हो गया। जिन्हें 108 एंबुलेंस की मदद से प्राथमिक उपचार के लिए करेड़ा चिकित्सालय लाया गया, जहां उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें भीलवाड़ा के महात्मा गांधी अस्पताल भेज दिया गया। हादसे में दोनों वाहन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए। दोनों वाहनों की आमने-सामने भिड़ंत के बाद सड़क मार्ग अवरुद्ध हो गया। इससे दोनों तरफ लंबा जाम लग गया। पुलिस ने दोनों वाहनों को क्रेन के जरिए बीच सड़क से हटाकर यातायात सुचारू करवाया।

भाजपा के लालगढ़ मंडल अध्यक्ष लापता

बीकानेर (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के लालगढ़ मंडल अध्यक्ष विनोद करोल दो दिन से घर से लापता हो गए। रविवार को उनकी बाइक शोभासर झील के आगे मिली है। पुलिस को आशंका है कि करोल ने कहीं आत्महत्या न कर ली हो। इसी को देखते हुए झील में गोताखोर उतारने की तैयारी हो रही है। डॉग स्क्वायड बुलाई गई है। बीछवाल थाना प्रभारी महेन्द्र दत्त सहित पुलिस की बड़ी टीम मौके पर पहुंच गई। भाजपा के लगभग सभी नेता-पदाधिकारी शोभासर झील के इर्द-गिर्द जमा हैं। भाजपा मण्डल अध्यक्ष विनोद करोल के पुत्र मयंक करोल ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि उसके पिता शनिवार सुबह से गायब है। करोल ने शनिवार शाम को लगभग 6=31 बजे अपनी फेसबुक आईडी पर एक पोस्ट लगाई। इसमें लगभग पूरे डूब चुके एक आदमी का हाथ पानी से बाहर दिखाया गया है। लिखा-*अपना ख्याल रखना, शायद हम फिर कभी न मिले।* इसके साथ ही पुलिस मंडल अध्यक्ष करोल के फोन की लोकेशन लगातार सर्च कर रही थी। रविवार सुबह शोभासर झील के पास की लोकेशन आई। मौके पर जाकर देखा तो बाइक मिल गई। भाजपा के संभाग प्रभारी सी.आर.चौधरी रविवार को बीकानेर में भाजपा की मीटिंग लेने वाले थे। इसी दौरान यह सूचना पहुंच गई। ऐसे में भाजपा के अध्यक्ष विजय आचार्य, सत्यप्रकाश आचार्य, मोहन सुराणा, गोकुल जोशी, मंडल अध्यक्ष कमल आचार्य, दिनेश महात्मा, उप महापौर राजेन्द्र पंवार सहित अधिकांश नेता झील पर पहुंचे हुए हैं। सीओ सदर शालिनी बजाज, बीछवाल थानाधिकारी महेन्द्र दत्त शर्मा, शोभासर जलाशय में जलदाय क्षेत्र के जलदाय विभाग अधिकारी एक्सईएन विजय वर्मा आदि अधिकारी मौके पर हैं। एक्सईएन विजय वर्मा का कहना है।

बिजली का करंट लगने से ताजिए ले जा रहे तीन युवकों की मौत

धौलपुर (हिंस)। धौलपुर में मोहर्रम के मौके पर ताजियों के जुलूस के दौरान बडा हादसा हो गया। मोहर्रम के दूसरे दिन रविवार सुबह ताजियों को करबला ले जा रहे तीन युवकों की बिजली का करंट लगने से मौत हो गई। हादसे में एक युवक को गंभीर हालत में उपचार के लिए धौलपुर के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उधर, मुस्लिम समाज के तीन युवकों की मौत के बाद इलाके में मातम पसर गया है। हादसे के बाद गुस्साए लोगों ने जिला अस्पताल चौराहा पर जाम लगा दिया तथा शासन और सरकार के विरुद्ध जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन कर रहे लोगों की मांग पर बिजली निगम के दो कार्मिक तथा दो पुलिस कर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। पुलिस के अनुसार हादसा धौलपुर के पुराना शहर इलाके में हुआ। मोहर्रम के दूसरे दिन रविवार को पुराना शहर के इस्लामपुरा इलाके के लोग ताजियों को दफन करने के लिए शेरगढ किला इलाके में स्थित पुराने करबला में जा रहे थे। ताजियों के जुलूस में आठ ताजिए निकल चुके थे। लेकिन

नवे ताजिए को ले जा रहे इस्लामपुरा और शैतानपुरा के रहने वाले युवक मुवीन (25) पुत्र दिलशान, अनवर (19) पुत्र मुनव्वर, रिहान (18) पुत्र साबिर और वसीम (18) पुत्र दिलशाद ताजिया ऊंचा होने की वजह से 11 हजार केवी के तार की चपेट में आ गए। हादसे के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई तथा लोग करंट की चपेट में आए चारों युवकों को लेकर धौलपुर के जिला अस्पताल पंहुचे। जिला अस्पताल में डॉक्टरों की टीम ने करीब एक घंटे तक चारों को सीपीआर देकर बचाने की कोशिश की। इसके बाद में एक युवक वसीम को होश आ गया, लेकिन तीन अन्य की मौत हो गई। उधर, करंट के हादसे में तीन युवकों की मौत के बाद इलाके में मातम फैल गया। हादसे के गुस्साए जिला अस्पताल के बाहर चौराहे पर एकत्रित हो गए तथा जाम लगा दिया। हादसे की सूचना मिलने पर धौलपुर के पूर्व विधायक अब्दुल सगीर खान मौके पर पंहुचे तथा लोगों को समझाया। कुछ ही देर बाद जिला कलेक्टर अनिल कुमार अग्रवाल, एसपी मनोज कुमार, धौलपुर विधायक शोभारानी कुशवाह और शहर काजी मोहम्मद मतीन खां गौरी भी मौके पर पंहुचे तथा प्रदर्शन कर रहे लोगों को समझाया। इसके बाद में मृतकों के परिजनों से प्रशासन एवं जन प्रतिनिधियों ने कोतवाली में वार्ता की। प्रशासन ने कहा कि यह एक दर्दनाक हादसा है तथा मृतकों के परिजनों के साथ में शासन और सरकार की पूरी हमदर्दी है। मामले की पूरी जांच करा कर दोषियों के विरुद्व कार्रवाई की जाएगी तथा सरकार से उचित मुआवजा दिलाया जाएगा। इसके बाद में परिजन मान गए। लेकिन इसके बावजूद कुछ लोग सभी मांगों पर लिखित में गांरटी देने की मांग को लेकर प्रदर्शन करते रहे।

मोगा में पुलिस थाने के पास भिड़े दो गुटों जमकर चले लात-घूंसे और डंडे, वीडियो वायरल

मोगा (पंजाब)। पंजाब के मोगा सिटी थाना एक से 100 मीटर दूर युवकों ने जमकर गुंडागर्दी की। दो गुटों में जमकर बवाल हुआ। एक गुट दूसरे गुट के युवकों को बेरहमी से डंडों से पीट रहे हैं। अब इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि नौ लोगों को चोट आई है। सभी को मोगा के सिविल अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। जानकारी के मुताबिक एक गुट लेंडेक का रहने वाला है और दूसरा गुट गांव मोड़ है। शनिवार की रात दोनों गुट माथा ठेकने एक दरगाह गए थे। वापस आते वक्त में लोहरा चौक के पास पहले लड़ाई की। इसके बाद दोनों गुट रविवार की सुबह बस स्टैंड के पास भिड़ गए। दोनों ने गुटों ने एक-दूसरे पर लूट का आरोप लगाया है। इस मामले में मोगा सिटी 1 के एसएचओ दलजीत सिंह ने बताया दो गांव के कुछ नौजवान आपस में भिड़ गए। कुछ नौजवान घायल हैं। पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में लिया। घायलों के बयान के आधार पर करवाई की जाएगी।

नगर निगम आयुक्त व कार्यकारी अधिकारी को भेजा लीगल नोटिस

हिसार (हिंस)। नगर निगम द्वारा वितरित किए गए प्रोपर्टी टैक्स बिल उपभोक्ताओ के जी का जंजाल बने हुए है। लापरवाही ऐसी है कि अधिकांश बिलों में निगम द्वारा की गई त्रुटियां देखने पर एक बारगी तो विश्वास ही नहीं होता कि किसी उपभोक्ता के साथ ऐसा भी हो सकता है। शहर के सेक्टर 16-17 निवासी त्रिलोक बंसल के घर के टैक्स बिल में निगम द्वारा डिमांड किए गए 80 हजार 590 को लेकर पीड़ित उपभोक्ता त्रिलोक बंसल ने वकील विक्रमजीत मित्तल के माध्यम से नगर निगम के कमिश्नर व अभियंता अधिकारी को लीगल नोटिस भेजकर सही बिल भेजने को कहा है। त्रिलोक बंसल द्वारा भेजे गए नोटिस में कहा है कि उनके बिल में घर का मालिक नरेंद्र व सुरेंद्र को नया मालिक दर्शाया गया है।

जल भराव के बाद राहत कार्य लगातार तीसरे दिन भी जारी

बीकानेर (हिंस)। ऊर्जा मंत्री भंवर सिंह भाटी रविवार को लगातार तीसरे दिन बज्जू क्षेत्र में रहे और अत्यधिक बारिश के कारण हुए जल भराव के बाद राहत कार्यों की मॉनिटरिंग की। ऊर्जा मंत्री ने ग्रामीणों के सुझाव के पश्चात गड़ियाला, गोविंदसर और मण्डाल के रास्ते आने वाली नदी के बहाव को कम करने के लिए बांध निर्माण के लिए प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि यह कार्य शीघ्र शुरू करवाया जाए। उन्होंने जल निकासी, प्रभावित लोगों के सुरक्षित पुनर्वास, भोजन सहित प्रत्येक व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्रामीणों से बातचीत करते हुए कहा कि प्राकृतिक आपदा की इस घड़ी में सरकार उनके साथ है। उन्हें किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि ऊर्जा मंत्री पिछले तीन दिनों से लगातार आमजन के साथ हैं और राहत कार्यों के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दे रहे हैं। मंत्री भाटी रविवार को भी कोलायत विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर रहे। गांव-गांव पहुंचकर आमजन से फीड बैक ले रहे है। इस दौरान एसडीएम बज्जू हरि सिंह शेखावत, तहसीलदार रमण दान, सरपंच कप्तान मोहन लाल गोदारा सहित ग्रामीण उपस्थित रहे।

आरबीआई को ब्याज दर पर यथास्थिति बनाए रखना चाहिए, विशेषज्ञों ने दी राय, 8-10 अगस्त को होगी एमपीसी की बैठक

नई दिल्ली।
विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व और यूरोपीय सेंट्रल बैंक द्वारा बेंचमार्क दरों में बढ़ोतरी के बावजूद रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) द्वारा अपनी आगामी द्विमासिक नीति समीक्षा में लगातार तीसरी बार प्रमुख ब्याज दरों पर यथास्थिति बनाए रखने की संभावना है। क्योंकि घरेलू मुद्रास्फीति आरबीआई के सुविधाजनक क्षेत्र के भीतर है। उधार लेने की लागत पिछले साल मई में बढ़नी शुरू हुई थी, लेकिन इस साल फरवरी के बाद से आरबीआई द्वारा रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखने के साथ स्थिर हो गई है। फरवरी में रेपो दर 6.25 प्रतिशत से बढ़कर 6.5 प्रतिशत किया गया था। अप्रैल और जून में पिछली दो द्विमासिक नीति समीक्षाओं में बेंचमार्क दर को बरकरार रखा गया था।

10 अगस्त को की जाएगी नीतिगत निर्णय की घोषणा

आरबीआई गवर्नर की अध्यक्षता वाली छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक आठ से 10 अगस्त को होने वाली है। नीतिगत निर्णय की घोषणा 10 अगस्त को गवर्नर शक्तिकांत दास द्वारा की जाएगी। बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस ने कहा, हम उम्मीद करते हैं कि आरबीआई दरों और रुख दोनों पर यथास्थिति बनाए रखेगा। इसका कारण यह है कि जब मुद्रास्फीति वर्तमान में पांच प्रतिशत से कम चल रही है, आने वाले महीनों में सब्जियों और दालों की कीमतों में तेजी से वृद्धि के साथ इस संख्या में कुछ बढ़ोतरी का जोखिम होगा। इसलिए, एक विस्तारित विराम अपेक्षित है। उन्होंने आगे कहा कि वास्तव में आरबीआई ने तीसरी तिमाही के लिए मुद्रास्फीति 5.4 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है, ऐसे में यह संभावना नहीं दिखती है कि अगले कैलेंडर वर्ष की शुरुआत तक रेपो दर या रुख में बदलाव किया जा सकता है। नीतिगत रुख पर कोटक महिंद्रा बैंक की मुख्य अर्थशास्त्री उपासना भारद्वाज ने कहा, चूंकि 2,000 रुपये के नोट को वापस लेने की घोषणा के बाद तरलता की स्थिति अनुकूल हो गई है, इसलिए हम उम्मीद करते हैं कि आरबीआई समायोजन वापसी के मौजूदा रुख पर कायम रहेगा। भारद्वाज ने कहा, सभी की निगाहें इस बात पर होंगी कि घरेलू मुद्रास्फीति कैसे चलती है और वैश्विक संकेत अमेरिकी फेडरल के मौद्रिक सख्त चक्र से बाहर निकलने की अधिक संभावना का सुझाव दे रहे हैं, जिससे राहत मिलेगी। पिछले हफ्ते अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने ब्याज दर 0.25 अंक बढ़ाकर 5.25 से 5.5 प्रतिशत कर दी थी, जिससे यह कई वर्षों के उचतम स्तर पर पहुंच गई है।

न्यूज ब्रीफ

एसबीएफसी फाइनेंस का आईपीओ अगले हफ्ते ओपन होगा: 3 से 7 अगस्त तक कर सकेंगे अप्लाय, प्राइस बैंड 54 से 57 प्रति शेयर

नई दिल्ली। नॉन बैंकिग फाइनेंस कंपनी एसबीएफसी फाइनेंस लिमिटेड का आईपीओ पब्लिक सब्सक्रिप्शन के लिए अगले हफ्ते ओपन होगा। इस इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग यानी आईपीओ के जरिए कंपनी 1025 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। रिटेल निवेशक इस आईपीओ के लिए 3 से 7 अगस्त तक बोली लगा सकेंगे। 14 अगस्त को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर कंपनी के शेयर लिस्ट होंगे। रिटेल निवेशक को मिनिमम एक लॉट यानी 260 शेयरों के लिए अप्लाय करना होगा। कंपनी ने आईपीओ का प्राइज बैंड 54-57 रुपए प्रति शेयर रखा है। यदि आप आईपीओ के अपर प्राइज बैंड 57 रुपए के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय करते हैं तो आपको 14,820 रुपए लगाने होंगे। रिटेल निवेशक अधिकतम 13 लॉट के लिए बिडिंग कर सकते हैं, जिसके लिए 1,92,660 रुपए इन्वेस्ट करने होंगे। इस इश्यू के लिए कंपनी 600 करोड़ के फ्रेश इक्विटी शेयर जारी करेगी। जबकि 425 करोड़ रुपए के शेयर्स कंपनी के प्रमोटर ऑफर फॉर सेल के जरिए बेचेंगे। फ्रेश इश्यू से होने वाली इनकम का यूज कंपनी कैपिटल बेस बढ़ाने और भविष्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए करेगी। कंपनी के इश्यू का 50प्रतिशत हिस्सा क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स के लिए रिजर्व रखा गया है। इसके अलावा 35प्रतिशत हिस्सा रिटेल इनवेस्टर्स और बाकी 15प्रतिशत हिस्सा नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व है।

यूको बैंक का पहली तिमाही में नेट प्रॉफिट 80 प्रतिशत बढ़ा, एनपीए में भी हुआ सुधार

कोलकाता। यूको बैंक ने अप्रैल-जून तिमाही में शानदार प्रदर्शन करते हुए नेट प्रॉफिट में 80 फीसदी का उछाल दर्ज किया है। इसके साथ ही बैंक की आमदनी में भी जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की गई है। वहीं, यूको बैंक का नेट एनपीए 2.49 प्रतिशत के मुकाबले घटकर 1.18 प्रतिशत रह गया है। बैंक के एमडी और सीईओ अश्वनी कुमार ने इस पर खुशी जताते हुए सभी कर्मचारियों को बधाई दी और मेहनत से काम करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा, एनपीए का घटना एक सुखद अहसास है। साथ ही उन्होंने कहा कि यूको बैंक और बेहतरीन कार्य करने और सेवाएं देने के लिए तत्पर है। यूको बैंक ने जून तिमाही के नतीजे घोषित किए। बैंक ने बताया कि तिमाही के दौरान नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 80 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 223 करोड़ रुपये हो गया है। प्रॉफिट बढ़ने का कारण खराब लोन में गिरावट बताई गई है। कोलकाता बेस्ड लेंडर ने एक साल पहले की समान अवधि में 124 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट कमाया था। यूको बैंक ने नियामक फाइलिंग में बताया कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कुल आय 3,797 करोड़ रुपये के मुकाबले बढ़कर 5,857 करोड़ रुपये हो गई। बैंक की ब्याज से होने वाली आय एक साल पहले की समान तिमाही में 3,851 करोड़ रुपये से बढ़कर 5,224 करोड़ रुपये हो गई है।

सर्विस चार्ज पर गाइडलाइन जारी करने की मांग: सीटीआई ने वित्तमंत्री को लेटर लिखकर कहा- एक्स्ट्रा चार्ज बिल में जुड़ना ही नहीं चाहिए

नई दिल्ली। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से एक सर्विस पर दो शुल्क लगाए जाने को लेकर स्पष्ट गाइडलाइन जारी करने की मांग की है। इस संबंध में सीटीआई ने वित्त मंत्री को एक लेटर लिखा है। इस मुद्दे पर सीटीआई चेयरमैन बृजेश गोयल और अध्यक्ष सुभाष खंडेलवाल ने कहा, गुड्स एंड सर्विस टैक्स आने के बाद सर्विस चार्ज के नाम पर कस्टमर्स से एक्स्ट्रा चार्ज वसूलना ठीक नहीं है। वैट के समय अलग बात थी, तब कई टैक्स थे। जीएसटी को वन नैशन, वन टैक्स कॉन्सेप्ट पर लाया गया है। बृजेश गोयल ने बताया कि कई रेस्टोरेंट मालिक सर्विस चार्ज का भुगतान करने या नहीं करने का ऑप्शन ग्राहक की मर्जी पर छोड़ देते हैं। सीटीआई की मांग है कि ये बिल में जुड़ना ही नहीं चाहिए। इस पर वित्त मंत्री को स्पष्ट गाइडलाइन जारी करनी चाहिए।

आईटीआर फाइल करने के लिए आज आखिरी दिन

अब तक 5.83 करोड़ इनकम टैक्स रिटर्न हुए फाइल, आप खुद भर सकते हैं

नई दिल्ली।
फाइनेंशियल ईयर 2022-23 (असेसमेंट ईयर 2023-24) के लिए इनकम टैक्स रिटर्न भरने की डेडलाइन 31 जुलाई 2023 को खत्म हो जाएगी। यानी बिना किसी पेनल्टी के आईटीआर फाइल करने के लिए आपके पास सिर्फ कल का दिन और बचा है। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के अनुसार 30 जुलाई को दोपहर 1 बजे तक 5.83 करोड़ आईटीआर फाइल हो चुके हैं। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट आईटीआर के लिए कई बार रिमाइंडर भी जारी कर चुका है। अगर आप यह डेडलाइन मिस कर देते हैं, तो आपको बाद में रिटर्न फाइल करने के लिए फाइन देना पड़ सकता है। अगर आप बिजनेसमैन हैं और आपके बिजनेस की अकाउंट बुक को ऑडिटिंग की जरूरत है तो आप आईटीआर किसी चार्टर्ड अकाउंटेंट से भी फाइल करवा सकते हैं। हालांकि इनकम टैक्स डिपार्टमेंट खुद से भी आईटीआर दाखिल करने की परमिशन देता है। यदि आपने अभी तक आईटीआर फाइल नहीं किया है तो हम यहां आपको कुछ टिप्स बता रहे हैं, जिनकी मदद से आप गलती किए बिना खुद ही अपना आईटीआर रिटर्न समय से फाइल कर सकते हैं।

इससे पहले जानते हैं आईटीआर फाइल करना क्यों जरूरी है...

आईटीआर हर साल फाइल करना होता है। आप रिटर्न फाइल कर उस फाइनेंशियल ईयर के दौरान जो ज्यादा टैक्स पेमेंट किया है, उसका रिफंड क्लेम कर सकते हैं। आईटीआर डॉक्यूमेंट को इनकम और एड्रेस प्रूफ के तौर पर भी इस्तेमाल किया जा सकता है। 31 जुलाई

के बाद लेट फीस देनी होगी 31 जुलाई के बाद आईटीआर फाइल करने वाले टैक्सपेयर्स को लेट फीस देनी होगी। अगर किसी इंडिविजुअल टैक्सपेयर की सालाना आय 5 लाख रुपए से ज्यादा है, तब उसे 5000 रुपए की लेट फीस देनी होगी। अगर टैक्सपेयर की एनुअल इनकम 5 लाख रुपए से कम है, तब उसे लेट फीस के रूप में 1,000 रुपए भरने होंगे। फाइल करते समय पुरानी और नई टैक्स व्यवस्था में से अपने लिए सही ऑप्शन चुनें करदाताओं को इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने के दो ऑप्शन मिलते हैं। 1 अप्रैल, 2023 से नए स्लैब का ऑप्शन दिया गया था। नए टैक्स स्लैब में 5 लाख रुपए से ज्यादा आय पर टैक्स की दरें तो कम रखी गईं, लेकिन डिडक्शन छीन लिए गए हैं। वहीं अगर आप पुराना टैक्स स्लैब चुनते हैं तो आप कई तरह के टैक्स डिडक्शन का फायदा ले सकते हैं। कैसे फाइल कर सकते हैं इनकम टैक्स रिटर्न सबसे पहले इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की ऑफिशियल साइट पर जाएं। अपना यूजर आईडी भरें और फिर क्लिक करें। अपना पासवर्ड डालें और लॉगिन करें। अगर पासवर्ड याद नहीं है तो नया पासवर्ड बना सकते हैं। लॉगिन करने के बाद एक पेज ओपन होगा, जहां पर क्लिक करें। उसके बाद ऑप्शन को सिलेक्ट करें। असेसमेंट ईयर 2023-24 को सिलेक्ट करें। आपकोऑप्शन मिलेगा। इसमें आप ओनलाईन को सिलेक्ट करें और पर्सनल ऑप्शन को चुनें। अब आईटीआर-1 या आईटीआर-4 में से किसी एक ऑप्शन को चुनें। अगर आप सैलरीड हैं तो फिर आईटीआर-1 को सिलेक्ट करें। उसके बाद आपके सिस्टम पर फॉर्म डाउनलोड हो जाएगा। इसके बाद आपके सामने सिलेक्ट किया गया फॉर्म खुल जाएगा, जिसमें सभी मांगी गई जानकारियां भरें और सेव करते रहें। इसमें बैंक खाते की डिटेल सही से भरें। अगर आप ऊपर मोड सिलेक्ट करते हैं तो फिर डाउनलोड फॉर्म में सभी जानकारियां भरने के बाद आपको ऑप्शन नजर आएगा, जहां अपने फॉर्म को अटैच करें। फाइल को अटैच करने के बाद, साइट फाइल को वैलिडेट यानी सत्यापित कर देगी और वैलिडेशन के बाद क्लिक करें। इस तरह से कुछ ही मिनटों के भीतर आपका रिटर्न फाइल हो जाएगा और अब आप अपने रिटर्न को वैरिफाई करने के लिए कर सकते हैं। 5 करोड़ से ज्यादा लोगों ने भरा इनकम टैक्स रिटर्न वर्ष 2022-23 (असेसमेंट ईयर 2023-24) के लिए 5 करोड़ से ज्यादा लोग अपना इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल कर चुके हैं। इनकम टैक्स इंडिया ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। आयकर विभाग ने ट्वीट में कहा, 27 जुलाई तक 5.03 करोड़ लोग आईटीआर फाइल करा चुके हैं। इनमें से 4.46 करोड़ आईटीआर को ई-वेरिफाई किया गया है, यानी दाखिल किए गए 88प्रतिशत से अधिक आईटीआर को इलेक्ट्रॉनिक रूप से वेरिफाई किया गया है। ई-वेरिफाइड आईटीआर में से 2.69 करोड़ से अधिक आईटीआर पहले ही प्रोसेस हो चुके हैं। आयकर विभाग ने कहा, टैक्सपेयर्स की मदद के लिए हमारा हेल्पडेस्क 24×7 काम कर रहा है। हेल्प डेस्क आईटीआर दाखिल करने, टैक्स पैमेंट और अन्य संबंधित सेवाओं के लिए लोगों की मदद कर रहा है। हम कॉल, लाइव चैट, वेबेक्स सेशन और सोशल मीडिया के माध्यम से मदद कर रहे हैं। हम उन सभी से अपील करते हैं जिन्होंने आईटीआर दाखिल नहीं किया है, वे अंतिम समय की भीड़ से बचने के लिए जल्द से जल्द अपना आईटीआर दाखिल करें।

बीओआई ने एफडी की ब्याज दरों में किया बदलाव

स्पेशल एफडी मानसून डिपॉजिट भी शुरू की, इसमें मिलेगा 7.25प्रतिशत इंटरेस्ट

नई दिल्ली।
बैंक ऑफ इंडिया फिक्स्ड डिपॉजिट यानी एफडी की ब्याज दरों में कटौती की है। अब बैंक में साल की एफडी कराने पर आपको 6प्रतिशत सालाना ब्याज मिलेगा। नई ब्याज दरें 2 करोड़ से कम की एफडी पर लागू हो गई हैं। इसके अलावा बैंक ने खास डिपॉजिट स्कीम मानसून डिपॉजिट लॉन्च की है। मानसून डिपॉजिट के तहत 400 दिनों एफडी करानी होगी। बैंक की ओर से इस स्पेशल एफडी पर सबसे अधिक 7.25प्रतिशत का ब्याज दिया जा रहा है।

एक्सिस बैंक ने एफडी की ब्याज दरें घटाईं

एक्सिस बैंक ने 2 करोड़ से कम रकम की फिक्स्ड डिपॉजिट की ब्याज दरों में संशोधन किया है। बैंक ने चुनिंदा एफडी की ब्याज दर में 10 बेसिस प्वाइंट्स (0.10प्रतिशत) की कटौती की है। एक्सिस बैंक 7 दिनों से लेकर 10 साल तक की अवधि की एफडी पर 3.50-7.10प्रतिशत सालाना की दर से ब्याज दे रहा है।

एफडी से मिलने वाले ब्याज पर भी देना होता है टैक्स

एफडी से मिलने वाला ब्याज पूरी तरह से टैक्सेबल होता है। आप एक साल में एफडी पर जो भी ब्याज कमाते हैं, वो आपकी एनुअल इनकम में जुड़ता है। कुल आय के आधार पर, आपका टैक्स स्लैब निर्धारित किया जाता है। चूंकि एफडी पर अर्जित इंटरेस्ट इनकम को इनकम फ्रॉम अदर सोर्सेज माना जाता है, इसलिए इसे टैक्स डिडक्टेड एट सोर्स या टीडीएस के तहत चार्ज किया जाता है। जब आपका बैंक आपकी ब्याज आय को आपके अकाउंट में जमा करता है, तो उसी समय टीडीएस काट लिया जाता है। यदि आपकी कुल आय एक वर्ष में 2.5 लाख रुपए से कम है, तो बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट पर टीडीएस नहीं काटता है। हालांकि, इसके लिए आपको फॉर्म 15 जमा करना पड़ेगा। ऐसे में अगर आप टीडीएस बचाना चाहते हैं तो फॉर्म 15 जरूर जमा करें।

एनसीसीएफ ने 15 दिन में दिल्ली-यूपी, राजस्थान में 560 टन टमाटर बेचे; 70 रुपये/किलो की दर से बिक्री जारी

नई दिल्ली।
आसमान छूती कीमतों के बीच राष्ट्रीय उपभोक्ता सहकारी संघ (एनसीसीएफ) लोगों को रियायती दरों पर टमाटर उपलब्ध रहा है। इस बीच एनसीसीएफने बताया कि पिछले 15 दिनों में दिल्ली, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में रियायती दर पर 560 टन टमाटर बेचे गए हैं। रियायती दरों पर टमाटर की बिक्री अब भी जारी है। ऐसा इसलिए क्योंकि खुदरा कीमतें अभी भी ऊंची बनी हुई हैं। इसकी वजह प्रमुख उत्पादक रायों में भारी बारिश बताई जा रही है।

तीनों रायों में 70 रुपये प्रति किलो टमाटर बेच रहा एनसीसीएफ

दरअसल, एनसीसीएफ ने 14 जुलाई को 90 रुपये प्रति किलोग्राम की रियायती दर पर टमाटर की बिक्री शुरू की थी। इसके बाद टमाटर की कीमत घटाकर 70 रुपये प्रति किलोग्राम कर दी गई थी। पिछले एक हफ्ते से एनसीसीएफ तीनों रायों में 70 रुपये प्रति किलो टमाटर बेच रहा है। टमाटर की ऊंची कीमतों से उपभोक्ताओं को राहत दिलाने के लिए एनसीसीएफ केंद्र सरकार की ओर से टमाटर बेच रहा है। इसके अलावा ह्रस्नश्वष्ठ बिहार और अन्य रायों में रसोई के प्रमुख खाद्य पदार्थों को रियायती

दामों पर लोगों तक पहुंचा रहा है। एनसीसीएफ के प्रबंध निदेशक एनीस जोसेफ चंद्रा ने बताया कि हमने 28 जुलाई तक दिल्ली, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में लगभग 560 टन टमाटर बेचे हैं। तीनों रायों में बिक्री जारी है।

ऐसे की जा रही बिक्री

एनसीसीएफ दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में मोबाइल वैन, केंद्रीय भंडार के चुनिंदा खुदरा दुकानों और ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स के जरिए लोगों तक टमाटर पहुंचा रहा है। अन्य दो रायों में इसे मोबाइल वैन के जरिए बेचा जा रहा है।

दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले से एफएटीएफ समीक्षा के दौरान भारत को मिलेगी मदद, वित्तीय अधिकारियों का दावा

नई दिल्ली।
वित्तीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों के शीर्ष अधिकारियों ने कहा है कि हाल ही में दिल्ली उच न्यायालय के एक फैसले ने अमेरिकी ऑनलाइन भुगतान गेटवे पैपाल को धन शोधन विरोधी कानून के तहत एक रिपोर्टिंग इकाई घोषित किया है, जिससे यह भारत के प्रयासों को यह दिखाने को बढ़ावा मिलेगा कि उसकी वित्तीय प्रणालियां मजबूत हो रही हैं, जो अभी एफएटीएफ की समीक्षा के तहत हैं। न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा की अदालत ने 24 जुलाई को फैसला सुनाया कि पैपाल धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत भुगतान प्रणाली ऑपरेटर के रूप में देखा जा सकता है। हालांकि, अदालत ने दिसंबर 2020 में वित्तीय खुफिया इकाई (एफआईयू) द्वारा फर्म पर लगाए गए 96 लाख रुपये के जुर्माने को रद्द कर दिया। पेरिस स्थित वैश्विक निकाय फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स धनशोधन और आतंकवादी वित्तपोषण अपराधों के

खिलाफ कार्रवाई का नेतृत्व करता है। वर्तमान में इसमें भारत की धनशोधन रोधी प्रणाली की समीक्षा चल रही है। एफएटीएफ टीम का दौरा नवंबर में शुरू होने की उम्मीद है। वित्तीय अधिकारियों ने बताया कि पीएमएलए के तहत रिपोर्टिंग इकाई के रूप में पैपाल का वर्गीकरण यह सुनिश्चित करेगा कि ऐसे सभी बड़े भुगतान गेटवे और प्लेटफॉर्म विनियमित हों और वे पीएमएलए के तहत एफआईयू के साथ निर्धारित संदिग्ध लेनदेन रिपोर्ट (एसटीआर) और सीमा पार वायर ट्रांसफर रिपोर्ट साझा करें।एफआईयू इन रिपोर्टों को विभिन्न जांच एजेंसियों को प्रसारित करता है जो धनशोधन, कर चोरी और अन्य गंभीर वित्तीय धोखाधड़ी की जांच करते हैं। एक जांच एजेंसी के साथ काम करने वाले एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि ऐसे सभी भुगतान गेटवे और भुगतान प्रणाली ऑपरेटर करोड़ों रुपये के लेनदेन को सक्षम करते हैं और यह जानना बहुत आवश्यक है कि कहां क्या हो रहा है। वित्तीय जांचकर्ताओं का कहना है कि उच न्यायालय के हालिया फैसले से एफआईयू को रिपोर्टिंग इकाई व्यवस्था के तहत ऐसे करीब एक दर्जन और भुगतान गेटवे के परिचालन में मदद मिलेगी, जबकि देश में काम कर रहे कई भुगतान गेटवे पहले से ही एफआईयू को एसटीआर की सूचना दे रहे हैं।

ईवी बायर्स को लौटानी पड़ सकती है सब्सिडी की राशि

एसएमईवी ने सरकार से कहा- ग्राहकों से भी व्हीकल सब्सिडी की रिकवरी की जाए

नई दिल्ली।
इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर खरीद चुके ग्राहकों को सब्सिडी की राशि वापस करना पड़ सकता है, क्योंकि सोसाइटी ऑफ मैन्युफैक्चरर्स ऑफ इलेक्ट्रिक व्हीकल्स ने ग्राहकों को मिल चुकी सब्सिडी वापस लेने के लिए सरकार को लेटर लिखा है। इसमें कहा गया है कि ग्राहकों से भी व्हीकल सब्सिडी की रिकवरी की जाए।

दरअसल, हाल ही में एक रिपोर्ट सामने आई थी, जिसमें केंद्र सरकार ने हीरो इलेक्ट्रिक और ओकिनावा समेत इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बनाने वाली 7 कंपनियों से 469 करोड़ रुपए लौटाने को कहा है। ये कंपनियां फास्टर एडॉप्शन एंड मैन्युफैक्चरिंग ऑफ इलेक्ट्रिक व्हीकल्स योजना के नियमों का उलंघन कर प्रोत्साहन राशि (सब्सिडी) ले रही थीं।

इन कंपनियों पर कार्रवाई

- हीरो इलेक्ट्रिक
- ओकिनावा ऑटोटेक
- एम्पीयर ईवी
- रिवोल्ट मोटर्स
- बेनलिंग इंडिया
- एमो मोबिलिटी
- लोहिया ऑटो

कंपनियों की सरकार से मांग - भारी उद्योग मंत्री एमएन पांडे को लिखे पत्र में एसएमईवी ने कहा कि ईवी कंपनियों को सरकार से मिलने वाली सब्सिडी रद्द हो गई है, ऐसे में जिन ग्राहकों को कंपनियां पहले ही सब्सिडी दे चुके हैं, उनसे ये पैसा इन कंपनियों को वापस करने के लिए कहा जाए। कुछ ईवी कंपनियों को कस्टमर्स से ओवरचार्जिंग का पैसा वापस लौटाने के लिए कहा गया था। अगर सब्सिडी पूर्वप्रभाव से लागू होती है, तो ग्राहकों को सब्सिडी दे चुकी कंपनियों को पैसा वापस करने के लिए कहा जाए।

क्या है पूरा मामला -

शिकायत और जांच : मंत्रालय को फेड मैन्युफैक्चरिंग प्रोग्राम और नॉर्म्स के उल्लंघन की शिकायतें मिल रही थीं। इसके बाद मंत्रालय ने एआरएआई और आईसीएटी जैसी व्हीकल

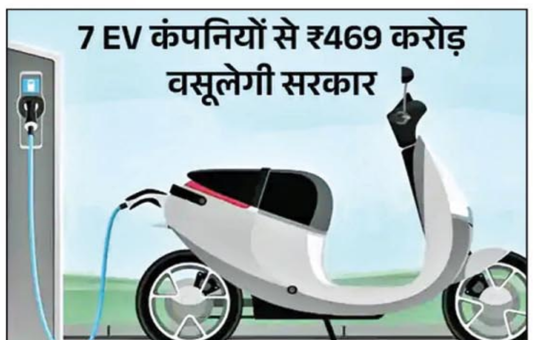

टेस्टिंग एजेंसियों को जांच करने की जिम्मेदारी सौंपी। इन एजेंसियों ने 13 ईवी कंपनियों के कंपोनेंट्स की सोर्सिंग पर विस्तृत जांच की। एजेंसियों ने प्लांट ऑडिट और व्हीकल्स की स्ट्रिप डाउन टेस्टिंग भी की। ये सभी जांच कंपनी के अधिकारियों की मौजूदगी में वीडियोग्राफी के साथ की गई।

जांच में क्या मिला : रिपोर्ट के अनुसार एक अधिकारी ने बताया कि हीरो इलेक्ट्रिक और ओकिनावा ने इम्पोर्टेड पार्ट्स का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया है, जो पीएमपी दिशानिर्देशों का उल्लंघन है। जिन पुर्जों को भारत में तैयार किया जाना चाहिए था, उन्हें भी बाहर से इम्पोर्ट किया गया है।

सरकार ने की कार्रवाई : सरकार ने इन कंपनियों से सब्सिडी की राशि ब्याज समेत लौटाने को कहा और दी जा रही सब्सिडी पर रोक लगा दी। राशि न लौटाने की स्थिति में इन कंपनियों को फेम-2 योजना से 7-10 दिन में डी-रजिस्टर कर दिया जाएगा और योजना में भाग लेने की अनुमति भी नहीं दी जाएगी। सरकार सब्सिडी को हड़पने के मामले में एफआईआर दर्ज कराने पर भी विचार कर रही है।

कहां पेंच फंसा है : सब्सिडी रोके जाने के बाद कुछ कंपनियों ने ग्राहकों को राहत देना जारी रखा। उन्हें उम्मीद थी कि जांच होने के बाद इसे फिर से बहाल कर दिया जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। 13 कंपनियां जांच के दायरे में, 6 कंपनियों को क्लीन चिट मंत्रालय की जांच के दायरे में हीरो इलेक्ट्रिक और ओकिनावा के अलावा 13 ईवी कंपनियां है। रिपोर्ट के अनुसार मंत्रालय के अधिकारी ने कहा, हमारी जांच में 6 कंपनियां पाक-साफ पाई गई हैं। इन कंपनियों को सरकार से क्लीन चिट दे दी गई है, लेकिन सात कंपनियों ने नियमों का उल्लंघन किया है। इसलिए हम 469 करोड़ रुपए मांग रहे हैं। उन्हें यह रकम सरकार को लौटानी होगी। अधिकारी ने कहा- 7 में से 2 ईवी कंपनियों ने मंत्रालय को सूचित किया है कि वे सब्सिडी की राशि ब्याज सहित लौटा देंगी। अधिकारी ने यह भी बताया कि सरकार ने इनमें से किसी भी कंपनी को वाहन बनाने से नहीं रोका है, लेकिन अब उन्हें इस योजना के तहत कोई सब्सिडी नहीं मिलेगी।

क्या है फेम-2 योजना - इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के मकसद से केंद्र सरकार ने फास्टर एडॉप्शन एंड मैन्युफैक्चरिंग ऑफ इलेक्ट्रिक व्हीकल योजना शुरू की थी। इसके तहत इलेकट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए इन पर सब्सिडी दी जाती है। फेम-1 योजना के तहत 800 करोड़ रुपए आवंटित किए गए थे। फेम-2 के लिए 2019 में 10 हजार करोड़ रुपए दिए गए हैं।

कमांडो 4 में भावना रेड्डी की भूमिका निभाएंगी अदा शर्मा

-ओटीटी और फिल्म के बीच की होंगी आम कड़ी

मुंबई (ईएमएस)। आगामी फिल्म कमांडो 4 में अभिनेत्री अदा शर्मा एक बार फिर से भावना रेड्डी की भूमिका निभाएंगी। एक्ट्रेस का कहना है कि वह ओटीटी और फिल्म के बीच आम कड़ी होंगी। कमांडो 2 और 3 में नजर आ चुकीं अदा ने कहा, हमने द केरल स्टोरी की रिलीज से पहले कमांडो की शूटिंग की थी। अदा ने कहा, मैं इस आधार पर प्रोजेक्ट नहीं चुनती कि यह किसी नए, अनुभवी अभिनेता या किसी लोकप्रिय व्यक्ति के साथ है। मैं जब भी किसी प्रोजेक्ट को चुनती हूं तो यह कभी भी निर्णायक कारक नहीं रहा है। मैं ह्यकमांडो 4ह्ल के ओटीटी वर्जन और फिल्म में भावना रेड्डी की भूमिका निभाऊंगी। वह ओटीटी और फिल्म के बीच आम कड़ी होंगी।ह्वअभिनेत्री ने कहा, मेरी पहली फिल्म 1920 थी और द केरला स्टोरी मेरी पिछली

रिलीज थी। मुझ पर वास्तव में अद्भुत भूमिकाएं निभाने का भरोसा किया गया था और मैं इसके लिए धन्य महसूस करती हूं। मुझे उम्मीद है कि सभी प्रतिभाशाली अभिनेताओं को अच्छी भूमिकाएं मिलेंगी ताकि वे दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर सकें। फिल्म में अदा अनोखे स्टंट और एक्शन करती नजर आएंगी। अदा अगली बार एक अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट में एक महिला सुपरहीरो की भूमिका निभाती नजर आएंगी। जब उस समय सुपरहीरो फिल्म की घोषणा की गई थी तो अदा ने कहा था, मैंने हमेशा महिला सुपरहीरो को बहुत अच्छा पाया है और मैं बस इतना कह सकती हूं कि हां, मैं अब एक भूमिका निभा रही हूं और मैं जल्द ही इसके बारे में और अधिक चीजें साझा करने के लिए इंतजार नहीं कर सकती। एक्शन एक ऐसी शैली है जिसका हिस्सा बनकर मैं वास्तव में आनंद लेती हूं। उन्होंने आगे कहा था, मुझे अलग-अलग भूमिकाएं निभाना पसंद है और मैं भाग्यशाली हूं कि लोग अलग-अलग किरदारों के लिए मेरे बारे में सोच रहे हैं। फिल्म के एक्शन निर्देशक एंडी लॉन्ग हैं जो अभिनेता और मार्शल आर्ट लीजेंड जैकी चैन के लिए कोरियोग्राफी करते हैं।

आदित्य द नाइट मैनेजर की सफलता से बटोर रहे तारीफें

-शादी के सवाल पर किया ये रिएक्ट

मुंबई (ईएमएस)। अपने पहले ओटीटी शो द नाइट मैनेजर की सफलता की वजह से आदित्य रॉय कपूर लोगों की तारीफें बटौर रहे हैं। आजकल वे अपनी लव लाइफ को लेकर भी सुर्खियों में हैं। एक्ट्रेस अनन्या पांडे के साथ डेटिंग रूमर्स के बीच दोनों की साथ में स्पेन में वक्त गुजारते स्पॉट किया गया, तो लोगों को शक और गहरा गया। हाल ही में उन्होंने अपने रिलेशनशिप, शादी और ट्रोलिंग को लेकर खुलकर बात की। आदित्य रॉय कपूर और अनन्या पांडे दोनों इन दिनों बी-टाउन की टॉप गॉसिप्स में बने हुए हैं। दोनों को कई बार साथ में स्पॉट कर लिया गया है, ऐसे में चर्चाए तेज हैं कि दोनों के बीच कुछ तो खास है। अब इन खबरों पर एक्टर ने रिएक्ट किया है और अपने रिलेशनशिप के साथ शादी तक के बारे में रिवील कर दिया है। आदित्य अपने रिलेशनशिप के बारे में कुछ बता क्यों नहीं रहे? ये सवाल हर किसी के मन में है। अब हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने लोगों के सारे सवालों के जवाब दिए। इन जवाबों से कोई तो कहेगा वाह बहुत बढ़िया, तो कोई कहेगा अरे ये क्या बात हुआ। अनन्या से रिलेशनशिप को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हमें फिलहाल इसे एक चर्चा का विषय बने रहने देना दीजिए। जब तक इस पर चर्चा हो रही है, यह अच्छी

बात है। अनुमान लगाना अच्छा होता है, चीजों को नेचुरल तरीकों से बहने दो। आदित्य रॉय कपूर से मिले इस जवाब के बाद उनसे पूछा गया कि आने वाले समय में वह कब तक सेटल हो जाएंगे? सवाल को सुनकर उन्होंने कहा, मेरे सारे साथी शादी कर रहे हैं, लेकिन मुझे फोमो यानी छूट जाने का डर महसूस नहीं हो रहा है। क्योंकि अभी तक केवल मुझे जोमो यानी मस्ती छूटने का डर ही है। जब भी चीजें होंगी, वो होंगी। मैं इसको लेकर अभी से अपनी नींद नहीं खराब कर सकता। साथ ही आज के समय में जब ज्यादातर एक्टर्स सोशल मीडिया पर एक्टिंग हैं, कुछ को इसकी बहुत जानकारी है और कुछ को नहीं, आदित्य दूसरी श्रेणी में आते हैं। मौजूद रहें या न रहें, होने वाली ट्रोलिंग से कोई बच नहीं सकता और इससे निपटने का आदित्य का अपना तरीका है। उन्होंने कहा कि मैं फिलहाल सोशल मीडिया पर ज्यादा एक्टिव नहीं हूं, तो मुझे अब तक इससे ज्यादा नहीं गुजरना पड़ा है। मैं वैसे ही बहुत कम चीजें पोस्ट करता हूं। लेकिन आपको सच-सच बताऊं तो मैं लोगों के रिएक्शन्स नहीं देखता। कभी-कभी लोग मुझे स्क्रीनशॉट्र्स भेजते हैं। शुक्र है कि वह नेगेटिव कॉमेंट्स को फिल्टर कर देते हैं।

सबा ने ऋतिक की सिंगल तस्वीर की शेयर

-अर्जेंटीना में छुट्टियां मना रहे ऋतिक रोशन

मुंबई (ईएमएस)। एक्टर ऋतिक रोशन अपनी गर्लफ्रेंड सबा आजाद के साथ अर्जेंटीना में छुट्टियां मना रहे हैं। अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर सबा ने कुछ प्यार भरी तस्वीरें शेयर की हैं। सबा ने ऋतिक की एक सिंगल तस्वीर शेयर की, जिसमें वह स्लीवलेस ब्लैक टी-शर्ट और मैचिंग कैप पहने नजर आ रहे हैं। तस्वीरें ब्यूनस आयर्स के एक रेस्तरां में क्लिक की गईं। इस फोटो पर सबा ने कैप्शन दिया, मेरा हिप्पो हार्ट। सबा ने ऋतिक के साथ एक सेल्फी भी शेयर की, जो किसी अलग लोकेशन की लग रही है। क्लिक में, लवबर्ड्स बीनी कैप में ट्विनिंग करते हुए कैमरे के सामने स्माइल कर रहे हैं। ऋतिक ने मैचिंग बीनी के साथ ब्लैक कलर की जैकेट पहनी है, जबकि सबा ने ग्रे बीनी के साथ पेस्टल ब्लू स्वेटर पहना हुआ है। उन्होंने इसे कैप्शन दिया, ब्यूनस डायस (सुप्रभात) सबा ने 2008 में फिल्म दिल कबड्डी में रागा का किर-

दार निभाकर बॉलीवुड में अपनी शुरूआत की। उन्हें रोमांटिक कॉमेडी फिल्म मुझसे फ्रैंडशिप करोगे में उनकी प्रमुख भूमिका के लिए भी जाना जाता है। उन्होंने 2016 वाई-फिल्म्स वेब सीरीज लेडीज रूम में डिंगो की भूमिका भी निभाई। उन्हें आखिरी बार वेब शो रॉकेट बॉयज में देखा गया था। सबा ने शाहिद कपूर स्टारर क्राइम थ्रिलर फर्जी के लिए टाइटल ट्रैक सब फर्जी भी गाया था। रितिक ने 20 दिसंबर 2000 को सुजैन खान से शादी की थी, लेकिन नवंबर 2014 में दोनों का तलाक हो गया। रितिक और सबा एक साल से ज्यादा समय से डेट कर रहे हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो, ऋतिक के पास एरियल एक्शन ड्रामा फाइटर प्रोजेक्ट है।

गदर 2 सिनेमाघरों में 11 अगस्त को होगी सिनेमाघरों में रिलीज

बालीवुड एक्टर सनी देओल और अमीषा पटेल फिल्म गदर 2 11 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। गदर 2 के ट्रेलर को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है और बीत 48 घंटे में इसे काफी अच्छे व्यूज मिले हैं। गदर 2 के ट्रेलर को 24 घंटे में 41 मिलियन लोग देख चुके थे। 24 घटें में सबसे ज्यादा देखे जाने वाले हिंदी फिल्मों के ट्रेलर की लिस्ट में फिल्म गदर 2 10वें स्थान पर है। फिलहाल खबर लिखे जाने तक फिल्म गदर 2 50 मिलियन लोग देख चुके थे। गदर 2- 41 मिलियन ट्रेलर जारी करने के बाद निमार्ताओं ने 27 जुलाई को इसका एक नया पोस्टर जारी किया था, जिसे भी दर्शकों द्वारा काफी पसन्द किया गया। हालांकि ट्रेलर में वो बात नजर नहीं आ रही है जो इसके पहले भाग गदरः एक प्रेम कथा में नजर आई थी। बता दें कि गदर 2 फिल्म को लेकर दर्शकों का उत्साह नजर आ रहा है। मेकर्स ने फिल्म का ट्रेलर कारगिल विजय दिवस के मौके पर यानी 26 जुलाई को रिलीज किया था।

माया बाजार फॉर सेल को मिल रहा पॉजिटिव रिस्पान्स

तेलुगु सीरीज माया बाजार फॉर सेल को दर्शकों की तरफ से काफी पॉजिटिव रिस्पान्स मिल रहे हैं। रिलीज के एक सप्ताह के अंदर 100 मिलीयन स्ट्रीमिंग मिनट्स तक पहुंच चुकी है। यह सीरिज 14 जुलाई को ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर रिलीज हुई है। इस सीरीज को गौतमी चल्लागुल्ला ने डायरेक्ट किया है जिसमें नवदीप पल्लापोलु, ईशा रेब्बा, डॉ नरेश विजया कृष्णा, हरि तेजा, झांसी लक्ष्मी, मियांग चांग, सुनैना और कोटा श्रीनिवास राव सहित एक बेहद प्रतिभाशाली स्टार कास्ट द्वारा रेखांकित श्रृंखला को दुनिया भर में आलोचकों और प्रशंसकों द्वारा जबरदस्त सराहना मिली।

वहीं वेब सीरीज के बारे में बात करते हुए झी-5 के चीफ बिजनेस ऑफिसर मनीष कालरा ने कहा कि किया इतने कम समय में माया बाजार फॉर सेल को मिली प्रतिक्रिया से हम बेहद खुश हैं। यह उन कहानियों के प्रमाण के रूप में खड़ा है जो झी-5 पेश कर रहा है।

सुपरस्टार रितेश पांडे का नया गाना 'बरसेला सावनवा' रिलीज

भोजपुरी सुपरस्टार रितेश पांडे का नया सावन स्पेशल गाना बरसेला सावनवा रिलीज होने के साथ ही वायरल हो गया है। रितेश के इस गाने पर बाबा के धाम जा रहे श्रद्धालु भी झूमने लगे। सावन के महीने को बाबा भोलेनाथ का पूजन करने के लिए भी उत्कृष्ट माना जाता है। इसी को लेकर रितेश पांडे का यह गाना है, जिसे 10 लाख से अधिक लोग देख चुके हैं। यह गाना टी सीरीज हमार भोजपुरी के ऑफिशियल यू-ट्यूब चैनल से रिलीज हुआ है। इस गाने के म्यूजिक वीडियो में रितेश पांडे के साथ तनु यादव की केमिस्ट्री लाजवाब है। गाना बरसेला सावनवा को लेकर रितेश पांडे ने कहा कि बाबा भोलेनाथ की महिमा अपरंपार है। भोले की महिमा

में मगन सभी श्रद्धालुओं को हमारा यह गाना समर्पित है। उम्मीद करता हूं कि यह गाना सभी को पसंद आएगा और आप का प्यार और आशीर्वाद हमें यूं ही मिलता रहेगा। गायिका प्रियंका सिंह का कहना है कि यह गाना उनके लिए बेहद खास है। उन्होंने कहा कि सावन का महीना खासकर माता और बहनों के लिए मां पार्वती की ओर से बेहद शुभ होता है। इसलिए मैं माताओं एवं बहनों से अपील करूंगी कि आप हमारे गाने को खूब सुने और अपने पूजन को सफल बनाएं। बरसेला सावनवा के गीतकार आरआर पंकज और संगीतकार विकी वॉक्स हैं।

शबाना आजमी के संग 87 की उम्र में धर्मेन्द्र के इंटीमेट सीन देखकर फैंस हुए हैरान

फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' ने कम समय में ही काफी लोकप्रियता हासिल कर ली है। इसलिए यह फिल्म काफी चर्चा में है, लेकिन फिलहाल इस फिल्म के एक सीन से फैंस हैरान हैं। फिल्म में 87 साल के धर्मेंद और शबाना आजामी के बीच एक लिपलॉक सीन है। इसके चलते सोशल मीडिया पर चचाओं की बाढ़ आ गई है। हालांकि एक्ट्रेस शबाना आजामी और धर्मेंद के बीच इस किसिंग सीन से फैंस चौंक गए थे, लेकिन अब इस सीन के बाद फिल्म आगे बढ़ गई है और चर्चा शुरू हो गई है कि यह धर्मेंद का इस साल का सदाबहार रोमांस है तो किसी ने उनकी तारीफ की है, कोई उनकी

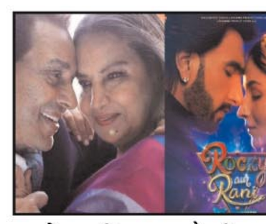

आलोचना लिख रहा है। फिलहाल सोशल मीडिया पर नेटिजेंस ने उन्हें खूब ट्रोल किया है। शबाना आजामी से पहले धर्मेंद्र ने 72 साल की उम्र में नफीसा अली के साथ किसिंग सीन दिया था। यह फिल्म वर्ष 2007 में आई फिल्म 'लाइफ इन मेट्रो' से है। वर्ष 1996 में आई फिल्म 'फायर' में शबाना आजमी का लेस्बियन किसिंग सीन था। फिल्म में नंदिता दास भी थीं। पिछले साल से ही फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' का सभी को बेसब्री से इंतजार है। यह फिल्म करण जौहर की सबसे बड़ी और नवीनतम फिल्म है। इस फिल्म में महंगे सेट, कॉस्ट्यूम, डांस, म्यूजिक, ड्रामा, रोमांस, इमोशन्स सब कुछ देखने को मिलने वाला है, इसलिए यह फिल्म खूब चर्चा में रही। इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज होने के बाद भी दर्शकों की चाहत बनी हुई थी। अब आखिरकार फैंस का इंतजार खत्म हो गया है और फिल्म 28 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर 11 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर की है।

काम से ज्यादा हॉट लुक्स को लेकर चर्चा में मेगन

अपने काम से ज्यादा हॉट लुक्स को लेकर हॉलीवुड एक्ट्रेस मेगन फॉक्स चर्चा में रहती हैं। अब हाल ही में फिर मेगन ने अपनी कुछ लेटेस्ट लुक की तस्वीरें शेयर की हैं, जिन्हें देख फैंस खूब आहें भर रहे है। एक्ट्रेस की ये फोटोज सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। तस्वीरों में देखा जा सकता है कि मेगन सनसेट के समय समंदर किनारे अपनी हॉटनेस का कहर बरपा रही हैं। ब्लैक ट्रांसपेरेंट ड्रेस के साथ सिल्वर बिकिनी में एक्ट्रेस के क्लीवेज साफ नजर आ रहे हैं और वह बीच किनारे किलर अंदाज में पोज दे रही हैं। फैंस मेगन की ये हॉटनेस हजम नहीं कर पा रहे हैं और कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं। काम की बात करें तो मेगन फॉक्स को आखिरी बार फिल्म जॉनी एंड क्लाडे में देखा गया था। अब वह जल्द ही फिल्म एक्सपेंड4ब्लेस में नजर आएंगी। बता दें कि मेगन अक्सर अपनी किलर तस्वीरें शेयर कर फैंस के होश उड़ा देती हैं।

कार्तिक को लेकर भूल भुलैया-3 की तैयारी शुरू

- फिल्म की पटकथा पर चल रहा है काम

मुंबई (ईएमएस)। गत माह प्रदर्शित हुई फिल्म सत्यप्रेम की कथा की जबरदस्त सफलता ने कार्तिक की आलोचना करने वालों का मुँह बंद कर दिया है। इस फिल्म की सफलता के तुरन्त बाद साजिद नाडियाडवाला ने उनके साथ अगली फिल्म चंदू चैम्पियन शुरू कर दी, जिसका निर्देशन कबीर खान कर रहे हैं। अब यह कहा जा रहा है कि भूषण कुमार अपनी सफलतम फिल्म भूल भुलैया-2 को आगे बढ़ाने जा रहे हैं। उन्होंने कार्तिक आर्यन का लेकर भूल भुलैया-3 की तैयारी शुरू कर दी है। पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक कार्तिक आर्यन की फिल्म भूल भुलैया 3 अगले साल यानी 2024 की फरवरी तक फ्लोर पर जाने के लिए तैयार है। फिल्म की इस समय स्क्रिप्ट लिखी जा रही है और टीम इस हॉरर कॉमेडी फ्रेंजाइजी के तीसरे पार्ट के लिए बेसिक प्लॉट को लॉक कर लिया है। अब इस बेसिक प्लॉट को एक कहानी के तौर पर विकसित किया जा रहा है। भूषण कुमार खुद फिल्म भूल भुलैया 3 के सभी पहलुओं को सही करने पर बारीकी से काम कर रहे हैं और फरवरी, 2024 तक फिल्म को फ्लोर पर जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। फिल्म को चार महीने में शूट किया जाएगा। बताया जा रहा है कि मेकर्स कार्तिक आर्यन की फिल्म भूल भुलैया 3 की साल 2024 की दीवाली पर रिलीज करने की प्लानिंग कर रहे हैं। बता दें कि कार्तिक आर्यन इस वर्ष की शुरूआत में शहजादा में दिखाई दिए थे। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म का जो हश्र हुआ उसे देखते हुए महसूस किया गया और कहा गया कि कार्तिक आर्यन को जो सफलता मिली है वो एक तुका है, उसमें उनकी मेहनत नहीं है।

सुष्मिता सेन स्टारर वेब सीरीज 'ताली' का टीजर हुआ रिलीज

एक्ट्रेस सुष्मिता सेन इन दिनों अपनी आने वाली वेब सीरीज ताली को लेकर चर्चा में हैं। वेब सीरीज ताली 15 अगस्त को रिलीज होगी। इस वेब सीरीज का टीजर हाल ही में रिलीज किया गया है। वेब सीरीज ताली एक सामाजिक कार्यकर्ता गौरी सावंत पर आधारित है, जो लगातार तीसरे वर्ग के लिए काम करती हैं। इसमें सुष्मिता सेन मुख्य भूमिका निभा रही हैं। इस वेबसीरीज का टीजर इस वक्त चर्चा में है। हाल ही में रिलीज हुए वेबसीरीज ताली के टीजर की शुरूआत गौरी सावंत के परिचय से होती है। हाय मैं गौरी हूं। सचमुच आपकी, गौरी सावंत। कोई उन्हें हिजड़ा कहता है, कोई सामाजिक कार्यकर्ता, कोई नाटककार तो कोई गेम चेंजर। यह कहानी इसी यात्रा के बारे में है। इस डायलॉग में गली से ताली तक, आत्मसम्मान, सम्मान और आजादी, मुझे तीनों चाहिए सुनाई देता है। इसमें सुष्मिता सेन का भी स्टनिंग लुक नजर आ रहा है। इस वेब सीरीज

का निर्देशन रवि जाधव ने किया है। इसे क्षितिज पटवर्धन ने लिखा है। यह वेबसीरीज जियो सिनेमा पर दिखाई जाएगी। इस वेब सीरीज में कुल 6 एपिसोड होंगे।

सूडोकु नवताल- 6508

★★★★☆ कठिन

4							1	8
			6	7				2
			8					
	8	5						
	2			1			7	
						3	5	
					5			
1				4	7			
9	6							4

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6507 का हल

1	9	7	4	8	6	2	3	5
4	5	3	9	1	2	7	6	8
2	6	8	7	3	5	9	1	4
5	3	1	2	7	9	4	8	6
9	2	4	8	6	1	5	7	3
7	8	6	5	4	3	1	9	2
3	4	9	6	2	7	8	5	1
6	7	2	1	5	8	3	4	9
8	1	5	3	9	4	6	2	7

शब्दजाल - 7255

दा	रा	अ	ति	थि	ग	दा	मा	य	क	चि
मा	च	र	ह	रिं	लै	ता	दि	शा	को	भू
द	आ	ह	झि	दा	चि	सिं	बे	ला	ल	ख
प	जा	खि	च	ल	क	ड़	हा	दा	र	ह
ट्र	द	र	री	हा	मि	री	अ	न	प	ढ़
ह	ह	प	व	ड्ड	ह	ला	प	ड़	न	ती
ट	ट	बु	अं	र	कू	ट	ना	ला	ह	क
दो	मु	सा	फि	र	छ	सौ	खू	ट	जू	ट
स	थो	तें	व	ह	ज	दा	न	दा	र	द
अं	खि	यों	के	झ	रो	खे	से	न	रु	थो
त	ड़	पा	ब	द	ल	ते	रि	श्ते	ह	ट

शब्द जाल में 1978 में प्रदर्शित 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए.शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

आखिरी डाकू, अनपढ़, अपना खून, भूख, अतिथि,आजाद,बदलते रिश्ते, दामाद, दो मुसाफिर, अंखियों के झरोखे से

शब्दजाल - 7254 का हल

आ	धा	र	शि	ला	का	धि	का	र	प	गो
धा	म	क	म	इं	डे	बा	ग	ति	मा	ला
र	दा	ने	ला	मा	ग	जा	द	अ	शां	ति
सि	ग	ल	सा	जा	न	र	ध	प	लि	अ
त	अ	अ	र	म	न	मे	ह	मा	न	ग्नि
अ	ना	का	र	व	ने	का	त	न	र	प
ग	मा	ल	मा	व	अ	ला	र	मा	न	री
र	बे	मि	सा	ल	प	स	अं	ल	वि	क्षा
क	जु	बा	अ	लं	का	र	गू	न	जू	दे
र	बा	ति	मा	न	सिं	ब्रा	र	का	प	श
बां	न	ल	प	ब	गा	व	त	प	र	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6208

4	7		6		2	
	34	6	38		25	
5	1			6	2	4
	30	1	33		34	
3			4		1	6
	31	4	31	4	34	
2	3		4			7

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6207 का हल

7	6	5	4	1	3	2
4	36	2	34	6	26	1
5	1	6	3	7	2	4
6	34	1	33	3	30	5
3	5	7	4	2	1	6
2	27	4	35	4	36	7
1	2	3	6	5	7	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

बुमराह ने पहला प्रैक्टिस मैच खेला : 10 ओवर फेंके, एक विकेट भी लिया ; प्रसिद्ध कृष्णा भी पूरी तरह फिट

जसप्रीत बुमराह

मुंबई।

भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पूरी तरह से फिट हो गए हैं। उन्होंने बेंगलुरु में मुंबई युवा टीम के खिलाफ पहला प्रैक्टिस मैच खेला। उन्होंने इस मैच में दो स्पेल में 10 ओवर गेंदबाजी की। वे जल्द ही आयरलैंड दौरे से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी कर सकते हैं। बुमराह के अलावा तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने भी एक अन्य प्रैक्टिस मैच में गेंदबाजी की।

बुमराह ने 34 रन देकर 1 विकेट भी लिया

बेंगलुरु के अलूर में मुंबई के युवा खिलाड़ियों के खिलाफ एक प्रैक्टिस मैच में बुमराह ने 10 ओवर गेंदबाजी की और 34 रन देकर 1 विकेट लिया। उन्होंने अपने स्पेल में 2 ओवर मेडन भी डाले।

प्रसिद्ध कृष्णा ने तीन स्पेल में 10 ओवर फेंका

बुमराह के अलावा प्रसिद्ध कृष्णा ने भी मुंबई युवा के खिलाफ ही एक अन्य प्रैक्टिस मैच में गेंदबाजी की। उन्होंने 3 स्पेल में 10 ओवर फेंके। कृष्णा को भी एक विकेट मिला। बीसीसीआई ने भी बुमराह-कृष्णा के फिट होने की दी थी जानकारी

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने 21 जुलाई को जारी मेडिकल अपडेट में बताया था कि बुमराह और कृष्णा फिट होने के करीब हैं। नेशनल क्रिकेट एकेडमी (एनसीए) उनके लिए प्रैक्टिस मैच आयोजित करेगी, जिसमें वह भाग लेंगे।

आयरलैंड के खिलाफ बुमराह-कृष्णा सकते हैं वापसी

बीसीसीआई सेक्रेटरी जय शाह ने भी हाल ही में बुमराह को लेकर कहा कि वह फिट हो गए हैं। उन्होंने कहा कि बुमराह आयरलैंड दौरे पर टीम में वापसी कर सकते हैं। टीम इंडिया को अगस्त के तीसरे हफ्ते में आयरलैंड दौरे पर जाना है। वहां उन्हें तीन टी-20 मैचों की सीरीज खेलनी है। पहला टी-20 मैच 18 अगस्त, दूसरा 20 अगस्त और तीसरा 23 अगस्त को होना है। उसके बाद टीम इंडिया को 30 अगस्त से शुरू होने जा रहे एशिया कप में भाग लेना है। उम्मीद है कि बुमराह और कृष्णा को आयरलैंड दौरे और एशिया कप में मौका मिल सकता है।

10 महीने से क्रिकेट से दूर हैं बुमराह

बुमराह इन दिनों बेंगलुरु स्थित एनसीए में रिहैब कर रहे हैं। वह सितंबर 2022 से क्रिकेट से दूर हैं। बुमराह बैक इंजरी की वजह से पिछले साल टी-20 एशिया कप और ऑस्ट्रेलिया में हुए टी-20 वर्ल्ड कप में भी टीम का हिस्सा नहीं थे।

वहीं इस साल जनवरी में उन्होंने न्यूजीलैंड में अपनी पीठ की सर्जरी कराई थी। उसके बाद से वह एनसीए क्रिकेट एकेडमी में डॉक्टरों की निगरानी में रिहैब कर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

सीजन के पहले एल-क्लासिको में बार्सिलोना की बड़ी जीत, यूएसए में रियल मैड्रिड को हराया

नई दिल्ली। स्पेन के क्लब बार्सिलोना ने सीजन के पहले एल-क्लासिको में अपने चिर प्रतिद्वंद्वी रियल मैड्रिड को बुरी तरह हरा दिया। अमेरिका के टेक्सास में खेले गए इस मैच में बार्सिलोना की टीम ने 3-0 से जीत हासिल की। दोनों टीमें प्री-सीजन टूर के लिए दौरे पर है। इस जीत के साथ बार्सिलोना ने ला लिगा में अपने विपक्षी टीमों को बता दिया है कि वह आगामी सीजन के लिए पूरी तरह तैयार है और खिताब को डिफेंड करने में सक्षम है। बार्सिलोना की टीम पिछले सीजन में स्पेन के प्रमुख फुटबॉल टूर्नामेंट ला लिगा को जीती थी। वह इस बार चैंपियंस लीग में भी उतरेगी। दिग्गज फुटबॉल जावी हर्नांडेज की कोचिंग में टीम के प्रदर्शन में काफी सुधार आया है। बार्सिलोना ने इस मैच की शुरुआत धमाकेदार अंदाज में की। उसके लिए मैच का पहला गोल अनुभवी खिलाड़ी ओस्मान डेम्बेले ने किया। उन्होंने 15वें मिनट में ही गोल कर टीम को मैच में 1-0 से आगे कर दिया। हाफटाइम तक बार्सिलोना की टीम 1-0 से ही आगे रही। मैच के आखिरी मिनटों में उसने दनादन दो गोल दागे। 85वें मिनट में फर्मिन लोपेज मार्टिन ने गोल किया। यह रियल मैड्रिड के खिलाफ उनका पहला गोल था। उनके बाद इंजरी टाइम (90+1वें मिनट) में फेरान टोरेस ने गोल कर स्कोर को 3-0 कर दिया। रियल की टीम विनिसियस जूनियर जैसे युवा स्टार थे, लेकिन वह एक भी गोल नहीं कर पाई। रियल मैड्रिड और बार्सिलोना के बीच ला लिगा के आगामी सीजन में दो मैच 29 अक्तूबर 2023 और 21 अप्रैल 2024 को होने हैं। मैच जीतने के बाद बार्सिलोना के कोच जावी ने कहा, नतीजा अलग हो सकता था। मैड्रिड के पास भी कई मौके थे। हमारे अंदर अति आत्मविश्वास नहीं होना चाहिए। परिणाम बहुत अनुकूल है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हमने एक सुपर मैच खेला। सुधार करने के लिए कई चीजें हैं।

वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स 2023: मनु भाकर ने जीते 2 गोल्ड, भारत 3 गोल्ड के साथ मेडल टैली में चौथे स्थान पर

बीजिंग। वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में भारतीय एथलीटों को चार मेडल मिले हैं। यूनिवर्सिटी गेम्स चीन के चेंगदू में हो रहा है। इवेंट के पहले दिन भारतीय एथलीटों ने 4 मेडल जीते। जिनमें तीन गोल्ड और एक ब्रॉन्ज मेडल शामिल है। भारत को तीनों गोल्ड शूटरों ने दिलाए हैं। यूथ ओलिंपिक गेम्स में भारत के लिए गोल्ड मेडल जीत चुकी मनु भाकर ने दो गोल्ड मेडल जीते। भाकर ने 10 मीटर एयर पिस्टल के इंडिविजुअल और टीम इवेंट में गोल्ड जीता। इसके अलावा 10 मीटर एयर राइफल में एलावेनिल वलारिवन भारत को तीसरा गोल्ड दिलाया। मनु भाकर ने विमेंस की 10 मीटर एयर पिस्टल में 239.7 पॉइंट के साथ गोल्ड जीता। जबकि हंगरी की सारा फैबिन ने सिल्वर जीता। वहीं चीनी ताइपे की यू जू चेन ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। 10 मीटर एयर पिस्टल में विमेंस टीम ने गोल्ड मेडल जीता। इस टीम में मनुभाकर के अलावा यशस्विनी देसवाल और अभिदन्या पाटिल पाटिल शामिल थीं। एलावेनिल वलारिवान ने 10 मीटर एयर राइफल में जीता गोल्ड वहीं महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल में एलावेनिल वलारिवान ने भारत की झोली में गोल्ड डाला। जबकि यूएसए की मैरी टकर सिल्वर और चीन के हैंग झिंग ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। वहीं जूडो में महिलाओं की 57 किलो वेट में यामिनी मॉर्या ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। वहीं इस कैटेगिरी में कोरिया की मिनी हब ने गोल्ड मेडल जीता।

फ्रांस ने ब्राजील को 2-1 से हराया, कप्तान रेनार्ड ने देश के लिए 90वां गोल किया

ब्रिसबेन। ईजुनेयी ली सोमेर 13वें मिनट में गोल करने से चूक गई थीं, लेकिन फिर उन्होंने 17वें मिनट में गोल करने में कोई गलती नहीं की। उन्होंने बॉक्स के अंदर से हेडर से गोल दागकर फ्रांस का मैच में खाता खोला। पहले हाफ में फ्रांस की टीम 1-0 से आगे रही। हालांकि दूसरे हाफ में ब्राजील की टीम ने वापसी करने में ज्यादा देर नहीं लगाई। ओलिविएरा 58वें मिनट में फ्रांस की खिलाड़ियों को चकमा देकर गोल करने में सफल रहीं और ब्राजील की मैच में वापसी करा दी। जब मैच के खत्म होने में सात मिनट बचे थे तब फ्रांस की रेनार्ड ने हेडर से गोल कर टीम को 2-1 से उपयोगी बढ़त दिलाई जो मैच के अंत तक कायम रखी। सेल्मा ने कॉर्नर से गेंद रेनार्ड को पास की और उन्होंने इसे गोल पोस्ट में भेजने में कोई गलती नहीं की। इस मुकाबले को देखने के लिए करीब 50,000 प्रशंसक स्टेडियम में पहुंचे थे।

द्रविड़ ने एक्सपेरिमेंट स्ट्रैटजी का बचाव किया

कहा- विराट-रोहित को खिलाते तो सवालों के जवाब नहीं मिलते ; आगे भी प्रयोग जारी रखेंगे

बारबाडोस।

टीम इंडिया के हेड कोच राहुल द्रविड़ ने वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में एक्सपेरिमेंट करने की स्ट्रैटजी का बचाव किया। दूसरे वनडे में विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे सीनियर खिलाड़ियों के बिना उतरी भारतीय टीम को 6 विकेट से हार झेलनी पड़ी। इस पर उन्होंने कहा, अगर रोहित-विराट को खिलाते तो वर्ल्ड कप से पहले हमें प्लेइंग-11 से जुड़े सवालों के जवाब नहीं मिल पाते।

द्रविड़ बोले, हमारा फोकस फिलहाल एशिया कप और वर्ल्ड कप पर है, टीम तीसरे वनडे में भी एक्सपेरिमेंट करने से पीछे नहीं हटेगी। भारत और वेस्टइंडीज के बीच 3 वनडे की सीरीज 1-1 से बराबरी पर है। तीसरा वनडे एक अगस्त को सैन फ्रांसिस्को में खेला जाएगा।

विराट-रोहित को खिलाते तो जवाब नहीं मिलते

वर्ल्ड कप से पहले प्लेयर्स ट्राय करने के लिए यही हमारा आखिरी मौका है। हमारे कुछ प्लेयर्स इंजर्ड भी हैं, जो एनसीए में हैं। अगले महीने से एशिया कप और उसके बाद वर्ल्ड कप शुरू हो जाएगा। हमारे पास टाइम ज्यादा बचा नहीं है, हम उम्मीद कर रहे हैं कुछ खिलाड़ी एशिया कप और वर्ल्ड कप से पहले तक फिट हो जाएंगे। लेकिन हम उनके साथ चांस नहीं ले सकते हैं, अगर वे फिट नहीं हुए तो हमें बाकी खिलाड़ियों के साथ जाना होगा। इसलिए बेंच पर बैठे खिलाड़ियों को भी गेम टाइम देना जरूरी है। इंटरनेशनल मैच में खिलाड़ियों को ट्राय करने से हमें भी उनके बारे में पता लगता है। एशिया कप से पहले ये हमारी आखिरी सीरीज है। विराट और रोहित को खिलाकर हम टीम के सामने खड़े सवालों का जवाब नहीं ढूंढ सकते थे। हमें कई बार विराट और रोहित जैसे खिलाड़ियों को बैठाकर नए खिलाड़ियों को ट्राय करने का रिस्क लेना ही होगा। अगर हम बड़े टूर्नामेंट पर नजर रखें तो इस तरह के एक्सपेरिमेंट करना बहुत जरूरी है।

बाहर की बातों से फर्क नहीं पड़ता

टीम के एक्सपेरिमेंट पर बाहर जो भी बातें हो रही हैं, उससे ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। टीम में सभी खिलाड़ी टैलेंटेड हैं। हम अपनी परफॉर्मेंस से थोड़े निराश जरूर हुए। पिच अछी थी, अगर हम 230-240 के आस पास स्कोर करते तो टारगेट अछा रहता। हमें शुरुआत अछी मिली, लेकिन हम उसे बड़े स्कोर में कन्वर्ट नहीं कर सके। मिडिल ऑर्डर में अगर कोई बैटर आखिर तक खेलता तो हम 60-70 रन ज्यादा बना पाते, जो टीम के लिए बेहतर रहता। सीरीज 1-1 से लेवल होने पर भी हमारा मोटिव एशिया कप और वर्ल्ड कप पर ही है। इंजर्ड प्लेयर्स को देखते हुए हम बाकी खिलाड़ियों को ज्यादा से ज्यादा मौके देना चाहते हैं।

सूर्यकुमार यादव वनडे क्रिकेट सीख रहे हैं

घरेलू क्रिकेट में सूर्यकुमार ने अछा परफॉर्म किया। उन्होंने आईपीएल के जरिए बहुत सारा टी-20 क्रिकेट खेला है, उनकी प्रतिभा में कमी नहीं है, लेकिन वह फिलहाल वनडे क्रिकेट में ग्रो करना सीख रहा है। हम उन्हें वनडे वर्ल्ड कप से पहले जितने ज्यादा चांस हो सके, उतने देना चाहते हैं। वो अभी मिडिल-ऑर्डर में (वनडे में) किस तरह से बैटिंग करना सीख रहे हैं है।

शुभमन गिल के स्कोर की चिंता नहीं

शुभमन के बारे में मुझे ज्यादा चिंता नहीं है, वो अछी बैटिंग कर रहे हैं। हम हर मैच के बाद उनके फॉर्म पर बात नहीं कर सकते, ऐसी चीजें होती हैं। कंडीशन उतनी भी आसान नहीं थीं। शुभमन अछी बैटिंग कर रहे हैं, वह तीनों फॉर्मेट में टीम का अहम हिस्सा हैं। उम्मीद है रि वह त्रिनिदाद में अछा परफॉर्म करेंगे।

ईशान किशन मौकों को अछे से भुना रहे

ईशान अपने मौकों को भुना रहे हैं। एक युवा खिलाड़ी के रूप में सबसे पहले आपको यही करना होता है, आपको जितने भी मौके मिले आप उन पर परफॉर्म करें। हम सभी (खिलाड़ियों) को एक बार में मौके नहीं दे सकते, लेकिन फिर भी जितने मौके पॉसिबल हैं, हम खिलाड़ियों को उतना देना चाहते हैं।

अफगानी प्लेयर सेदिकुल्लाह ने एक ओवर में 7 छक्के लगाए

19वें ओवर में 48 रन बने; गायकवाड भी लगा चुके हैं 7 सिक्स

मुंबई।

अफगानिस्तान के सेदिकुल्लाह अटल ने काबुल प्रीमियर लीग 2023 के 10वें मैच में एक ओवर में सात छक्के लगाए। टूर्नामेंट का 10वां मुकाबला शाहीन हंटर्स और अबासिन डिफेंडर्स के बीच को काबुल के अयोबी क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया।

अटल ने 56 गेंदों पर नाबाद 118 रन बनाए

अबासिन डिफेंडर्स ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले फील्डिंग का फैसला किया था। इस मुकाबले में शाहीन हंटर्स के कप्तान सेदिकुल्लाह अटल 56 गेंदों पर सात चौकों और 10 छक्कों की मदद से 118 रन बनाकर नाबाद रहे। अटल ने शाहीन हंटर्स की पारी के 19वें ओवर में आमिर जजई की गेंदों पर कुल सात छक्के लगाए। उस 19वें ओवर में कुल 48 रन आए।

शाहीन हंटर्स 20 ओवर में छह विकेट पर 213 रन बनाए। जवाब में अबासिन डिफेंडर्स 18.3 ओवर में 121 रन पर ऑल आउट हो गई। हंटर्स को 92 रन से जीत मिली।

एक ओवर में जमाए 7 छक्के

ओवर की पहली गेंद नो बॉल रही जिस पर अटल ने छक्का जमाया। इसके बाद अगली गेंद वाईड रही। अगली छह गेंदों पर जजई ने लगातार छह छक्के लगाए।

गायकवाड भी एक ओवर में लगा चुके हैं सात छक्के

भारतीय बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड भी एक ओवर में सात छक्के लगाने का कमाल कर चुके हैं। उन्होंने 2022-23 विजय हजारे ट्रॉफी के दौरान एक ओवर में सात छक्के लगाए थे। इस टूर्नामेंट का क्वार्टर फाइनल मुकाबला महाराष्ट्र और यूपी के बीच खेला गया था। गायकवाड ने शिवा सिंह की गेंद पर यह कमाल किया था।

कपिल देव ने कहा- क्रिकेटर्स को पैसों का घमंडः इन्हें लगता है वे सब जानते हैं; सीनियर्स की सलाह नहीं लेते, इसलिए गलतियां दोहरा रहे

मुंबई।

वर्ल्ड कप 1983 के विजेता कप्तान कपिल देव ने हाल ही में कहा- कभी-कभी ज्यादा पैसे होने से घमंड भी आ जाता है। मौजूदा दौर के खिलाड़ी पैसों के घमंड में पूर्व खिलाड़ियों से सलाह लेने नहीं जाते हैं और बार-बार एक ही गलती को दोहराते हैं। जबकि खेल में हमेशा सुधार की गुंजाइश रहती है।

उन्हें लगता है कि वे सब कुछ जानते हैं

कपिल देव ने कहा- क्रिकेटर्स को लगता है कि वे सब कुछ जानते हैं। पहले और आज के क्रिकेटर में यही अंतर है। मैं कहूंगा कि बहुत सारे क्रिकेटर हैं जिन्हें मदद की जरूरत है।

जब सुनील गावस्कर हैं, तो आप उनसे बात क्यों नहीं कर सकते उन्हें लगता है कि हम सब कुछ जानते हैं। हो सकता है कि वे सब कुछ जानते हों, लेकिन जिसने क्रिकेट के 50 सीजन देखे हों, उसकी अतिरिक्त मदद से कोई नुकसान नहीं होगा।

कपिल देव की कप्तानी में भारतीय टीम ने जीता था वर्ल्ड कप

कपिल देव की कप्तानी में ही भारतीय टीम ने 1983 में पहली बार वर्ल्ड कप जीता था। लॉर्ड्स के मैदान पर खेले गए फाइनल मुकाबले में भारत ने वेस्टइंडीज को 43 रनों से मात दी थी। विंडीज टीम इससे पहले 1975 और 1979 में विश्वकप जीत चुकी थी, ऐसे में फाइनल मुकाबले में वेस्टइंडीज को जीत का दावेदार माना जा रहा था।

गावस्कर भी कह चुके हैं ऐसा

हाल ही में बात करते हुए सुनील गावस्कर ने भी कहा था कि आज का कोई खिलाड़ी मेरे पास सलाह लेने नहीं आता। सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ और वीवीएस लक्ष्मण मेरे पास आकर बल्लेबाजी में आई खामियों को लेकर मेरे से बात करते थे।

गावस्कर ने कहा था कि वे किसी खास समस्या को लेकर मुझसे संपर्क करते थे। सीनियर्स आपको कुछ ऐसा बता सकते हैं जिस पर आपने गौर न किया हो

वर्ल्ड स्विमिंग चैंपियनशिप: ऑस्ट्रेलिया के स्विमर्स ने रीले में तोड़ा वर्ल्ड रिकॉर्ड, केटी लेडेकी ने माइकल फेल्प्स से ज्यादा ओवरऑल चैंपियनशिप गोल्ड जीते

फुकुओका (जापान)।

जापान के फुकुओका में वर्ल्ड एक्रेटिक चैंपियनशिप खेली जा रही है। ऑस्ट्रेलिया की मिक्स्ड 400 मीटर फ्रीस्टाइल रिले टीम ने तैराकी की वर्ल्ड चैंपियनशिप में वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ दिया। टीम ने 3 मिनट, 18.83 सेकेंड का समय लेकर अमेरिका (3: 20.82) और ब्रिटेन (3:21.68) को पीछे छोड़ते हुए गोल्ड मेडल जीता।

दूसरी ओर अमेरिकी तैराक केटी लेडेकी वर्ल्ड चैंपियनशिप में सबसे ज्यादा इंडिविजुअल गोल्ड मेडल (16) जीतने का रिकॉर्ड बनाकर एक बार फिर इतिहास की किताबों में शामिल हो गईं। उन्होंने हमवतन माइकल फेल्प्स (15) के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।

ऑस्ट्रेलिया ने अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा

जैक कार्टराईट, काइल चाल्मर्स, शायना जैक और मोली ओकैलाघन की ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 3: 19.38 के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ा, जो पिछले साल बुडापेस्ट में विश्व चैंपियनशिप में ऑस्ट्रेलियाई टीम द्वारा ही बनाया गया था। यह इस सप्ताह जापान में किसी ऑस्ट्रेलियाई रिले टीम द्वारा बनाया गया तीसरा विश्व रिकॉर्ड था। ओकैलाघन तीनों टीमों के हिस्सा थे और उन्होंने महिलाओं की 200 मीटर फ्रीस्टाइल में इंडीविजुअल विश्व रिकॉर्ड भी बनाया।

लेडेकी ने दो गोल्ड और एक सिल्वर जीता

अमेरिका की केटी लेडेकी ने वर्ल्ड चैंपियनशिप में 800 मीटर फ्रीस्टाइल फाइनल में गोल्ड मेडल जीतने के बाद यह उपलब्धि हासिल की। विमेंस 800 मीटर फ्रीस्टाइल में छह गोल्ड मेडल के साथ, अब उनके पास एक ही टूर्नामेंट में किसी स्विमर द्वारा सबसे ज्यादा वर्ल्ड चैम्पियनशिप गोल्ड मेडल हैं।

लेडेकी ने 1500 मीटर फ्रीस्टाइल में भी गोल्ड और 400 मीटर फ्रीस्टाइल में सिल्वर मेडल हासिल किया। इस तरह उनके कुल 3 मेडल हो गए।

पानीपत पुलिस ने कनाडा में मचाई धूम

वर्ल्ड पुलिस और फायर गेम्स में हेड कॉन्सटेबल संतोष शर्मा ने सिल्वर जीता; पिछले साल मिला था गोल्ड

पानीपत।

हरियाणा के पानीपत जिले की हेड कांस्टेबल संतोष शर्मा ने कनाडा में हुई वर्ल्ड पुलिस एवं फायर गेम्स में जिले का ही नहीं, बल्कि प्रदेश और देश का नाम एक बार फिर रोशन किया है। संतोष ने कुश्ती प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए फाइनल मुकाबले में प्रतिद्वंदी को पूरी टक्कर दी, लेकिन आखिरी क्षण में वह कुछ प्वाइंट से हार गई।

संतोष शर्मा को सिल्वर पदक से संतोष करना पड़ा, लेकिन इतने कड़े मुकाबले में सिल्वर मेडल जीता, इससे संतोष ही नहीं, बल्कि पानीपत और हरियाणा पुलिस में खुशी का माहौल है। हालांकि संतोष ने इसी प्रतियोगिता में पिछले साल नीदरलैंड में गोल्ड मेडल जीता था।

जब खेल में उतरीं, तब झेला था विरोध

हरियाणा के पानीपत जिले के गांव सिवाह निवासी रामनिवास शर्मा ने अपनी बेटी संतोष को वर्ष 2002 में अखाड़े में उतारा था। उस समय ग्रामीणों से लेकर रिश्तेदारों तक के विरोध का सामना करना पड़ा। आज उसी बेटी ने देश का गौरव बढ़ाया है। संतोष की इस उपलब्धि पर पूरा गांव खुश है।

कुश्ती खिलाड़ी संतोष शर्मा, पिता के साथ 2002 में दंगल देखने गई थी, जहां पर लड़कियों को कुश्ती करते देखा। इसके बाद उसे पद्मश्री मास्टर चंदगीराम के अखाड़े में छोड़ दिया गया, जहां से उसने प्रतियोगिताओं में भाग लेना शुरू किया। तब साथ में पिता और मां सरोज देवी जाते थे।

एक साल के अंदर संतोष नेशनल चैंपियन बन गई। सितंबर 2003 में खेल कोटे से हरियाणा पुलिस में सिपाही के पद पर भर्ती हुई। 2005 में बलाना गांव निवासी अनिल गौतम से शादी की। वह इंडियन रेसलिंग की कोच भी रह चुकी हैं।

इतने मेडल जीतने के बाद भी सिर्फ हेड कांस्टेबल

संतोष इससे पहले ऑल इंडिया चैंपियनशिप, इंडिया फेडरेशन, सीनियर और जूनियर नेशनल में 14 गोल्ड समेत 45 पदक जीत चुकी हैं। संतोष बताती हैं कि उन्हें हर कदम पर चुनौतियों का सामना करना पड़ा। लोग मेडल जीतने के बावजूद मनोबल तोड़ते थे, लेकिन इतने मेडल जीतने के बावजूद आज भी हेड कांस्टेबल हैं।

14 गोल्ड समेत 45 पदक कर चुकी अपने नाम

संतोष ने अगस्त 2017 में कैलिफोर्निया में विश्व पुलिस गेम्स में 63 किलोग्राम में स्वर्ण और प्लस 75 किलोग्राम में कांस्य पदक जीते। 2019 में चीन में हुई विश्व पुलिस गेम्स में सिल्वर मेडल जीता। इससे पहले संतोष ऑल इंडिया कुश्ती चैंपियनशिप में 4, इंडिया फेडरेशन कप में 4, सीनियर नेशनल में 3, जूनियर नेशनल में 3 स्वर्ण पदक सहित 45 पदक जीत चुकी हैं। संतोष शर्मा ने बताया कि 2012 से 2014 में लखनऊ में इंडिया कैंप में ओलिंपिक पदक विजेता साक्षी मलिक, गीता फोगाट, बबीता फोगाट, गीतिका जाखड़ और ललित को कोचिंग दे चुकी हैं।

संतोष की बेटी भी कुश्ती में कर रही कमाल

संतोष की बड़ी बेटी कीर्ति (15) और छोटी प्रीत 4 साल की है। जब वह कुश्ती का अभ्यास करती है तो पति अनिल गौतम बेटियों की देखरेख करते हैं। अब बेटी कीर्ति को भी कुश्ती की खिलाड़ी बना रही है।

कहीं भी हो सकते हैं मुंहासे...

मुंहासे हमारे शरीर के किसी भी भाग में हो सकते हैं, यहां तक कि सिर की त्वचा पर भी। सिर की त्वचा में मुंहासों की समस्या होने के बहुत से कारण होते हैं जैसे कि हार्मोन्स में असंतुलन, अस्वास्थ्यकर आहार, अस्वच्छता, एलर्जिक रिएक्शन आदि। आज हम आपको सिर की त्वचा पर आने वाले मुंहासों से तुरंत छुटकारा पाने के तरीके बताएंगे। टी ट्री ऑइल एक एंटीसेप्टिक और कीटाणु नाशक की तरह काम करते है। ऑलिव ऑयल और टी ट्री ऑयल को एक साथ मिला कर सिर पर लगाने से मुंहासें पैदा करने वाले कीटाणु मर जाते हैं। विनेगर और पानी को मिलाकर बालों में 20 मिनट लगाने से मुंहासे पैदा करने वाले बैक्टीरिया और तेल को साफ किया जा सकता है। 20 मिनट बाद आप बालों को धो लें। मुंहासों से छुटकारा पाने के लिए हल्दी पाउडर तथा नारियल के तेल को मिलाएं। इसे सिर पर मुंहासों वाली जगह पर लगाएं और बाद में गुनगुने पानी से धो डालें। एलोवेरा बहुत ही चमत्कारी है। इसे मुंहासों वाली जगह पर लगा कर कुछ देर तक सूखने दें। इसे दिन में कम से कम दो-तीन बार लगाएं। नीम में एंटीसेप्टिक और एंटीबायोटिक गुण होते हैं जिसके कारण यह मुंहासों के उपचार में काफी प्रभावी होता है। इसके लिए पानी में कुछ पत्तियों को उबाल लें और पीसकर पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को रोज मुंहासे पर लगाने से मुंहासे जल्दी सुख जाते है। सिर की त्वचा पर 10 मिनट टमाटर का ताजा रस लगाने से मुंहासों को दूर किया जा सकता है। इसमें सैलिसिलिक एसिड होता है।10 मिनट बाद में पानी से धो लें। इसे त्वचा पर ज्यादा देर तक न लगा रहने दें। शहद मुंहासे पैदा करने वाले बैक्टीरिया को रोकता है। इसे 10 मिनट मुंहासों पर लगा और पानी से धो दें। इसे दिन में कम से कम एक बार जरूर करें।

थ्रेडिंग के बाद पिंपल्स से छुटकारा

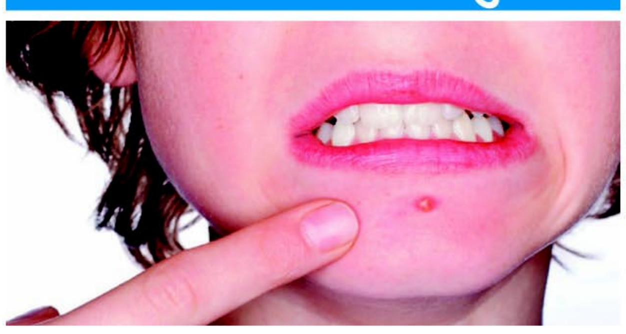

आजकल ज्यादातर महिलाएं खूबसूरत दिखने के लिए अपने चेहरे से अनचाहे बालों को हटाने के लिए थ्रेडिंग करवाती हैं। हर तरह की त्वचा पर थ्रेडिंग हो सकती है फिर चाहें आपकी त्वचा संवदेनशील हो या नहीं। पर अक्सर देखा जाता है कि ज्यादातर महिलाओं को थ्रेडिंग करवाने के बाद में दाने, पिंपल्स हो जाते हैं। इसलिए आज हम आपको थ्रेडिंग के बाद होने वाले पिंपल्स से छुटकारा पाने के लिए कुछ आसान से टिप्स देगें। थ्रेडिंग करवाने से पहले अपने चेहरे को गुनगुने पानी से धों लें। ऐसा करने से थ्रेडिंग के समय दर्द कम होता है। चेहरे को कॉटन के कपड़े से हल्के हाथों से पोंछ न कि रगड़कर पोंछें। अगर आप रगड़ कर कर पोंछेगे तो त्वचा ड्राई हो जाती है। अगर आपने घर पर ही टोनर बनाया हुआ है तो उसे चेहरे को हल्का नम कर दें। अगर आपके चेहरे पर दाने निकले हुए है तो उन पर जड़ी बूटी से बना टोनर ही लगाएं या फिर घर में बनी दालचीनी की चाय को टोनर के रूप में लगा सकती हैं। यह सब करने के बाद ही आप पार्लर में जाकर थ्रेडिंग करवाएं। जलन और संक्रमण से बचने के लिए अपनी आईब्रो पर बर्फ लगाएं। चेहरे को हमेशा गुलाब जल से ही धोएं। इसे लगाने से आपकी आईब्रो पर लगे कट, दाने व पिंपल ठीक हो जाते है। ध्यान में रखें कि आप जब भी थ्रेडिंग करवाकर आए तो थ्रेड़िंग वाले हिस्से को न छुएं। थ्रेडिंग करवाने के बाद कम से कम 12 घंटे की अवधि के दौरान एसिड की मौजूदगी वाले सुगांधित कॉस्मेटिक उत्पाद जैसे क्लींजर और मॉश्चराइजर न लगाएं।

184 सालों में पहली बार नहाया ये कछुआ...

दुनिया का सबसे पुराने जिंदा जीव के तौर पर पहचान रखने वाले जोनाथन ने 184 सालों में पहली बार नहाया है। उसका ये स्नान तो जानकारी में है, जो पहली बार है। उसने 184 सालों से पहले कभी नहाया हो, तो उसका रिकॉर्ड नहीं। ये जोनाथन दरअसल दुनिया का सबसे पुराना जीवित जीव है। जो एक विशालकाय कछुआ है। ये कछुआ सेंट हेलेना द्वीप पर रहता है। जिसकी सारी जिम्मेदारी सरकार उठाती है। सेंट हेलेना सरकार की तरफ वीडियो में जोनाथन को नहाते दिखाया गया है। सरकार ने इसे ऐतिहासिक पल करार देते हुए सभी सेंट हेलेना वासियों को उसे नहाते देखने के लिए आमंत्रित किया था। जोनाथन की देखरेख करने का जिम्मा संभालने वाले हॉलिंस का कहना है कि हम चाहते थे कि लोग आएं और जो लोग उससे मोहब्बत करते हैं, वो उसे महसूस करें। वो बहुत प्यारा है। हॉलिंस ने कहा कि मैं जब कुछ बोलता हूं, तो जोनाथन अलग ही आवाज में मुझे जवाब देता है। जोनाथन के साथ मेरी ट्यूनिंग बेहतरीन है। मैं हर सप्ताह उसकी जांच करता हूं और साफ सब्जियों की डाइट देता हूं। जोनाथन की देखरेख की इसलिए भी जरूरत है, क्योंकि वो दुनिया का सबसे उम्रदराज जीव है। मैं जोनाथन की देखरेख का जिम्मा पाकर खुद को धन्य महसूस कर रहा हूं ।

ब्रेस्टफीडिंग

कराने से होते हैं ये फायदे

मां के दूध में बच्चे के लिए सभी जरूरी पोषक तत्व मौजूद होते हैं। मां का दूध बच्चे के लिए संपूर्ण आहार कहा जाता है। छः महीने तक शिशु शरीर की सारी जरूरतें इससे पूरी हो जाती है। जिन शिशुओं को मां का दूध दिया जाता है, वे अन्य शिशुओं के मुकाबले कम बीमार पड़ते हैं। इतना ही नहीं ब्रेस्टफीडिंग सिर्फ आपके शिशु के लिए ही नहीं बल्कि आपके लिए भी फायदेमंद है। स्तनपान कराने वाली महिलाएं रोगमुक्त रहती हैं।

शरीर का तापमान होता है सामान्य

शिशु के जन्म के पहले कुछ हफ्तों में, अधिकांश शिशुओं को अपने शरीर के तापमान को सामान्य बनाने में कठिनाई होती है। स्तनपान आपके शिशु की उसके शरीर का तापमान सामान्य रखने में मदद करता है। उसे गर्म रखने के अलावा,त्वचा का त्वचा से स्पर्श आपके और आपके शिशु के बीच मजबूत भावनात्मक बंधन को भी बढ़ाता है।

संक्रमण से बचाव

ब्रेस्टफीडिंग से शिशुओं में सांस संबंधी समस्या व कान के संक्रमण जैसी समस्याओं से रक्षा होती है। इसके अलावा यह बच्चों में मधुमेह एवं श्वेत रक्तता, और अन्य एलर्जी जैसे दमा और एक्जिमा के खतरे को कम करता है।

तकलीफ के कम लक्षणों का प्रकट होना

मां के दूध के फायदों के बारे में विशेषज्ञों ने पता लगाया है कि जिन शिशुओं को टीकाकरण से ठीक पहले अथवा बाद में स्तनपान कराया जाता है, उनमें तकलीफ के कम लक्षण प्रकट होते हैं।

शिशुओं के वजन में बढ़ोत्तरी

ब्रेस्टफीडिंग समय से पहले जन्में शिशुओं की सेहत में सुधार करता है। अक्सर ऐसा देखा जाता है कि समय से पहले पैदा होने वाले बच्चों का वजन काफी कम होता है। ब्रेस्टफीडिंग के जरिए शिशुओं के वजन में बढ़ोत्तरी की जा सकती है।

वजन मां का भी कम होता है

स्तनपान कराने वाली महिलाएं अधिक कैलोरी को इस्तेमाल करती हैं जिसकी वजह से उनका वजन बढ़ जाता है। लेकिन प्राकृतिक ढंग से वजन को कम करने और मोटापे से बचने का यह कारगर तरीका है।

वसा निर्माण को उत्प्रेरित करता है

ब्रेस्टफीडिंग से शिशुओं को बचपन में होने वाले मोटापे के खतरे को कम किया जा सकता है। बाहरी दूध की तुलना में मां के दूध में इन्सुलिन काफी कम होता है (इन्सुलिन वसा निर्माण को उत्प्रेरित करता है)।

तनावमुक्त करने में मददगार

जब शिशु की तबीयत ठीक नहीं होती या वो बैचेनी महसूस करता है तो स्तनपान कराने से उसे आराम मिलता है। स्तनपान शिशु का रोना कम करने, और आपको तनावमुक्त करने में मदद करता है।

स्वस्थ आदतों का विकास

स्तनपान करने वाले शिशु अपने भोजन को नियमित रूप से लेने में, और जैसे-जैसे उनका शारीरिक विकास होता है वैसे-वैसे स्वस्थ आदतों को विकसित करने में भी अधिक कुशल होते है।

कैंसर का खतरा कम

स्तनपान करानेवाली माताओं को स्तन या गर्भाशय के कैंसर का खतरा कम होता है। स्तनपान एक प्राकृतिक गर्भनिरोधक है।

दिमाग का विकास

मां के दूध में कई ऐसे तत्व होते हैं जो शिशु के दिमाग के विकास के लिए जरूरी है। शोध में भी यह बात साबित हो चुकी है कि स्तनपान करने वाले शिशु बुद्धिमान होते हैं।

इस तरह से ब्रेस्टफीडिंग कराना बच्चे के साथ-साथ मां के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है।

पौधा एक फायदे अनेक

***अश्वगंधा** एक झाड़ीदार रोमयुक्त पौधा है। अश्वगंधा कहने को एक पौधा है, लेकिन यह बहुवर्षीय पौधा पौष्टिक जड़ों से युक्त है। अश्वगंधा के बीज, फल एवं छाल का विभिन्न रोगों के उपचार में प्रयोग किया जाता है। अश्वगंधा के पौधे में ऐसे औषधीय गुण होते हैं जो वजन घटाने, लकवा आदि से लड़ने में आपकी मदद करते हैं। ये पौधा बुखार, संक्रमण और सूजन आदि शारीरिक समस्याओं के लिए उपयोग में लाए जाते हैं। इसमें हार्ट अटैक के खतरे को कम करने की क्षमता मौजूद होती है। यह मधुमेह से ग्रसित लोगों में मोतियाबिंद जैसी समस्या पर भी लगाम लगाता है।*

निरोग करें शरीर: अश्वगंधा पौधे की पत्तियां त्वचा रोग, शरीर की सूजन एवं शरीर पर पड़े घाव और जख्म भरने जैसी समस्या से लेकर बहुत सी बीमारियों में भी बहुत उपयोगी है। अश्वगंधा के पौधे को पीसकर लेप बनाकर लगाने से शरीर की सूजन, शरीर की किसी विकृत ग्रंथि और किसी भी तरह के फुंसी-फोड़े को हटाने में काम आती है। अश्वगंधा पौधे की पत्तियों को घी, शहद पीपल इत्यादि के साथ मिलाकर सेवन करने से शरीर निरोग रहता है।

चर्म रोग से निजात

यदि किसी को चर्म रोग है तो उसके लिए भी अश्वगंधा जड़ीबूटी बहुत लाभकरी है। इसका चूर्ण बनाकर तेल से साथ लगाने से चर्म रोग से निजात पाई जा सकती है।

कैंसर कोशिकाओं को नष्ट करें

आमतौर पर कैंसर की दवाएं बीमार कोशिकाओं के साथ-साथ सामान्य कोशिकाओं को भी नुकसान पहुंचाती है, जिससे अन्य रोगों के बढ़ने की संभावना हो जाती है। लेकिन कैंसर की दवाओं के साथ अश्वगंधा का सेवन करने से अदभुत फायदा देखा गया है। अश्वगंधा के प्रयोग से केवल कैंसर ग्रस्त कोशिकाएं व न्यूरान्स ही नष्ट हुए, जबकि अन्य कोशिकाओं व न्यूरान्स को कोई नुकसान नही पहुंचा।

जवां बनाए रखें

वैज्ञानिकों के अनुसार अश्वगंधा के सेवन से न केवल मनुष्य लंबी उम्र तक जवान रह सकता है बल्कि इसको शरीर की त्वचा पर लगाने से त्वचा पर पड़ने वाली झुर्रियों से भी बचा जा सकता है।

अन्य लाभ

उच्चरक्तचाप की समस्या से पीड़ित लोग यदि अश्वगंधा के चूर्ण का दूध के साथ नियमित सेवन करेंगे तो निश्चित तौर पर उनका रक्तचाप सामान्य हो जाएगा। शरीर में कमजोरी या दुर्बलता को भी अश्वगंधा तेल से मालिश कर दूर किया जा सकता है, इतना ही नहीं गैस संबंधी समस्या में भी ये पौधा अत्यंत लाभदायक होता है। सांस संबंधी रोगों से निजात पाने के लिए अश्वगंधा के क्षार को शहद को घी के साथ मिलाकर सेवन करने से बहुत लाभ मिलता है। वृद्धावस्था में होने वाली बीमारियों को दूर करने, तरोताजा रहने और ऊर्जावान बने रहने के लिए अश्वगंघा चूर्ण को प्रतिदिन दूध के साथ लेना चाहिए।

प्याज के रस से कैसे बढ़ाएं बालों की लंबाई

प्याज घर में उपलब्ध सर्वश्रेष्ठ बालों के उत्पादों में से एक है। हालांकि अक्सर लोग इसकी तीखी गंध और इसे काटने पर आंखों में आने वाले आंसू के कारण इसे पसंद नहीं करते। लेकिन क्या आप जानती हैं कि प्याज बालों की विभिन्न प्रकार की समस्याएं जैसे बालों का झड़ना और दोमुंहें बालों को दूर करने में बहुत मददगार होती है। प्याज में मौजूद सल्फर बालों की जड़ों को पोषण देता है जिससे बालों के विकास में मदद मिलती है।

इसलिए बहुत से लोग बालों की लंबाई बढ़ाने के लिए प्याज का रस लगाते हैं। प्याज में मौजूद एंटी-बैक्टीरियल गुण के कारण इसका रस बालों में लगाने से गिरते बालों को रोकने, रूसी और सिर के संक्रमण आदि को दूर करने में मदद मिलती है। यह घरेलू उपाय बालों को चमकदार और मजबूत बनाने के लिए अदभुत रूप से काम करता है। अगर आप भी अपने बालों को स्वस्थ, चमकदार और लंबे बालों की चाह रखते हैं तो प्याज के रस से बने हेयर पैक का इस्तेमाल कर सकते हैं।

प्याज का रस

प्याज का रस निकालकर इसे अपने सिर की त्वचा यानी स्कैल्प पर लगाकर 25-30 मिनट के लिए छोड़ दें। साथ ही अपने सिर पर तौलिए को लपेट लें ताकी बालों के रोम इसे अवशोषित कर लें। फिर शैंपू से बालों को धो लें।

प्याज के साथ बीयर

बीयर आपके बालों को प्राकृतिक रुप से चमकदार बनाती है। प्याज के रस को बीयर में मिक्स करके लगाने से बालों की ग्रोथ होने के साथ बाल कंडीशन भी होते हैं। बाल को बढ़ाने के लिए इस उपाय को एक सप्ताह में दो बार करें।

प्याज और नारियल का तेल

तेल के साथ प्याज के रस को मिक्स करने पर यह बालों के विकास को बढ़ाता है और बालों को पोषण भी देता है। प्याज के रस को तेल के साथ मिलाकर बालों में मसाज करें। फिर एक तौलिया लपेटें और भाप लें। यह उपाय स्कैल्प से मृत त्वचा कोशिकाओं को हटाता है, जिससे बालों की ग्रोथ बढ़ जाती है।

प्याज के साथ शहद

बालों के विकास के लिए यह बहुत ही प्रभावी घरेलू उपाय है। इस पैक को बनाने के लिए प्याज का पेस्ट बनाकर उसमें कुछ बूंदें शहद की मिला लें। इस पेस्ट को बालों के उस हिस्से में लगाए जहां पर बाल कम हैं।

प्याज के साथ नींबू

नींबू और प्याज के रस का प्रयोग बालों की ग्रोथ के साथ रूसी के इलाज में भी मदद करती है। नींबू का रस स्कैल्प को साफ करने के साथ बालों का झड़ना भी कम करता है।

प्याज का रस और रम

बालों के विकास के लिए प्याज के रस का प्रयोग सबसे आसान तरीका है। इसके लिए रातभर आपको रम के एक गिलास में घिसी हुई प्याज को डाल कर रखना होगा। सुबह इस मिश्रण को छान कर अपने सिर की मसाज करें। इससे आपके बालों को मजबूती मिलेगी और जल्द से जल्द बाल बढ़ने शुरु हो जाएगें।

प्याज और अंडे की सफेदी

यह बात तो शायद सभी जानते हैं कि अंडा बालों के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है। लंबे बालों की चाह रखने वाले लोगों के लिए प्याज और अंडे से बना हेयर पैक बहुत ही लाभकारी होता है। इस पैक को बनाने के लिए प्याज के रस में अंडे के सफेद हिस्से को मिक्स कर लें। फिर इस पैक को 25-30 मिनट अपने गीले बालों में लगाकर शैंपू कर दें। प्याज के रस से बने हेयर पैक के इस्तेमाल से आप आसानी से बालों को लंबा, घना और चमकदार बना सकते हैं।

रेसिपी

भाटीया कड़ी

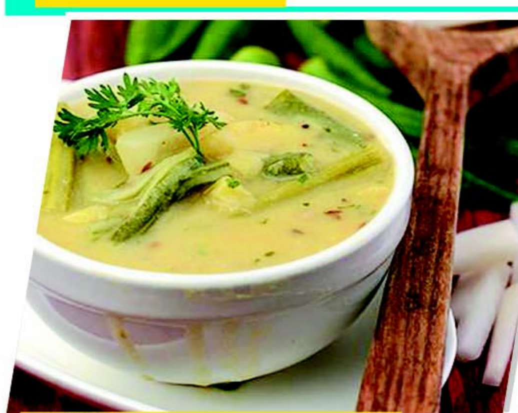

सामग्री

1 कप तुवर दाल, 1/4 कप दही, 1 टेबल-स्पून बेसन, 2 टेबल-स्पून तेल, 1 टी-स्पून जीरा, 1/2 टी-स्पून सरसों, 1/4 टी-स्पून हींग, 1/2 टी-स्पून मेथी दानें, 1 कप भिंडी, 50 मिमी के टुकड़ो में कटी हुई, 1/4 कप स्लाईस्ड मूली, 1 1/2 कप सहजन फली, 50 मिमी के टुकड़ो में कटी हुई, 3 से 4 कोकम, 10 मिनट के लिए भिगोकर छाने हुए, 4 टेबल-स्पून कटा हुआ गुड़, नमक स्वादअनुसार, 1/2 कप मोटे स्लाईस्ड केले, **सजाने के लिए:** 2 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया

विधि

तुवर दाल और 5 कप पानी को एक प्रैशर कुकर में मिलाकर, 2 सिटी तक प्रैशर कुक कर लें। ढ़क्कन खोलने से पुर्व सारी भाप निकलने दें। हल्का ठंडा कर, दाल छान लें और पानी को एक तरफ रख दें। इस व्यंजन के लिए आपको केवल पानी की आवश्यक्ता है। दही और बेसन को एक बाउल में अच्छी तरह फेंट लें। एक तरफ रख दें। एक गहरे नॉन-स्टिक पैन में तेल गरम करें और जीरा, सरसों, हींग और मेथी दानें डालें। जब सरसों के बीज चटकने लगे, भिंडी, मूली, सहजन फली और छाना हुआ दाल का पानी डालकर अच्छी तरह मिला लें। ढ़क्कन से ढ़ककर, धिमी आंच पर 8-10 मिनट के लिए या सब्जीयों के नरम होने तक, बीच-बीच में हिलाते हुए पका लें। कोकम, गुड़, तैयार दही-बेसन का मिश्रण और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और लगातार हिलाते हुए, धिमी आंच पर 4 से 5 मिनट के लिए पका लें। केले डालकर अच्छी तरह मिला लें और धिमी आंच पर और 2 मिनट के लिए पका लें। धनिया से सजाकर गरमा गरम परोसें।

माठा ची भाजी

सामग्री

6 कप कटी हुई चौलाई भाजी, 1 1/2 टी-स्पून तेल, 2 टी-स्पून सरसों, 1/2 टी-स्पून हींग, 1/2 टी-स्पून हल्दी पाउडर, 1 1/2 टेबल-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 2 टी-स्पून लहसुन का पेस्ट, 1/2 कप बारीक कटे हुए प्याज, 1 कप अंकुरित मूंग, एक चुटकी शक्कर, नमक सवादअनुसार, सजाने के लिए 3 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया

विधि

कढ़ाई में तेल गरम करें और सरसों डालें। जब बीज चटकने लगे, हींग, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और लहसुन का पेस्ट डालकर मध्यम आंच पर 1 मिनट तक भुनें। प्याज डालकर मध्यम आंच पर और मिनट या प्याज के नरम होने तक भुनें। चौलाई भाजी, अंकुरित मूंग डालकर मध्यम आंच पर 2 मिनट तक भुनें। 2 कप पानी, शक्कर और नमक डालकर अच्छी तरह मिलायें। ढ़ककर धिमी आंच पर 15 से 20 मिनट या अंकुरित मूंग के पकने तक, बीच-बीच में हिलाते हुए पका लें, जिससे सब्जी को बर्तन के नीचे चिपकने से बचाया जा सके। धनिया से सजाकर तुंरत परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**